अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद, आजमगढ़, अयोध्या, झांसी, अम्बेडकरनगर, एटा, औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, जौनपुर, श्रावस्ती, उरई, जालौन, फिरोजाबाद, हरदोई, मथुरा, कानपुर, ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर, सिद्धार्थनगर, सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 134 लखनऊ, शुक्रवार, 28 नवम्बर 2025 पृष्ठ : 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

भगवान श्रीकृष्ण की नगरी द्वारका की एएसआई ने फिर शुरु की खोज

नई दिल्ली। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने समुद्र में डूबी भगवान श्रीकृष्ण की नगरी द्वारका की एक बार फिर से खोज शुरू की है। इसको लेकर एएसआई के अंडरवाटर आर्कियोलॉजी विंग (यूएडब्ल्यू) ने गुजरात के द्वारका और बेट द्वारका में खुदाई शुरू की है। इस कार्य में जमीन पर और समुद्र में दोनों जगह खुदाई होगी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के मुताबिक एएसआई के अतिरिक्त महानिदेशक (पुरातत्व) प्रो. आलोक त्रिपाठी के नेतृत्व में छह पुरातत्वविदों की टीम ने द्वारका तट पर खोज शुरू की। अभी खुदाई 56 सीढ़ी क्षेत्र, गोमती घाट के पास शुरू की गई है। द्वारकाधीश मंदिर के आसपास जगह कम होने के कारण खुदाई फिलहाल छोटे क्षेत्र में हो रही है।

केंद्र ने 32 क्लीन-टेक स्टार्टअप्स को दी हरी झंडी

नई दिल्ली। शहरों को और स्वच्छ बनाने के लिए केंद्र सरकार ने आईआईटी कानपुर के साथ मिलकर 32 नए क्लीन-टेक स्टार्टअप्स लॉन्च किए हैं। सरकार का कहना है कि यह मॉडल शहरी निकायों, स्टार्टअप्स और निवेशकों को एक मंच पर लाकर वेस्ट मैनेजमेंट के लिए कामयाब और कम-लागत वाले समाधान तैयार करेगा। केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय के अनुसार, इससे पहले 30 स्टार्टअप्स ने मिलकर 500 करोड़ रुपये से ज्यादा का वैल्यूएशन खड़ा किया और 2 हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार दिया।

क्या आधार रखने वाले 'घुसपैठियों' को वोट देने का हक मिलना चाहिए?: सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

- मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की एक पीठ ने एसआईआर को चुनौती देने वाली अलग-अलग राज्यों की याचिकाओं पर सुनवायी करते हुए यह बात कही

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया की संवैधानिक वैधता पर एक अहम सुनवाई के दौरान गुरूवार को पूछा, ''क्या ऐसे लोग जो गैर-कानूनी तरीके से भारत में आये हैं, लेकिन जिनके पास कल्याण कारी योजनाओं के लाभों को लेने के लिए आधार कार्ड हैं, उन्हें भी वोट देने का हक होना चाहिए?''

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की एक पीठ ने एसआईआर को चुनौती देने वाली अलग-अलग राज्यों की याचिकाओं पर सुनवायी करते हुए यह बात कही। यह बात पश्चिम बंगाल और केरल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के इस तर्क के बाद आई कि आधार कार्ड होने के बावजूद मतदाताओं को बाहर रखा जा रहा है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने स्पष्ट किया कि आधार का मकसद इसे बनाने वाले कानून के तहत योजनाओं का लाभ पाने तक ही सीमित है। उन्होंने पूछा ''मान लीजिए कि पड़ोसी देशों से लोग यहां आते हैं और यहां रिक्शा चलाने या मज़दूरी करने लगते हैं। अगर आप आधार कार्ड इसलिए जारी करते हैं ताकि उन्हें सब्सिडी वाला राशन मिल सके, तो यह हमारे संवैधानिक मूल्यों के हिसाब से है। लेकिन क्या इसका मतलब यह है कि क्योंकि उन्हें यह फ़ायदा दिया गया है, तो अब उन्हें वोटर भी बना देना चाहिए?''बिहार में मतदाता सूची से नाम हटाने को लेकर जतायी गयी चिंताओं पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि बड़े पैमाने पर मीडिया कवरेज ने एसआईआर प्रक्रिया को पूरे राज्य में मशहूर कर दिया है। ''कभी-कभी हमें मीडिया को पूरा क्रेडिट देना चाहिए। अगर दूर-दराज़ के इलाकों के लोगों को जानकारी थी कि नई लिस्ट आ रही है, तो क्या कोई कह सकता है कि उन्हें पता नहीं था?''अधिवक्ता सिब्बल की इस बात पर कि एसआईआर प्रक्रिया का बोझ मतदाताओं पर नहीं पड़ना चाहिए, और सॉफ्टवेयर फर्जी मतदाताओं का असरदार तरीके से पता लगा सकता है, न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि तकनीकी उपकरण मृत मतदाताओं की पहचान नहीं कर सकते। ''यह सब राजनीतिक रुझान पर निर्भर करता है। अगर पार्टी 'अ' मज़बूत है, तो सभी मृत मतदाता उसी पार्टी को वोट देंगे।

रेलवे में हलाल प्रमाणित भोजन परोसने का कोई नियम निर्देश नहीं मामले की जांच होगी : वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज स्पष्ट किया कि रेलवे ने किसी भी ट्रेन की खानपान सेवा में 'केवल हलाल' प्रमाणन वाले खाद्य पदार्थ परोसे जाने को लेकर कोई भी निर्देश नहीं दिया है और गाड़ियों में ऐसे उत्पाद कैसे आये हैं, इसकी जांच के आदेश दे दिये गये हैं।

वैष्णव ने यहां रेल भवन में एक कार्यक्रम के इतर संवाददाताओं द्वारा ट्रेनों में हलाल प्रमाणित भोजन परोसे जाने को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के रेलवे बोर्ड को भेजे गये नोटिस के बारे में पूछे जाने पर कहा कि रेलवे में परोसे जाने वाले भोजन के हलाल प्रमाणन को लेकर कभी कोई निर्देश नहीं दिया गया है। उनसे पूछा गया कि एनएचआरसी ने रेलवे बोर्ड को नोटिस किया है जिसमें रेलवे द्वारा हलाल प्रमाणित भोजन परोसे जाने का आरोप एक युवक ने लगाया था। क्या वह जवाब देंगे, रेल मंत्री ने कहा, ''यह बहुत स्पष्ट है। रेलवे के किसी भी नियम में हलाल प्रमाणन की कोई जरूरत या बाध्यता नहीं है। रेलवे कभी भी किसी हलाल प्रमाणन की मांग नहीं करती है। यह एकदम स्पष्ट है। मैं आपको एकदम स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं। कोई हलाल प्रमाणन की जरूरत नहीं है जो पूरा विवाद हुआ है, वो किसी एक पुराने वीडियो के आधार पर हुआ है। कोई चाय का पैकेट उस वीडियो में बताया गया है जो शुद्ध रूप से शाकाहारी है और किस कारण से उसके ऊपर लिखा हुआ हलाल प्रमाणन, उसकी भी जांच करेंगे।''

असम में बहुविवाह प्रतिबंध विधेयक पारित

एजेंसी

- मुख्यमंत्री सरमा ने दोबारा सत्ता में आने पर यूसीसी तुरंत लागू करने का संकल्प दोहराया

गुवाहाटी। असम विधानसभा ने गुरुवार को असम प्रोहिबिशन ऑफ पॉलिगैमी बिल, 2025 को मंजूरी दे दी। इसी दौरान मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्व सरमा ने सदन में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लेकर एक बड़ा राजनीतिक संदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि यदि वे अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों के बाद फिर से सत्ता में लौटते हैं तो नई सरकार के पहले सत्र में ही यूसीसी पेश किया जाएगा और बिना किसी देरी के लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बहुविवाह प्रतिबंध कानून ल्लयूसीसी की दिशा में उठाया गया ठोस कदमङ्क है और सभी समुदायों में व्यक्तिगत कानूनों की एकरूपता लाना उनकी प्रतिबद्धता है।

विधेयक में बहुविवाह को दंडनीय अपराध माना गया है, जिसके लिए 10 साल तक की सजा का प्रावधान है। हालांकि, अनुसूचित जनजातियों और षष्ठ अनुसूची के अधीन क्षेत्रों को इस कानून से मुक्त रखा गया है। सरमा ने स्पष्ट किया कि यह कानून ल्लधर्म निरपेक्षङ्क है और किसी एक समुदाय को लक्षित नहीं करता। उनके अनुसार, ल्लहिंदू, मुस्लिम, क्रिश्चियन-सभी समाजों में बहुविवाह के मामले मिलते हैं, इसलिए यह कानून सभी पर समान रूप से लागू होगा। सरकार की एकता की अपील के बावजूद एआईयूडीएफ और माकपा ने विधेयक में संशोधन की मांग की, लेकिन सभी संशोधन ध्वनिमत से खारिज कर दिए गए। सरमा ने यह भी घोषणा की कि सरकार फरवरी अंत तक ल्लछलपूर्वक विवाहङ्क के खिलाफ एक अलग विधेयक लाएगी, जिसे वे आम बोलचाल में ल्ललव-जिहादङ्क से जुड़े मामलों पर कार्रवाई की दिशा में एक कदम बताते हैं।

अच्छा प्रयास नाम के साथ ब्रांड बन जाता है: योगी

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा में किया मेदांता सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का उद्घाटन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को नोएडा में मेदांता सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का उद्घाटन किया। सीएम ने निरीक्षण कर यहां की व्यवस्थाओं के बारे में जाना और इसे क्वालिटी हेल्थ सर्विसेज का बेहतरीन सेंटर बताया। उन्होंने कहा कि यह केवल सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल ही नहीं, बल्कि एक छत के नीचे ढेर सारा रोजगार व यूपी को बड़ा निवेश भी दे रहा है। सीएम ने मेदांता की तारीफ करते हुए कहा कि नाम ही काफी है। जब भी हम अपने परिश्रम, प्रयास से सही दिशा को चुनते हैं तो उसके परिणाम भी अच्छे आते हैं। अच्छा प्रयास नाम के साथ ब्रांड बन जाता है और बेहतरीन-क्वालिटी हेल्थ सर्विसेज में मेदांता देश में ब्रांड बना है।

बेहतरीन सेवा से मेदांता ने लखनऊ में भी बनाई पहचान

सीएम योगी ने कहा कि गुड़गांव के बाद जब लखनऊ में मेदांता का शुभारंभ होना था तो लोग पूछते थे कि क्या यह चल पाएगा, हमें तब भी संदेह नहीं था। मेदांता ने लखनऊ में भी बेहतरीन सेवा से पहचान बनाई है। कोविड के दौरान वह हॉस्पिटल यूपी वासियों के लिए बहुत उपयोगी साबित हुआ। सीएम ने कहा कि पश्चिम यूपी में बहुत दिनों से और भी अच्छे हॉस्पिटल की मांग होती थी। सीएम ने यहां की सर्विसेज की तारीफ की।

यूपी की राजनीति में महिलाओं का उदय

मनोज शुक्ला

बिहार विधानसभा चुनाव के ताज़ा नतीजों ने भारतीय राजनीति की दिशा बदल दी है। यह पहली बार इतने स्पष्ट रूप से दिखा कि महिलाएँ अब सिर्फ एक मतदाता वर्ग नहीं रहीं—वे चुनाव का परिणाम तय करने वाली असली निर्णायक शक्ति बन चुकी हैं। बिहार में महिलाओं को मिली सीधी आर्थिक सहायता ने पूरा माहौल बदल दिया, और अब उसी मॉडल को उत्तर प्रदेश में कहीं बड़े पैमाने पर लागू करने की तैयारी तेज हो गई है। इसी वजह से यूपी की लखपति दीदी योजना राष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श का केंद्र बन चुकी है।

यूपी की महिला वोट शक्ति— अब सिर्फ संख्या नहीं, सत्ता बदलने की ताकत

उत्तर प्रदेश में महिलाओं की उपस्थिति लगातार अधिक प्रभावशाली होती जा रही है। ग्रामीण इलाकों में यह समझ मजबूत हुई है कि जिस सरकार से महिलाओं को सुरक्षा और आर्थिक मदद मिलती है, पूरा परिवार उसी दिशा में वोट करता है। महिलाएँ अब रसोई गैस, मकान, शौचालय, थाली में पोषण, स्वरोज़गार और सीधी आर्थिक सहायता जैसी योजनाओं के आधार पर नीतिगत वोट कर रही हैं। यूपी में 7.20 करोड़ महिला वोटर—देश का सबसे बड़ा महिला मतदाता समूह। मध्यप्रदेश की 2.75 करोड़, महाराष्ट्र की 4.46 करोड़ और बिहार की 3.41 करोड़ महिला वोटर संख्या भी यूपी से काफी पीछे हैं। इसी वजह से यूपी की महिलाएँ हर चुनाव का सबसे निर्णायक ब्लॉक मानी जाती हैं।

योगी सरकार का मिशन—महिला को आर्थिक रूप से सबसे मजबूत बनाना

उत्तर प्रदेश सरकार का लक्ष्य साफ है—महिला की कमाई बढ़ाओ, परिवार और समाज दोनों बदल जाएंगे। 'लखपति दीदी' अभियान इसी सोच की अगली बड़ी सीढ़ी है। इसका मकसद यह है कि यूपी की हर महिला के पास एक स्थायी, मासिक आय हो—ताकि घर का खर्च, बच्चों की ज़रूरत और भविष्य की सुरक्षा महिलाएँ खुद तय कर सकें।

इससे महिलाओं का आत्मविश्वास, नेतृत्व, सामाजिक भूमिका और आर्थिक योगदान—चारों स्तरों पर बदलाव आ रहा है।

स्वयं सहायता समूह—महिला आत्मनिर्भरता की असली ताकत- यूपी में स्वयं सहायता समूह आज सबसे बड़ा महिला-आधारित आर्थिक नेटवर्क बन चुका है। पहले जो समूह सिर्फ बचत और छोटी सहायता तक सीमित थे, अब वे उत्पादन, मार्केटिंग, डिजिटल भुगतान, सरकारी परियोजनाओं और तकनीकी सेवाओं का बड़ा ढांचा संभाल रहे हैं।ये समूह अब महिलाएँ को सिर्फ पैसा नहीं दे रहे—वे पहचान, नेतृत्व और सामाजिक सम्मान भी दे रहे हैं। गाँव के हर बड़े फैसले में अब महिलाओं की आवाज सुनी जा रही है।

महिलाओं की नई भूमिकाएँ—गाँव की अर्थव्यवस्था का चेहरा बदल गया

उत्तर प्रदेश में महिलाओं की आर्थिक भागीदारी गाँव-गाँव में नई तस्वीर बना रही है— बैंक सखी—गाँवों में डिजिटल ट्रांज़ैक्शन को आसान और सुरक्षित बना रही हैं। ड्रोन सखी—खेती में आधुनिक तकनीक की नई क्रांति। विद्युत सखी—ग्रामीण बिजली सेवाओं में सुधार। बलिनी कैंटीन—सरकारी कार्यालयों में महिलाओं के स्वावलंबन का मॉडल।

THR इकाइयाँ—पोषाहार उत्पादन, कुपोषण के खिलाफ जंग। डेयरी, सब्जी उत्पादन, हस्तशिल्प, भोजनालय—गाँव की अर्थव्यवस्था में नई ऊर्ज़ा। महिलाएँ अब सिर्फ सहभागी नहीं—उत्तर प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की असली चालक बन चुकी हैं। बिहार मॉडल के बाद यूपी की रणनीति में बड़ा बदलाव। बिहार में महिलाओं ने सत्ता का फैसला बदल दिया। भाजपा को साफ संकेत मिला—महिला वोटर भावनात्मक नहीं, आर्थिक सुरक्षा आधारित निर्णय लेती हैं।

इसी कारण यूपी में भी सीधी नकद सहायता देने वाली एक बड़ी योजना पर गंभीर चर्चा चल रही है, जो लखपति दीदी की अगली कड़ी हो सकती है। PDA के मुकाबले भाजपा का नया मंत्र—महिला सशक्तिकरण मॉडल। 2024 में PDA फॉर्मूले ने भाजपा को चुनौती दी। इसके जवाब में भाजपा महिलाओं को दीर्घकालिक आर्थिक सुरक्षा देने वाला मॉडल तैयार कर रही है—जो किसी भी राजनीतिक समीकरण को पलटने की क्षमता रखता है।

2027 का मिशन—महिला वोट को भाजपा का सबसे मजबूत स्तंभ बनाना- सूत्रों के मुताबिक यूपी सरकार महिलाओं के लिए एक अभूतपूर्व आर्थिक सहायता स्कीम को अंतिम रूप देने में जुटी है। यह योजना एक करोड़ से अधिक महिलाओं को स्थायी आर्थिक सुरक्षा दे सकती है। उद्देश्य है—2027 से पहले महिलाओं में इतना विश्वास पैदा करना कि भाजपा का सामाजिक आधार अटूट हो जाए।

यह तय है— 2027 का चुनाव महिलाओं के इर्द-गिर्द ही लड़े और जीते जाएंगे।

गोरखपुर-पीलीभीत एक्सप्रेस ट्रेन का इज़्ज़तनगर तक विस्तार वैष्णव ने दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में गोरखपुर और पीलीभीत के बीच चलने वाली 15009 डाउन/15010 अप एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन बरेली के इज़्ज़तनगर तक बढ़ा दिया गया और जल्द ही पीलीभीत से अमृतसर के लिए रेल संपर्क दिया जाएगा। रेल, सूचना प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने रेल मंत्रालय से वर्चुअल माध्यम से पीलीभीत बरेली एवं पूरनपुर में रेलवे स्टेशनों पर आयोजित कार्यक्रम में हरी झंडी दिखा कर गाड़ी को विस्तारित गंतव्य के लिए रवाना किया। कार्यक्रम में पूरनपुर के विधायक बाबूराम पासवान एवं बरेली के सांसद छत्रपाल गंगवार मौजूद थे। इस मौके पर रेल मंत्री वैष्णव ने वीडियोलिंक के माध्यम से कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि वह जल्द ही पीलीभीत से पंजाब में अमृतसर एवं अन्य शहरों के लिए रेल कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए कदम उठाएंगे। उन्होंने बताया कि मोदी सरकार ने 2014 के बाद से उत्तर प्रदेश के लिए रेल बजट का आवंटन 1109 करोड़ रुपये से बढ़ा कर 19858 करोड़ रुपये तक कर दिया है।

नैमिष-मथुरा रेल मार्ग बनाने की मांग हुई तेज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- नैमिष-मथुरा रेल मार्ग समिति ने फिर भेजा सामूहिक प्रार्थना पत्र
- पीएम को भेजें इस पत्र में भी पांच सौ से अधिक लोगों के हैं हस्ताक्षर
- नैमिष-मथुरा रेल मार्ग संघर्ष समिति ने पूर्व में भी भेजे हैं कई पत्र

लखनऊ। प्राचीनतम तीर्थ और वैश्विक पर्यटन केन्द्र नैमिषारण्य को रेल मार्ग द्वारा मथुरा से जोड़े जाने के सम्बन्ध में श्रद्धालुओं ने एक बार फिर सामूहिक प्रार्थना पत्र प्रधानमंत्री को भेजा है। इस पत्र पर 500 से अधिक लोगों के हस्ताक्षर हैं। इसके पूर्व में भी इस आशय का पत्र इसी साल 10 जनवरी, 4 फरवरी, 22 अप्रैल, 28 जुलाई, और 30 अगस्त को भेजा जा चुका है। समिति के सचिव अजय पाल सिंह सोमवंशी ने पत्र भेजते हुए इस मामले में शीघ्र कार्रवाई कर श्रद्धालुओं की मांग पूरी करने का निवेदन किया है।

समिति के सचिव द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार इस बाबत पूर्व में प्रेषित पत्र सं0. 34/ रे0जो0स0/ शासन/25 दिनांक 10.01.2025 एवं स0 48/२0 जो0स0/शासन/25 दिनांक 04.02.2025 तथा सं0 59/रे0जो0सं0/ शासन/25 दिनांक 22. 04.2025 एवं सं0 73/रे0जो0सं0/ शासन / 25 दिनांक 28.07.2025 तथा सं0 78/रे0जो0 सं0/ शासन/25 दिनांक 30.08.2025 के अनुक्रम में निवेदन किया गया है कि भारत सरकार द्वारा यूपी के जिन पांच तीथों को वैश्विक पर्यटन केन्द्र घोषित किया गया है, उनमें काशी, अयोध्या, प्रयागराज एवं मथुरा के साथ नैमिषारण्य भी है। पर दुखद यह है कि नैमिषारण्य को छोडकर शेष चारों तीर्थ रेल, हवाई और राष्ट्रीय राजमार्ग-एक्सप्रेस-वे से जुड़े हुए हैं। किन्तु दुखद पहलू यह है कि इन साधनों में से नैमिषारण्य को कुछ भी नसीब नहीं है।

पत्र में मांग की गई है कि तीर्थयात्रियों एवं पर्यटकों की सुविधा व नैमिषारण्य को प्रदेश के अन्य तीर्थो से जोड़ने के लिए आवागमन की सुगम एवं सस्ती सुविधा उपलब्ध कराने के लिए नैमिषारण्य से हरदोई होकर फर्रुखाबाद तक 112 कि0मी0 नयी रेल लाइन बिछाकर नैमिषारण्य को मथुरा से रेलमार्ग तक जोड़ा जाना नितान्त आवश्यक है। इससे न केवल नैमिषारण्य समेत पांचों वैश्विक तीर्थ वृत्ताकार रूप में स्वतः आपस में जुड़ जाएंगे, अपितु एक नया रेल गलियारा भी मिल जायेगा। इस संबंध में आगरा जिले के 610 नागरिकों द्वारा पूर्व में प्रधानमंत्री से की गयी सामूहिक प्रार्थना सम्बन्धी पत्र भी इस प्रेषित किया है। निवेदन किया गया है कि सम्बन्धित मंत्रालय को अति शीघ्र उचित दिशा निर्देश देने की कृपा करें। इस पत्र की प्रतिलिपि रेल मंत्री, मुख्यमंत्री यूपी, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री भारत सरकार, पर्यटन मंत्री यूपी और रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष, महाप्रबन्धक पूर्वात्तर और उत्तर रेलवे आदि को भी भेजी गई है।

पूर्व प्रधानमंत्री वी.पी. सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय किसान मंच की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री वी.पी. सिंह की पुण्यतिथि पर गुरुवार को श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। मंच के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उन्हें दलितों, पिछड़ों, किसानों और अल्पसंख्यकों का मसीहा बताते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष शेखर दीक्षित ने कहा कि प्रधानमंत्री का पद आमजन की सेवा का पद है, लेकिन आज देश की हालत चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि जिन मुद्दों पर बात होनी चाहिए, वे गायब हैं। बदलाव के दावे तो होते हैं, पर जमीनी स्तर पर हालात जस के तस हैं।

दीक्षित ने कहा कि समाज पहले जाति के नाम पर बंटता था, अब धार्मिक आधार पर संघर्ष खड़ा किया जा रहा है। देश के संसाधनों पर मुट्ठीभर उद्योगपतियों का कब्जा बढ़ता जा रहा है। गरीब चाहे दलित हो, पिछड़ा हो, किसान हो या अल्पसंख्यक और गरीब होता जा रहा है। किसानों की भूमिका पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि देश की तरक्की में सबसे बड़ा योगदान किसान का है, लेकिन रोजगार की स्थिति इस कदर बिगड़ चुकी है कि न निजी क्षेत्र में अवसर हैं और न सरकारी विभागों में उम्मीदें बची हैं। उन्होंने कहा कि आज भी देश की असली जड़ें गांवों में बसती हैं। वीपी सिंह को इसलिए याद किया जाता है क्योंकि उन्होंने वंचित वर्गों की आवाज़ को सत्ता तक पहुंचाया। आज जरूरत है कि हम किसानी और सामाजिक न्याय की अहमियत को फिर समझें, दीक्षित ने कहा। सभा में बड़ी संख्या में किसान, कार्यकर्ता और ग्रामीण शामिल रहे।

अन्नदाताओं को अनुदान पर सोलर पंप उपलब्ध कराएगी डबल इंजन सरकार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार पीएम कुसुम योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में यूपी के 'अन्नदाता किसानों' को अनुदान पर 40521 सोलर पंप उपलब्ध कराएगी। इसका लाभ प्राप्त करने के लिए किसानों को 15 दिसंबर तक कृषि विभाग की वेबसाइट www.agriculture.up.gov.in पर आवेदन करना होगा। अनुदान पर सोलर पंप उन्हीं किसानों को मिलेगा, जो विभाग की इस वेबसाइट पर पंजीकृत होंगे। किसानों का चयन ई-लॉटरी के जरिए होगा। किसानों को 9 प्रकार के सोलर पंप पर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा अनुदान के रूप में बड़ी राशि की छूट मुहैया कराई जा रही है। यह अनुदान उत्तर प्रदेश के किसानों की समृद्धि में सहायक हो रहा है। उप्र कृषि विभाग की ओर से किसानों को अलग-अलग सोलर पंपों पर अनुदान दिए

40521 सोलर पंप का किया जाएगा वितरण, 15 दिसंबर तक आवेदन कर सकते हैं किसान

जाएंगे। इसमें केंद्र व राज्य सरकार का अलग-अलग अंश भी होगा। 2 एचपी डीसी/एसी सरफ़ेस पंप पर राज्य सरकार द्वारा 56737-56737 रुपये व केंद्र सरकार द्वारा 41856-41856 रुपये का अनुदान मुहैया कराए जाएंगे। दोनों पंपों पर कुल 98593-98593 रुपये अनुदान स्वरूप किसानों को प्रदान मिलेंगे। 2 एचपी डीसी सबमर्सिबल पंप पर केंद्रांश व राज्यांश के रूप में किसानों को 1,00,215 रुपये का अनुदान प्राप्त होगा। 2 एचपी एसी सबमर्सिबल पंप 99,947 रुपये का अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। 3 एचपी डीसी सबमर्सिबल पंप पर 1,33,621 रुपये व 3 एचपी एसी सबमर्सिबल पंप पर 1,32,314 रुपये का अनुदान मिलेगा। इसमें राज्य की ओर से 77,618 रुपये व केंद्र सरकार की ओर से 54696 रुपये का अनुदान प्राप्त होगा। 5 एचपी एसी सबमर्सिबल पंप पर 1,88,038 रुपये का अनुदान किसानों को प्राप्त होगा। वहीं 7.5 एचपी एसी व 10 एचपी एसी सबमर्सिबल पंप पर किसानों को अलग-अलग अनुदान के रूप में सर्वाधिक 2,54,983 रुपये का लाभ मिलेगा। दोनों पंपों पर अलग-अलग अनुदान भी मिलेगा। राज्य सरकार की ओर 1,40,780 व केंद्र सरकार द्वारा 1,14,203 रुपये का अनुदान पंजीकृत किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा।

टोकन मनी के रूप में किसानों को जमा करने होंगे महज पांच हजार रुपये

राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा व उत्थान महाभियान (पीएम कुसुम) के अंतर्गत योगी सरकार ने किसानों से 15 दिसंबर तक आवेदन करने की अपील की है। किसानों को अनुदान पर सोलर पंप की ऑनलाइन बुकिंग, www.agriculture.up.gov.in पर जाकर 'अनुदान हेतु सोलर पंप की बुकिंग करें' लिंक पर जाकर करनी होगी। ऑनलाइन बुकिंग के साथ किसानों को टोकन मनी के रूप में पांच हजार रुपये जमा करने होंगे। बुकिंग कन्फर्म होने के बाद पंजीकृत मोबाइल पर किसानों को सूचना प्राप्त हो जाएगी। इसके बाद किसानों को अनुदान के बाद बची अवशेष धनराशि ऑनलाइन जमा करनी होगी। कृषि विभाग के मुताबिक किसानों द्वारा बैंक से ऋण लेकर किसान अंश जमा करने पर कृषि अवस्थापना निधि (एआईएफ) के अंतर्गत केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा तीन-तीन फीसदी (कुल छह फीसदी) की छूट ब्याज में प्रदान किए जाने का प्रावधान है।

किसानों को रखना होगा ध्यान

कृषि विभाग के मुताबिक 2 एचपी के लिए 4 इंच, 3 व 5 एचपी के लिए छह इंच व 7.5 एचपी व 10 एचपी के लिए 8 इंच की बोरिंग अनिवार्य है। यह बोरिंग स्वयं किसान की होगी। सत्यापन के समय बोरिंग न पाए जाने पर टोकन मनी की धनराशि जब्त होगी और आवेदन निरस्त माना जा सकता है। 22 फीट तक 2 एचपी सरफ़ेस, 50 फीट तक 2 एचपी सबमर्सिबल, 150 फीट तक 3 एचपी सबमर्सिबल, 200 फीट तक 5 एचपी सबमर्सिबल, 300 फीट तक उपलब्ध जल स्तर के लिए 7.5 एचपी व 10 एचपी सबमर्सिबल सोलर पंप उपयुक्त होते हैं। पोर्टल पर जनपदवार 2 एचपी व 3 एचपी का लक्ष्य सम्मिलित रूप से प्रदर्शित होगा। किसान आवश्यक्तानुसार सोलर पंप का चयन कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति के आने से पहले पुलिस अलर्ट, गुलजार उपवन में बम-डॉग स्क्वॉड ने की जांच

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के मूवमेंट को लेकर पुलिस अलर्ट मोड में है। राष्ट्रपति 28 नवंबर को 'विश्व एकता एवं विश्वास ध्यान (योग)' कार्यक्रम में हिस्सा लेंगी। इसको लेकर सुलतानपुर रोड स्थित कार्यक्रम स्थल राजयोग प्रशिक्षण केंद्र (गुलजार उपवन) में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। ब्रह्मकुमारीज संस्थान के कार्यक्रम स्थल के आसपास गुरुवार सुबह से ही पुलिस बल की भारी तैनाती की गई है। कई थानों की फोर्स, पीएसी कंपनियां, ट्रैफिक पुलिस और इंटेलिजेंस यूनिट संयुक्त रूप से सुरक्षा व्यवस्था को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। वरिष्ठ अधिकारी लगातार स्थल का निरीक्षण कर रहे हैं। बम डिस्पोजल स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड की टीमों ने हॉल, स्टेज, मेडिटेशन एरिया, पार्किंग और सभी एंट्री पॉइंट्स पर गहन जांच शुरू कर दी है। सुरक्षा एजेंसियां हर कोने और हर रूट की चेकिंग कर रही हैं ताकि किसी आशंका की गुंजाइश न बचे। कार्यक्रम में आने वालों के लिए मल्टी-लेयर सुरक्षा जांच पोस्ट बनाई गई हैं। केवल पंजीकृत आमंत्रित लोगों को ही प्रवेश मिलेगा। सभी को आईडी वेरिफिकेशन, बैग स्कैनिंग और फ्रिस्किंग प्रक्रिया से गुजरना होगा। सुरक्षा अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश हैं कि किसी लेवल पर ढिलाई नहीं बरतनी है। राष्ट्रपति प्रोटोकॉल के तहत प्रशासन जल्द ही स्थल पर रिहर्सल कराएगा। इसमें राष्ट्रपति के आगमन मार्ग, मंच तक पहुंच, आपात प्रबंधन और एस्कॉर्ट मूवमेंट जैसी प्रक्रियाओं का अभ्यास शामिल होगा। रिहर्सल के बाद अंतिम सुरक्षा प्लान को फाइनल किया जाएगा। स्टेज, वीवीआईपी गैलरी, मीडिया सेंटर, पार्किंग और मेडिटेशन जोन की तैयारियां तेज रफ्तार से चल रही हैं। आयोजन समिति और प्रशासनिक टीमें मिलकर स्थल को अंतिम रूप दे रही हैं। अनुमान है कि कार्यक्रम में प्रदेशभर से बड़ी संख्या में राजयोग साधक, प्रतिभागी और अतिथि शामिल होंगे।

गोमती नदी में कूदी महिला,10 घंटे बाद मिला शव, नहीं हुई पहचान

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के चौक क्षेत्र में बुधवार शाम गोमती नदी में एक महिला कूद गई। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके कर पहुंची पुलिस ने गोताखोर और एसडीआरएफ की मदद से रेस्क्यू शुरू किया। करीब 10 घंटे के बाद महिला का शव बरामद हुआ। अभी तक शव की पहचान नहीं हो सकी है। शव को मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। बुधवार शाम करीब 7.45 पर चौक थाना क्षेत्र स्थित पक्के पुल से एक महिला गोमती नदी में कूद गई। बाबा हजारा बाग निवासी कमल ने पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से देर रात तक तलाशी अभियान चलाया गया, लेकिन महिला का पता नहीं चला। गुरुवार सुबह पुलिस ने एसडीआरएफ और गोताखोरों के साथ दोबारा रेस्क्यू अभियान शुरू किया। तलाशी के दौरान महिला का शव नदी से बरामद हुआ। आसपास मौजूद लोगों और क्षेत्रीय निवासियों से पूछताछ की गई, मगर मृतका की पहचान नहीं हो सकी। पंचनामा पूरा कर शव को मॉर्च्युरी में रखवा दिया गया है। पुलिस ने महिला की पहचान के लिए फोटो जारी की है। जिसमें बताया गया है कि मृतका की लगभग 45-50 वर्ष है। पहचान होने पर इन नम्बर पर दे जानकारी- प्रभारी निरीक्षक, थाना चौक 9454403847 थाना कार्यालय चौक 7839861101

केंद्रीय खाद्य मंत्री से मिले राज्यमंत्री सतीश शर्मा

लखनऊ। प्रदेश के खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री सतीश शर्मा पहुंचे नई दिल्ली और नई दिल्ली स्थित कृषि भवन केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण व नवीन ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी से मुलाकात की। श्री शर्मा ने उत्तर प्रदेश की ओर से विभागीय विषयों पर केंद्रीय मंत्री के साथ सार्थक चर्चा की। श्री शर्मा के मुताबिक केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री मन्त्री ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा, आमजन के हितों खातिर हर कदम उठाने को सरकार सदैव तत्पर है। केंद्र एवं प्रदेश सरकार किसानों एवं आमजन के हितों के प्रति संवेदनशील व प्रतिबद्ध है। श्री शर्मा ने केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी द्वारा उन्हें समय व मार्गदर्शन प्रदान कर मार्गदर्शन दिया, इसके लिए किए जाने के लिए उनका हार्दिक आभार है।

'लखनऊ में लुलु ब्यूटी फ़ेस्ट 2025 का भव्य शुभारम्भ किया गया लखनऊ लुलु हाइपरमार्केट'

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में लुलु ब्यूटी फ़ेस्ट 2025 का भव्य शुभारम्भ अत्यंत उत्साहपूर्ण माहौल के बीच हो चुका है। इसका शुभारम्भ लखनऊ की फ़ेमस मेकअप आर्टिस्ट हिमाद्री वर्मा ने किया यह विशेष सौंदर्य उत्सव अपने पहले ही दिन से शहर के ग्राहकों, सौंदर्य प्रेमियों और फैशन के शौकीनों को आकर्षित कर रहा है। फियामा और एंगेज द्वारा प्रस्तुत यह उत्सव सौंदर्य जगत के नवीनतम रुझानों, उत्पादों और अनुभवों को एक ही छत के नीचे लाने का उत्कृष्ट प्रयास है। उत्सव में इस वर्ष कई प्रमुख और विश्वसनीय सौंदर्य एवं पर्सनल केयर ब्रांड अपनी विस्तृत उत्पाद श्रृंखला के साथ शामिल हुए हैं। इनमें फियामा, एंगेज, यार्डले, मदबींदजमनत, विवेल, पॉन्ड्स, ट्रेसमे, द डर्मा, गार्नियर, लोरियल पेरिस, निविया, पेरिस कॉर्नर, जोवीज हर्बल और वॉव जैसे लोकप्रिय नाम प्रमुख हैं। उत्सव की शुरुआत के साथ ही इन ब्रांडों के नवीनतम उत्पाद, विशेष ऑफर और आकर्षक प्रस्तुतियाँ ग्राहकों की पहली पसंद बन गई हैं, जिससे उत्सव में लगातार भीड़ बढ़ रही है।26 नवंबर को आरम्भ हुआ ये फ़ेस्ट 7 दिसंबर तक चलेगा जिसमे ग्राहको को उचित दामों पर ब्रांडेड ब्यूटी प्रोडक्ट के साथ - साथ कस्टमर इंगेजमेंट एक्टिविटीज में विभिन्न प्रकार के गिफ्ट वाउचर जितने का अवसर भी प्राप्त होगा। इस मौके पर नोमान अजीज खान रीजनल डायरेक्टर उत्तर प्रदेश, दिल्ली, तेलंगना और सुनील कुमार शर्मा जनरल मैनेजर लुलु हायपरमार्केट के साथ सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

उप्र राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्माणाधीन भवन 31 दिसंबर करें पूरा : हृषिकेश भास्कर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी हृषिकेश भास्कर याशोद गुरुवार को प्राधिकरण के लिए गोमतीनगर विस्तार, लखनऊ के सेक्टर-7 में बन रहे निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित कार्यदायी संस्था के अभियन्ताओं तथा ठेकेदार को प्रत्येक दशा में भवन का कार्य मानक के अनुरूप, गुणवत्तापूर्वक 31 दिसंबर 2025 तक पूर्ण कराने का निर्देश दिया। इस दौरान भवन में आपातकालीन संचालन केन्द्र, पुस्तकालय, आडिटोरियम, मीटिंग हाल, लेक्चर हाल, क्लासरूम, डायनिंग एरिया, किचेन, मेस इत्यादि में हो रहे कार्यों को देखा। उन्होंने प्राधिकरण में कार्यरत विशेष कार्याधिकारी मान्धाता लोक निर्माण

विभाग की अभियन्ता अंशू मालिनी साहू को अपनी निगरानी में भवन का निर्माण तय समयसीमा में सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षा के दृष्टिगत रैम्प तथा सीढ़ियों पर तत्काल रेलिंग लगाने के निर्देश दिए तथा भवन के सामने निर्मित डिवाइडर को ठीक करवाने के लिए संबंधित को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि भवन के अंदर वेंटिलेशन तथा सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए। भवन के सुरक्षा के लिए सुरक्षा गार्ड को तत्काल तैनात करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि समस्त कमरों के सामने संख्या तथा संबंधित कार्मिकों का नाम भी लिखा लाए। उन्होंने प्रत्येक तल पर चाबी का स्टेशन स्थापित करने का निर्देश दिया। अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि भवन निर्माण में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं होनी चाहिए तथा पूरा कार्य नियमित पर्यवेक्षण के साथ होना चाहिए। उन्होंने निर्माण स्थल पर काम कर रहे कार्यदायी संस्था के ठेकेदार तथा अभियंता से बातचीत की और उनसे कार्य की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने भवन की साफ-सफाई तथा रख-रखाव के लिए निर्देशित किया।

बीएलओ का मानदेय डबल, अब हर महीने पायेंगे एक हजार

लखनऊ। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआरअभियान में जुटे बीएलओ व सुपरवाइजर का मानदेय बढ़ने जा रहा है। चुनाव आयोग से मानदेय बढ़ाने का आदेश आने के बाद मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने इसका प्रस्ताव प्रदेश सरकार को भेज दिया है।बीएलओ को अब 500 रुपये प्रतिमाह के बजाय एक हजार रुपये प्रति माह यानि सालाना 12 हजार रुपये मिलेंगे। बीएलओ के ऊपर तैनात सुपरवाइजरों का मानदेय डेढ़ गुणा किया गया है। प्रदेश में 1.62 लाख बीएलओ हैं जबकि सुपरवाइजर की संख्या 16,795 है। सुपरवाइजर को भी एक हजार रुपये के बजाय डेढ़ हजार रुपये महीना यानि 12 हजार रुपये के बजाय 18 हजार रुपये सालाना मिलेंगे। निर्वाचक पंजीयन अधिकारी ईआरओ और सहायक निर्वाचक पंजीयन अधिकारी एईआरओ को भी पहली बार मानदेय देने की तैयारी है। ईआरओ को 30 हजार व एईआरओ को 25 हजार रुपये एकमुश्त मानदेय दिया जाएगा। उत्तर प्रदेश में 403 ईआरओ व 2042 एईआरओ हैं। सूची पुनरीक्षण कार्य के लिए बीएलओ को दो हजार अतिरिक्त दिए जाएंगे।

'मैक्स हॉस्पिटल के डॉक्टरों की दुर्लभ बाइल डक्ट स्टोन सर्जरी से दिल्ली के युवक को मिला नया जीवन'

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ के डॉक्टरों ने हेपेटोलिथाइसिस के एक असामान्य और अत्यंत जटिल मामले का सफल उपचार कर एक बेहतरीन चिकित्सकीय उपलब्धि हासिल की है। हेपेटोलिथाइसिस एक ऐसी स्थिति है जिसमें लिवर की छोटी पित्त की नलियों के अंदर गहराई में पथरी बन जाती है। दिल्ली निवासी 27 वर्षीय मरीज, ऋषभ सिंह लगातार और परेशान करने वाले लक्षणों जैसे बार-बार तेज बुखार, पीलिया, पेट में दर्द और तेजी से वजन घटने जैसी समस्याओं के साथ मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ पहुंचे। शुरुआती जांच से पता चला कि वह बार-बार होने वाली पायोजेनिक कोलेंजाइटिस से पीड़ित थे, एक ऐसी पुरानी बीमारी जिसमें पित्त की नलिओं में बार-बार संक्रमण और सूजन होती है, जो समय रहते इलाज न मिलने पर पथरी बनने और गंभीर जटिलताओं का कारण बन सकती है। युवाओं में हेपेटोलिथाइसिस के साथ बार-बार होने वाली पायोजेनिक कोलेंजाइटिस का मिलना बहुत असामान्य है और लिवर के अंदर गहराई में स्थित पथरियों के साथ सक्रिय संक्रमण होने से इस मामले की जटिलता अधिक हो जाती है। मरीज ने इससे पहले एक अन्य अस्पताल में इलाज के लिए प्रोसीजर करवाया था पर वह सफल नहीं हुआ। इसके बाद उनकी सेहत लगातार खराब होती रही और वजन भी घटता रहा। इस मामले में, मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ में हेपेटो-पैंक्रिएटो-बिलियरी एवं लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी के निदेशक, डॉ. वलीउल्लाह सिद्दीकी ने कहा, ब्लजब ऋषभ हमारे पास आए, वह पहले से ही लगातार वजन घटने और बार-बार होने वाले संक्रमणों का सामना कर रहे थे। गहराई से की गई जाँच में बार-बार होने वाले पायोजेनिक कोलेंजाइटिस के साथ लिवर में कई पथरियां पाई गईं। चुनौती गम्भीर थी, जिसे संभालने के लिए अत्यंत सावधानीपूर्वक और मल्टीडिसिप्लिनरी टीम अप्रोच की आवश्यकता थी।

छात्र अब और आसानी से कर सकेगें प्रतियोगी परीक्षा तैयारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रेप्जर ने भारत का पहला इमोशन-इंटेलिजेंट प्रतियोगी परीक्षा तैयारी प्लेटफॉर्म लॉन्च किया

लखनऊ। छात्रों को नीट मेडिकल एंट्रेंस और स्कूल ओलंपियाड्स की केंद्रित परीक्षा की तैयारी अब और आसानी के साथ कर सकेंगे। इसके लिये प्रेप्जर ने एआई-संचालित लर्निंग सिस्टम को देशभर में शुरू करने की घोषणा की है जिसका उद्देश्य हर छात्र को गुणवत्तापूर्ण परीक्षा तैयारी सुलभ कराना है। इसके अन्तर्गत छात्रों को तैयारी के लिये मुख्य विशेषताओं में एआई इंटरैक्टिव वीडियो टीचर्स ,स्मार्ट कॉन्सेप्ट कार्ड्स और आसान व्याख्यात्मक वीडियो ,एडाप्टिव प्रैक्टिस, पी वाई क्यू और ऑटो-जनरेटेड वर्कशीट्स ,एग्जाम रेडीनेस स्कोर ,डेली स्टडी प्लान और हैबिट ट्रैकिंग ,क्षेत्रीय भाषाओं में पूर्ण सपोर्ट हिंदी, बंगाली, मराठी, गुजराती, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, पंजाबी, उर्दू, ओड़िया और अंग्रेजी में उपलब्ध कराया गया है। प्रेप्जर के संस्थापक एवं सीईओ अमित सिंह ने बताया कि आज के छात्रों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, बिना प्लान की पढ़ाई, उलझन भरी सामग्री, भारी सिलेबस, लगातार तनाव और पारंपरिक कोचिंग सेंटरों की महंगी फीस, प्रेप्जर को इन्हीं समस्याओं को हल करने और हर छात्र को स्पष्ट, संरचित और किफायती परीक्षा तैयारी का मार्ग देने के लिए बनाया गया है। नीट मेडिकल एंट्रेंस और स्कूल ओलंपियाड्स की केंद्रित तैयारी से शुरुआत करते हुए, प्रेप्जर यह सुनिश्चित करता है कि बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों और ग्रामीण भारत तक हर छात्र को संरचित मार्गदर्शन, स्पष्ट लर्निंग पाथ और विश्वसनीय सहायता मिले जिससे वे आत्मविश्वासी बनें और परीक्षा के लिए हमेशा तैयार रहें। प्रेप्जर एक सरल विश्वास पर बनाया गया है हर छात्र एक स्पष्ट रास्ते, सही मार्गदर्शन और सफल होने के आत्मविश्वास का हकदार है। प्लेटफॉर्म प्रत्येक छात्र के लिए व्यक्तिगत अध्ययन प्रवाह तैयार करता है जिससे वे अवधारणाओं को बेहतर समझें, स्मार्ट अभ्यास करें और लगातार परीक्षा-तैयार बने रहें। प्रेप्जर संगठित और विश्वसनीय सीखने को हर छात्र के लिए सुलभ बनाता है कृ न कि सिर्फ उन्हें जो महंगी कोचिंग ले सकते हैं। यह छात्रों को एक साथ सीखने की सुविधा भी देता है। दोस्त स्टडी ग्रुप बना सकते हैं, बैच एक टीम की तरह तैयारी कर सकते हैं, और सभी अपनी प्रगति एक ही स्थान पर ट्रैक कर सकते हैं। स्कूल भी प्रेप्जर को अपने एग्जाम प्रेप पार्टनर के रूप में उपयोग कर सकते हैं जिससे पूरी कक्षा को स्मार्ट स्टडी प्लान्स, एआई-आधारित मूल्यांकन और सरल प्रदर्शन विश्लेषण मिल सके।

स्कूली विद्यार्थियों को एआई तथा यातायात जागरूकता के गुर सिखाए गए

भाग्योदय फाउंडेशन एवं शिवोहम डिजिटल इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी एजुकेशन ट्रस्ट का संयुक्त कार्यक्रम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भाग्योदय फाउंडेशन और शिवोहम डिजिटल इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी एजुकेशन ट्रस्ट यानी SDITS के संयुक्त तत्वावधान में AI यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रशिक्षण कार्यक्रम देश के विभिन्न स्थानों पर चलाए जा रहे हैं। इन ट्रेनिंग प्रोग्रामों में नई पीढ़ी को शामिल किया जा रहा है, ताकि रोजमर्रा के कामों में इक्र का लाभ लेने के रचनात्मक गुर युवा पीढ़ी एवं किशोर पीढ़ी को सिखाये जा सकें। इसी श्रृंखला में उत्तर प्रदेश के मेरठ, उत्तराखण्ड के हरिद्वार तथा हिमाचल प्रदेश के सोलन जनपदों के विभिन्न शैक्षिक एवं व्यावसायिक संस्थानों में यह प्रशिक्षण

कार्यक्रम आयोजित किए गए, जो सफलतापूर्वक संपन्न हुए। इन संस्थानों में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गएए, इंटर कॉलेज एवं अन्य शैक्षिक संस्थान शामिल हैं। भाग्योदय फाउंडेशन और SDITS की ओर से प्रशिक्षण कार्यक्रमों का मुख्य संयोजन अंकित श्रीवास्तव द्वारा किया गया। इन महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सोलन (हिमाचल प्रदेश) की प्रीति सूर्या एवं सुदीक्षा, हरिद्वार के गगन कुमार एवं प्रीति ठाकुर की भूमिका सराहनीय रही। ध्यातव्य हो, इन शैक्षणिक एवं व्यावसायिक संस्थानों के प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों ने इस अभियान की सराहना की है तथा इन्हें नई पीढ़ी के हित में बताया है। कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तार प्रदेश एवं देश के हर शिक्षा संस्थान तक करने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी व्यक्त किया कि विद्यार्थियों के माध्यम से उनके अभिभावकों तथा अन्य पारिवारिक सदस्यों तक भी इक्र का ज्ञान विज्ञान पहुंचेगा, जो सर्वथा राष्ट्रहित में होगा। मुख्य संयोजक अंकित श्रीवास्तव ने बताया कि चम्बा (हिमाचल) के दुर्गम क्षेत्र की निवासी प्रीति सूर्या और सुदीक्षा जनपद सोलन में रहकर इन दिनों भाग्योदय परिवार के इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहयोग कर रही हैं। उन्हें लगभग 10,000 विद्यार्थियों को विभिन्न प्रशिक्षण देने का अनुभव प्राप्त है। हरिद्वार के गगन कुमार एवं प्रीति ठाकुर की सक्रियता देखने योग्य है। उधर मेरठ (उ.प्र.) के विद्यालयों में यातायात जागरूकता के उपयोगी सूत्र विद्यार्थियों को सिखाए गए, जिनका संचालन SDITS के निदेशक अंकित श्रीवास्तव ने किया। भाग्योदय प्रमुख राम महेश मिश्र ने इन दोनों महत्वपूर्ण अभियानों की सराहना की है और अपनी शुभकामनाएं ज्ञापित की हैं। श्री मिश्र ने कहा कि उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ सहित विभिन्न जनपदों में भी इन कार्यक्रमों को विस्तार दिया जाएगा।

पुलिस से भिड़े कांग्रेसी,बैरियर पर चढ़े, बोले चुनाव आयोग बना आरएसएस की नई शाखा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस ने वोट चोर गद्दी छोड़ आंदोलन के तहत जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेसी प्रदेश कार्यालय से मार्च निकालते हुए चुनाव आयोग कार्यालय का घेराव करने बढ़े। वोट चोर गद्दी छोड़, आरएसएस की नई शाखा चुनाव आयोग के नारे लगाए। पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोकने की कोशिश की। कांग्रेसियों और पुलिस में तीखी नोकझोंक हुई। कांग्रेसी पुलिस के बैरियर पर चढ़ गए। बैरियर पर खड़े होकर जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस कार्यालय से करीब 100 दूरी तक ही कांग्रेसी जा पाए। उसके बाद पुलिस ने उन्हें घसीटकर गाड़ी में बैठाया। हिरासत में लेकर ईको गार्डन ले गई। वहां उन्हें छोड़ दिया। इस दौरान युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अंकित तिवारी ने कहा हमारे नेता राहुल गांधी ने आरएसएस को लेकर जो बात कही है। पूरी तरह सच है। जब तक ये तानाशाह सरकार हमारी बात नहीं मानेगी। ऐसे ही प्रदर्शन होता रहेगा। हम चुनाव आयोग के ऑफिस का घेराव करेंगे। दरअसल, उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस ने आज हजरतगंज स्थित चुनाव आयोग कार्यालय का घेराव करने का ऐलान किया था। सुबह से ही प्रदेशभर से कांग्रेसी लखनऊ पहुंच गए थे। प्रदर्शन को देखते हुए सुबह से ही कांग्रेस प्रदेश कार्यालय और चुनाव आयोग कार्यालय के बाहर बैरिकेडिंग करके भारी पुलिस बल तैनात हो गई थी।

जिलाधिकारी ने मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की प्रक्रिया के सम्बन्ध में की बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। विगत दिवस जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अनुनय झा ने विवेकानन्द सभागार मे जनपद में हो रहे मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की प्रक्रिया को लेकर सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं नगरीय निकायों के अधिशासी अधिकारियों के साथ इस कार्य मे लगे जनपद स्तरीय अधिकारियों एवं विभिन्न कर्मचारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। उन्होंने एसआईआर के कार्यों मे तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी बीएलओ को प्रशिक्षित, प्रोत्साहित कर एवं उनका मनोबल बढ़ाते हुए कार्य कराया जाए। उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पूर्णतया पालन कराने तथा एसआईआर की प्रक्रिया को समयबद्ध रुप से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस कार्य मे किसी भी प्रकार की लापरवाही या ढिलाई क्षम्य नही होगी। उन्होंने कहा कि 04 दिसम्बर से पूर्व इस कार्य को पूर्ण किया जाये। उन्होंने कहा कि धीमी प्रगति वाले बीएलओं अपने जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी ईमानदारी से समयबद्व रूप से करे नही तो अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अपने क्षेत्रों में एसआईआर के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें। उन्होंने गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कम प्रगति वाले बूथों को डिजिटाइजेशन के कार्य में तेजी लाने के लिए बीएलओ के कार्यो की नियमित मॉनिटरिंग करने, साथ ही ''बुक अ कॉल विद बीएलओ'' ऐप के लंबित प्रकरणो को 48 घंटे से पहले निस्तारित करने के निर्देश दिए। बैठक में सीडीओ सान्या छाबड़ा, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सान्या छाबड़ा, पीडी एके मौर्य, प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम, जिला पंचायत राज अधिकारी विनय कुमार सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु जिले के बैंक अधिकारियों के साथ हुई बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। गुरूवार को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के दिशा निर्देशन में जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई रीता कौशिक के निर्देशन में अपर जिला जजध्सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भूपेन्द्र प्रताप द्वारा अपने विश्राम कक्ष में 13 दिसम्बर 2025 को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के निस्तारण कराए जाने हेतु जनपद के बैंक के अधिकारियों के साथ बैठक की गई ।

अधिकारियों को राष्ट्रीय लोक अदालत में ऋण सम्बन्धी अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण कराये जाने के निर्देश दिए गए तथा अपर जिला जजध्सचिव द्वारा बैंक अधिकारियों को समय से वादकारियों के नोटिस कार्यालय को प्राप्त कराए जाने के निर्देश दिये जिससे वादकारियों को समय से नोटिस तामिल कराया जा सके।उक्त बैठक में एल 0डी 0एम0 अरविन्द रंजन था बैंको के अधिकारी उपस्थित रहे।

आमजन से अपील की अपने गणना प्रपत्र जल्द से जल्द जमा करें: जिला निर्वाचन अधिकारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

- डीएम ने एसआईआर कार्यों का किया गहन निरीक्षण लोगों से लिया फीडबैक
- गणना प्रपत्र फीडिंग में ना बरती जाए शिथिलता: जिला निर्वाचन अधिकारी

हरदोई। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी ने जनपद के हरदोई विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में चल रहे मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य की स्थिति एवं प्रगति आदि से संबंधित अब्दुल पुरवा बूथ 177 एवं आजाद नगर हरदोई देहात बूथ 167 से 173 के विभिन्न बूथों का सघन स्थलीय निरीक्षण किया, तथा उपस्थित बीएलओं एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायक अध्यापक से प्रगति का जायजा लिया, तथा गणना प्रपत्रों के वितरण कार्य उसकी वापसी और डिजिटाइजेशन के कार्यो को देखा। और आस-पास के लोगों से गणना प्रपत्र के मिलने और फार्म भरकर जमा करने के बारे मे पूछा।

उन्होंने आमजन से अपील की वे अपने गणना प्रपत्र जल्द से जल्द जमा करें। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एस आई आर) के कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा शिथिलता नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संपूर्ण प्रक्रिया के दौरान भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अनुपालन करना सुनिश्चित किया जाए तथा निर्धारित समय सीमा में गणना प्रपत्रों का वितरण, संग्रहण बीएलओ द्वारा किया जाए, यह कार्य बीएलओ घर-घर जाकर करेंगे। गणना प्रपत्र भरवाने के बाद उसे अपने पास प्राप्त कर बीएलओ एप पर डिजिटाइज्ड करना सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सदर सुशील कुमार मिश्रा, प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम सहित उपस्थित रहें।

जन सुनवाई मे मिला योजनाओं का लाभ

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कलेक्ट्रेट कक्ष में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना। जन सुनवाई मे आज कुल 91 शिकायते प्राप्त हुई, जिसके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित को दिए। आज जन सुनवाई में 02 महिलाओं को निराश्रित महिला पेंशन योजना, 07 बच्चों को बालसेवा योजना, एक वृद्वावस्था पेशन तथा एक व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनाया गया। जन सुनवाई में शिकायतों के निस्तारण के साथ ही लोगों को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी दिया जाता है। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्व और गुणावत्तापूर्ण ढंग से हो। उन्होंने समस्त उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्व कर्मी एवं ग्राम प्रधानों के माध्यम से निगरानी रखकर पराली जलाने की घटनाओं पर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। राजस्व विभाग के अधिकारियों से कहा कि उत्तराधिकार का कोई भी प्रकरण लंबित न रखें तथा कृषक दुर्घटना बीमा योजना के किसी आवेदन को लंबित न रखा जाये। इस अवसर पर अतिरिक्त मजिस्ट्रेट भूमिका यादव व अन्य सम्बन्धित विभाग के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहें।

प्रत्येक मनुष्यों को अपने जीवन में अच्छे स्वभाव, अच्छी सोच रखनी चाहिए: प्रकाश चंद्र महाराज

पिहानी (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। माँ इच्छापूर्णी रामजानकी मंदिर में चल रहे श्री राम विवाह महोत्सव में विधि-विधान से श्री सीताराम जी का वैवाहिक संस्कार भक्तिभाव से किये जा रहे हैं। कलेवा संस्कार के माध्यम से मिथिला में भगवान के अद्भुत स्वरुप का वर्णन किया गया। महिलाओं ने बधाई गीत गाये। श्री मद्भागवत कथा प्रसंग के अंतर्गत पूज्य प्रकाश चंद्र महाराज ने भक्त ध्रुव चरित्र से जीवन का लक्ष्य दृढ़ होना चाहिए, जिससे भगवान की प्राप्ति सुलभ हो यह सीख दी। वहीं अजामिल उपाख्यान से भगवद दयालुता की महिमा गाई गई और प्रहलाद चरित्र में भगवान विष्णु की भक्ति में लीन रहने की प्रेरणा दी गई। उन्होंने कहा, कि जिसके पिता हिरण्यकश्यप भगवान विष्णु को अपना शत्रु मानते थे। पुत्र को भगवान विष्णु की भक्ति करते देख उन्होंने उसे ही जान से मारने की ठान ली। प्रभु पर सच्ची निष्ठा और आस्था की वजह से हिरण्यकश्यप प्रह्लाद का कुछ भी अनिष्ट नहीं कर पाए। गजेंद्र मोक्ष और समुद्र मंथन के प्रसंग का भाव पूर्ण वर्णन किया गया। आचार्य ने उपस्थित श्रोताओं को प्रवचन देते हुए संबोधित किया, कि प्रत्येक मनुष्यों को अपने जीवन में अच्छे स्वभाव, अच्छी सोच रखनी चाहिए। यही वे सद्गुण हैं जो आदमी के वर्तमान को भी उज्वल बनाते हैं। जैसा आदमी का नेचर होता है, वैसा ही फ्यूचर होता है। 'आनंद और खुशियां' जिंदगी की सबसे बड़ी दौलत है। यह शरीर तो एक दिन मिट्टी में मिल जाता है। पत्थर को भी जब तराशकर प्रतिमा बनाया जा सकता है, ऐसे ही आदमी का अच्छा व्यवहार होता है, जो बाहर से डाला नहीं जाता, फालतू का कचरा जो आपने भीतर में इक्ट्ठा कर रखा है, उसे हटा दो तो आपको लगेगा कि मैं कितना बढ़िया इंसान बन गया। इस अवसर पर प्रमुख रुप से महंत वैष्णव हरिशरण महाराज, अनिरुद्ध भईया, रामप्रकाश मिश्रा, रामचन्द्र गुप्ता, राममुकुंद रस्तोगी, श्यामाचरण, आलोक मिश्रा, ओम रस्तोगी आदि रहे।

निःशुल्क सामूहिक विवाह समारोह की तैयारियां जोरो पर

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट हरदोई द्वारा आगामी 30 नवम्बर को होने वाले नि:शुल्क सामूहिक विवाह समारोह की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इसी क्रम में पूर्व में पंजीकृत सभी जोड़ों का साक्षात्कार पूर्ण हो चुका है।

इस अवसर पर ट्रस्ट के सचिव अतुल कांत द्विवेदी ने बताया कि वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट का आरम्भ ''सर्वे भवन्तु सुखिन:'' के आधार पर स्मृति शेष अमिय कृष्ण चतुर्वेदी पूर्व जिलाधिकारी हरदोई द्वारा 2001 में किया गया था तभी से प्रतिवर्ष ''सामूहिक विवाह समारोह'' में 51 जोड़ों का विवाह निकाह संपन्न कराया जाता है इसी क्रम में इस वर्ष कुल 35 जोड़ों का विवाह हरदोई में तथा शेष जोड़ों का विवाह महाराष्ट्र के गढ़चिरौली नक्सलवादी क्षेत्र में ट्रस्ट की ट्रस्टी पल्लवी चतुर्वेदी पुत्री पुण्यात्मा अमिय कृष्ण चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में पूर्व की भांति संपन्न होगा। हरदोई में 30 जोड़े विवाह बन्धन में बंधेंगे और 5 जोड़ों का निकाह होगा। सभी जोड़ों के टोकन जारी कर दिए गये है। ट्रस्ट के वरिष्ठ ट्रस्टी अविनाश चंद्र गुप्ता ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए बताया कि इस वर्ष के सामूहिक विवाह में मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति श्री अशोक कुमार जैन एवं विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर डाक्टर आशुतोष मिश्रा सदस्य बोर्ड ऑफ गवर्नेंस सैनिक स्कूल सोसायटी रक्षा मंत्रालय भारत सरकार अपने आशीर्वचनों से नवयुगलों को अभिसिंचित करेंगे। ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी भुवन चतुर्वेदी ने वर्चुअली विवाह और निकाह की तैयारियों की पूर्ण जानकारी ली तथा अन्य निर्देश जारी किए।

इस अवसर पर ट्रस्टी करुणा शंकर द्विवेदी तथा सहयोगी गण गिरीश मिश्र, श्रवण दीक्षित, श्रवण कुमार राही, अनिल श्रीवास्तव, अनिल मेहरोत्रा, अशोक श्रीवास्तव, प्रेम शुक्ला, राकेश, के०के० सिंह, अविनाश मिश्रा, अनुराधा मिश्रा, रूपाली, सरिता आलोकिता आदि उपस्थित रहे।

संविधान दिवस पर स्लोगन प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। माय भारत हरदोई के तत्वाधान में संडीला के एवरग्रीन इंटर कॉलेज बघुआमऊ रैंसो संडीला में द संविधान दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में युवाओं को संविधान की उद्देशिका पढ़ाई गई और भारत का संविधान विषय पे स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। युवाओं को संविधान का महत्व, संविधान की विभिन्न समितियों के विषय में जानकारी दी गई।

स्लोगन प्रतियोगिता में रीमा मौर्य प्रथम' अपूर्वी वर्मा द्वितीय' मुस्कान तृतीय काजल का चौथा स्थान पाया। मुख्य अतिथि अवधेश यादव (शिक्षक) ने संविधान के बारे में बच्चों को बताया। कार्यक्रम में एवरग्रीन इंटर कालेज की उपप्रधानाचार्य अनीता वर्मा, शिक्षिका नफीसा खातून एव शिक्षक मोहम्मद रिजवान खान मौजूद रहे। सभी विजेताओं को पुरस्कार देकर उत्साहवर्धन किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन माय भारत वालंटियर आसिम अली और मृदुल अवस्थी ने किया। जिसमें महिला मंडल बघुआमऊ की अध्यक्ष बुशरा ख़ान का विशेष योगदान रहा।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जिलाधिकारी अनुनय झा व पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के साथ जिला कारागार का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बंदियों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली तथा उनकी शिकायतों को समय से निस्तारित कराने का आश्वासन दिया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कारागार के भोजनालय को देखा तथा जेल अधीक्षक को निर्देश दिये कि बंदियों को गुणवत्ता परक भोजन समय से दिया जाय। पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित डाक्टरों को निर्देश दिये कि बीमार बंदियों की उचित जांच करायें और गंभीर बीमार बंदियों को जिला चिकित्सालय में भर्ती करायें। इस अवसर पर डिप्टी जेलर योगेश कुमार, प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम सहित सभी सम्बन्धित उपस्थित रहें।

छात्रवृत्ति आवेदन पत्रों का अभिलेखों से मिलान कर 31 दिसम्बर तक प्रधानाचार्यो द्वारा ऑनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित किया जायेगा:- नरेश कुमार

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नरेश कुमार ने जनपद के समस्त विद्यालयों के प्रबन्धक/ प्रधानाचार्यो से कहा है कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग हेतु पूर्वदशम छात्रवृत्ति कक्षा 9-10 तथा दशमोत्तर छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति कक्षा 11-12 के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति भुगतान हेतु 01 दिसम्बर 2025 तक मास्टर डाटाबेस में सम्मिलित होने के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की कार्यवाही किया जाना, जिला विद्यालय निरीक्षक के समक्ष समस्त प्रपत्र प्रस्तुत करना उसके बाद जिला समाज कल्याण अधिकारी से पासवर्ड प्रिाप्त करना एवं मास्टर डाटा में सम्पूर्ण सूचनाएं भरकर अपलोड करके प्रमाणित किया जायेगा।

उन्होने कहा है कि पूर्वदशम् एवं दशमोत्तर कक्षा 9-12 के छात्र-छात्राओं द्वारा 06 दिसम्बर तक ऑनलाइन आवेदन ऑनलाइन कर 07 दिसम्बर तक हार्ड कापी सभी संलग्नों सहित अपने विद्यालयों में 09 दिसम्बर तक जमा करेगें तथा ऑनलाइन प्राप्त आवेदन पत्रों का मिलान प्रधानाचर्य द्वारा अपात्र छात्रों का डाटा निरस्त करना एवं पात्र छात्रों का आवेदन 13 दिसम्बर तक ऑनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित किया जायेगा तथा त्रुटिपूर्ण आवदेन पत्रों को 23 से 28 दिसम्बर तक छात्रों द्वारा ठीक कराकर विलम्तम 29 दिसम्बर तक विद्यालय में जमा किया जायेगा और संस्थाओं द्वारा त्रुटियों को ठीक करके छात्र द्वारा जमा किये गये आवेदन पत्रों का अभिलेखों से मिलान कर 23 से 31 दिसम्बर 2025 तक ऑनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित किया जायेगा। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने कहा है कि सभी प्रधानाचार्य कक्षा 10 में अध्ययनरत नवीनीकरण के छात्रों हु संस्था स्तर से केवल कक्षा 10 में प्रवेश की तिथि तथा गत कक्षा 9 का परीक्षाफ्ल अंकित करते हुए तथा कक्षा 12 में अध्ययनरत नवीनीकरण छात्रों हेतु संस्था स्तर से केवल कक्षा 12 में प्रवेश की तिथि तथा गत कक्षा 11 की परीक्षा फ्ल अंकित करते हुए आवेदन पत्र ऑनलाइन अग्रसारण किया जायेगा। उन्होने निर्देश दिये है सभी प्रधानाचार्य उपरोक्त समय सारणी के अनुसार पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति/ शुल्क प्रति पूर्ति योजना के तहत पाठ्यक्रमों का मास्टर डाटाबेस तैयार करे, सत्यापन करे, लॉक करने एवं पात्र छात्रों को छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाइन ऑनलाइन आवेदन करना सुनिश्चित करें।

शहादत का स्मरण

भले ही श्रीलंकाई संकट के समाधान हेतु भारतीय शांति सेना को श्रीलंका भेजा जाना तत्कालीन सरकार का फैसला रहा हो, लेकिन वास्तव में भारतीय सैनिक राष्ट्र के हितों और सैन्य दायित्वों के लिये ही लड़े थे। इस फैसले का उद्देश्य श्रीलंकाई तमिलों के हितों की रक्षा और उनके न्यायसंगत पुनर्वास के लिये पहल करना भी रहा है। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि भारतीय शांति सेना यानी आईपीकेएफ के पूर्व सैनिकों में इस बात को लेकर लंबे समय से रोष व्याप्त रहा है कि आईपीकेएफ सैनिकों के बलिदान को उचित सम्मान नहीं दिया गया। अब सरकार व सेना ने इस कमी को पूरा करने की दिशा में कम से कम एक पहल तो की है। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी द्वारा राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर परमवीर चक्र विजेता मेजर रामास्वामी परमेश्वरन को उनके बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित करना, इस दिशा में एक महत्वपूर्ण क्षण था। देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी इस बाबत श्रद्धांजलि संदेश प्रेषित किया है। भले ही शीर्ष अधिकारियों द्वारा की गई यह पहल एक प्रतीकात्मक सुधार हो, लेकिन यह सही दिशा में उठाया गया सार्थक कदम है। हालांकि देर से ही सही, ये प्रयास श्रीलंका में ऑपरेशन पवन के दौरान शहीद हुए 1,171 भारतीय सैनिकों को उचित सम्मान देने में रही एक कमी को दूर करने का प्रयास कहा जा सकता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि इस युद्ध में करीब तीन हजार से ज्यादा सैनिक घायल भी हुए थे। इससे पूर्व कई वीर सैनिकों को वीरता पदक से सम्मानित भी किया जा चुका है। लेकिन एक टीस के साथ कहा जाता रहा है कि यह अकसर भुला दिया जाने वाला युद्ध रहा है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि कोलंबो में भारतीय शांति रक्षक सेना और पलाली में 10-पैरा के शहीदों के लिये स्मारक का निर्माण किया गया था। यह विडंबना ही है कि आईपीकेएफ के पूर्व सैनिक, शहीदों की विधवाएं और उनके परिजन राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर निजी स्तर पर स्मरणोत्सव आयोजित करते रहे हैं। निश्चित ही देश के हितों के लिये चलाये गए किसी भी सैन्य अभियान में शहीद हुए सैनिकों को सामान्य युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की तरह पर्याप्त सम्मान मिलना चाहिए। दरअसल, ऑपरेशन पवन में शहीद हुए सैनिकों के परिजन और युद्ध में भाग लेने वाले जवान भी उन्हें पर्याप्त सम्मान दिए जाने की आस लंबे समय से रखते रहे हैं। वर्षों से उनकी मांग रही है कि साल 1971 में बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम और वर्ष 1999 में हुए कारगिल युद्ध के शहीदों की याद में मनाये जाने वाले खास दिनों की तरह 'ऑपरेशन पवन' की याद में भी एक विशेष दिन की घोषणा की जानी चाहिए। वहीं दूसरी ओर शहीद सैनिकों के परिजनों की एक टीस उन्हें दशकों से सालती रही है। चूंकि ऑपरेशन पवन में शहीद हुए कई सैनिकों का अंतिम संस्कार या दफनाने की प्रक्रिया विदेशी धरती पर पूरी हुई थी, इसलिए उनके परिजन शहीद सैनिकों के अवशेषों को वापस भारत लाने की नीति को सुव्यवस्थित करने की मांग करते रहे हैं। वे एक ऐसे आयोग के गठन की भी मांग करते रहे हैं जो शहीद सैनिकों के पार्थिव अवशेष को वापस भारत लाने की नीति को तार्किक बना सके। उनकी मांग रही है कि उन अवशेषों को भारत लाकर आईपीकेएफ का एक स्मारक बनाकर, उसमें सम्मान के साथ स्थानांतरित किया जाना चाहिए। निस्संदेह, किसी भी देश के वीर शहीदों के स्मारक सामूहिक स्मृति के प्रतीक होते हैं। निश्चित रूप से राष्ट्रीय युद्ध स्मारक सशस्त्र बलों द्वारा दिए गए बलिदान के लिये एक सम्मान और स्मरण स्थल के रूप में चिरस्थायी श्रद्धांजलि के रूप में होते हैं। निर्विवाद रूप से इस बहुप्रतीक्षित मांग को हकीकत में बदलने के लिये चाहे कितनी भी जटिलताएं क्यों न हो, सैनिकों के पराक्रम और बलिदान को कम करके आंकने का कोई बहाना नहीं होना चाहिए। यदि हम वीर सैनिकों के बलिदान को समुचित सम्मान देते हैं तो इससे तमाम सैनिकों का मनोबल बढ़ेगा। इस दिशा में अविलंब सार्थक पहल किया जाना वक्त की जरूरत ही है।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी द्वारा राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर परमवीर चक्र विजेता मेजर रामास्वामी परमेश्वरन को उनके बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित करना, इस दिशा में एक महत्वपूर्ण क्षण था। देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी इस बाबत श्रद्धांजलि संदेश प्रेषित किया है। भले ही शीर्ष अधिकारियों द्वारा की गई यह पहल एक प्रतीकात्मक सुधार हो, लेकिन यह सही दिशा में उठाया गया सार्थक कदम है। हालांकि देर से ही सही, ये प्रयास श्रीलंका में ऑपरेशन पवन के दौरान शहीद हुए 1,171 भारतीय सैनिकों को उचित सम्मान देने में रही एक कमी को दूर करने का प्रयास कहा जा सकता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि इस युद्ध में करीब तीन हजार से ज्यादा सैनिक घायल भी हुए थे।

अरुणाचल प्रकरण से उठी राष्ट्रीय एकता की आवाज

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

केंद्र सरकार ने अनेक अवसरों पर यह दिखाया है कि भारत अपने नागरिकों के हितों पर किसी प्रकार का दबाव स्वीकार नहीं करता। पेमा वांग थोंगडोक का शंघाई एयरपोर्ट पर चीनी अधिकारियों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार का मामला इसी नीति का एक और सशक्त उदाहरण है, जिसने दुनिया को संकेत दिया कि भारत अब पुराने ढर्रे का शांत दर्शक नहीं, बल्कि आत्मविश्वासी, सजग और संवेदनशील राष्ट्र है। उल्लेखित है, पेमा को चीन के अधिकारियों ने करीब 18 घंटे रोके रखा। उनका भारतीय पासपोर्ट अमान्य घोषित करने का प्रयास किया गया और यह तक कहा गया कि उनका जन्मस्थान अरुणाचल प्रदेश चीन का हिस्सा है।

बीते वर्षों में भारत ने जिस प्रकार अपनी कूटनीति, राष्ट्रीय सुरक्षा, सीमाई संप्रभुता और नागरिक हित को मूल केंद्र में रखकर निर्णायक फैसले लिए हैं, उसने विश्व को यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि आज का भारत किसी भी दबाव या चुनौती के सामने झुकने वाला नहीं है। वह पूरी दृढ़ता के साथ खड़ा रहने वाला, साहस और आत्मसम्मान से भरा राष्ट्र है। सीमा पर घुसपैठ का मुंहतोड़ जवाब देना हो, अंतरराष्ट्रीय फोरम पर भारत की संप्रभुता की रक्षा करना हो, आतंकवाद के विरुद्ध सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक जैसे साहसिक कदम उठाने हों या फिर दुनिया के किसी भी संकटग्रस्त क्षेत्र में फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए बड़े सैन्य अभियान चलाने हों। भारत ने हर मोर्चे पर यह सिद्ध किया है कि उसके प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा, सम्मान और गरिमा सर्वोपरि है। अब इन सभी का नवीनतम उदाहरण अरुणाचल प्रदेश की युवती पेमा वांग थोंगडोक का मामला है, जिसमें चीन द्वारा किए गए अनावश्यक उत्पीड़न पर भारत की कड़ी और तत्पर प्रतिक्रिया ने एक बार फिर साबित किया कि भारतीय नागरिक कहीं भी हों, देश की सरकार उनके साथ खड़ी रहती है। यह कहना असंगत नहीं होगा कि भारत की विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा का पूरा ढांचा पिछले 11 वर्षों में जिस तेजी से बदला है, वह केवल कूटनीतिक व्यवहार का परिवर्तन नहीं है; वह एक व्यापक, गहन और नागरिक केंद्रित बदलाव है, जिसने आम भारतीय को यह भरोसा दिया है कि उनकी सुरक्षा और सम्मान किसी भी परिस्थिति में समझौते का विषय नहीं हैं। केंद्र सरकार ने अनेक अवसरों पर यह दिखाया है कि भारत अपने नागरिकों के हितों पर किसी प्रकार का दबाव स्वीकार नहीं करता। पेमा वांग थोंगडोक का शंघाई एयरपोर्ट पर चीनी अधिकारियों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार का मामला इसी नीति का एक और सशक्त उदाहरण है, जिसने दुनिया को संकेत दिया कि भारत अब पुराने ढर्रे का शांत दर्शक नहीं, बल्कि आत्मविश्वासी, सजग और संवेदनशील राष्ट्र है। उल्लेखित है, पेमा को चीन के अधिकारियों ने करीब 18 घंटे रोके रखा। उनका भारतीय पासपोर्ट अमान्य घोषित करने का प्रयास किया गया और यह तक कहा गया कि उनका जन्मस्थान अरुणाचल प्रदेश चीन का हिस्सा है। भारतीयता के संदर्भ में यह एक नागरिक को प्रताड़ित करने की घटना से अधिक भारत की संप्रभुता को चुनौती देने का स्पष्ट प्रयास था। घटना सामने आते ही भारत ने चीन को कड़ा संदेश दिया और यह दर्शाया कि देश अपनी सीमाई अखंडता के मुद्दे पर किसी प्रकार का दबाव या अपमान सहन नहीं करेगा। इसलिए पेमा ने कहा भी कि भारत सरकार का हर कदम सभी भारतीयों के हित में होता है। वस्तुतः यह वाक्य आज के भारत की कूटनीतिक सोच और राष्ट्रीय आत्मविश्वास का सार है। यथार्थ यह है कि पेमा का मामला कोई अपवाद नहीं है, पिछले 11 वर्षों की उस निरंतरता का हिस्सा है जिसमें मोदी सरकार ने हर संकट में अपने नागरिकों को प्राथमिकता दी है। इसी वर्ष ईरान-इजरायल संघर्ष तेज होने पर 18 जून को भारत ने ऑपरेशन सिंधू चलाया। युद्धग्रस्त क्षेत्रों में फंसे भारतीयों खासकर छात्रों को सुरक्षित निकालने की प्रक्रिया तत्काल आरंभ हुई। शुरुआती चरण में लगभग 110 लोगों को सुरक्षित लौटाया गया और बाद में यह अभियान व्यापक रूप से जारी रहा। दक्षिण-पूर्व एशिया, विशेष रूप से कंबोडिया में फर्जी नौकरी एजेंटों के जाल में फंसे भारतीयों की समस्या को भी भारत ने गंभीरता से लिया। 05 दिसंबर 2024 को दूतावास सक्रिय हुआ और स्थानीय प्राधिकारियों के सहयोग से लगातार बचाव तथा प्रत्यावर्तन कार्य किए जा रहे हैं। इसके साथ ही बहुभाषी हेल्पलाइन, ई5माइग्रेट पोर्टल और सोशल मीडिया के माध्यम से एक उत्तरदायी शिकायत तंत्र तैयार किया गया है, जो दुनिया भर में किसी भी संकट में भारतीय नागरिकों के लिए तुरंत सहायता सुनिश्चित कर रहा है। साल 2023 में सूडान में युद्ध के हालात बने तो भारत ने ऑपरेशन कावेरी चलाया। 24 अप्रैल से 05 मई तक भारतीय थल सेना, वायु सेना और नौसेना के संयुक्त अभियान में लगभग 3,862 लोगों को सुरक्षित निकाला गया। अंधेरे में बिना किसी प्रकाश व्यवस्था वाले हवाई पट्टी पर वायुसेना के विमानों का उतरना और नौसेना के जहाजों का युद्ध क्षेत्र से लोगों को समुद्री मार्ग से निकालना, ये सभी निर्णय इस बात के प्रमाण हैं कि भारत बड़े युद्धकालीन संकटों में ही नहीं बल्कि रोजमर्रा की चुनौतियों में भी अपने नागरिकों के लिए सुरक्षा कवच तैयार रखता है। साल 2022 के ऑपरेशन गंगा को कौन भूल सकता है? रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच हजारों भारतीय विद्यार्थियों को सुरक्षित निकालना, युद्धक्षेत्र में विमान भेजना, यह भारत की नागरिक हित प्रतिबद्धता का अभूतपूर्व उदाहरण था। साल 2021 में तालिबान कब्जे के दौरान ऑपरेशन देवशक्ति चलाकर भारत ने अपने नागरिकों के साथ अन्य मित्र देशों के लोगों को भी सुरक्षित निकाला। कोविड-19 महामारी के दौरान चला वंदे भारत मिशन तो इतिहास का सबसे बड़ा नागरिक-उद्धार अभियान सिद्ध हुआ है, जिसमें लाखों भारतीयों को दुनिया भर से सुरक्षित वापस लाया गया। इसी प्रकार साल 2020 और उसके बाद समुद्री डकैती और जहाज-हाइजैकिंग की घटनाओं में भारतीय नौसेना ने दुनिया के किसी भी हिस्से से भारतीय नाविकों और जहाजों को संरक्षित कर यह दिखा दिया कि वह वैश्विक समुद्री सुरक्षा में भी सबसे विश्वसनीय शक्ति है। इससे पूर्व साल 2015 में यमन से चलाया गया ऑपरेशन राहत भी हजारों लोगों की जान बचाने में सफल रहा। इसी क्रम में साल 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक और साल 2019 की बालाकोट एयर स्ट्राइक भारतीय सुरक्षा नीति की नई दिशा को दर्शाती हैं। अभी पाकिस्?तान के विरोध में भारत ने ''ऑपरेशन सिंदूर'' चलाया। ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई 22 अप्रैल 2025 को जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें कई भारतीय नागरिकों की मृत्यु हुई थी। वस्?तुतः ये घटनाएँ और भारत सरकार के निर्णय स्पष्ट करते हैं कि भारत अपने नागरिकों के हित निर्णायक निर्णय लेता है। अतः पेमा वांग थोंगडोक का प्रकरण इस पूरी श्रृंखला का नवीनतम अध्याय है। जिसमें वे कहती भी हैं, मैं भारत में रहती भी नहीं हूं इसलिए भारत सरकार का कोई भी कदम मेरे लिए नहीं बल्कि यहां रहने वाले मेरे साथी भारतीयों और अरुणाचलवासियों के सम्मान के लिए होगा। हम एक राष्ट्र हैं और एक-दूसरे के लिए खड़े हैं। यह कथन बदलते भारत की राजनीतिक संस्कृति का प्रतीक है, जिसमें नागरिक वोटर या करदाता होने तक सीमित नहीं, वह राष्ट्र5हित का मुख्य आधार माना जाता है। आज भारत इसलिए सशक्त दिखता है क्योंकि उसके नागरिक सुरक्षित महसूस करते हैं। नागरिक इसलिए सुरक्षित महसूस करते हैं क्योंकि उनकी सरकार स्पष्ट, निर्णायक और हर चुनौती का सामना करने के लिए तत्पर है। यही नई भारतीय नीति है, जिसमें नागरिक प्रथम, संप्रभुता और अखंड राष्ट्रीय एकता की गूंज है, जिसने आज पेमा वांग थोंगडोक के साथ जो घटा उसे एक सामान्य घटना से आगे बढ़ाकर राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक बना दिया है।

क्या पंजाब में आतंकवाद की पुनर्वापसी हो रही है?

सुभाष आनंद

पंजाब में जिस प्रकार आपराधिक वारदातें बढ़ रही है, उससे एक ही प्रश्न उठ रहा है कि क्या पंजाब में फिर से आतंकवाद पनप सकता है? उधर, सरकार के पास इन प्रश्नों का कोई उत्तर नहीं है। पंजाब के सभी 22 जिलों में जिस प्रकार कानून व्यवस्था चरमराई है, उससे कोई भी पंजाबी अपने आपको सुरक्षित नहीं महसूस कर रहा है। पाकिस्तान की सीमा से लगे पंजाब के फिरोजपुर जिले में जिस प्रकार आर.एस.एस कार्यकर्ता नवीन कुमार अरोड़ा की दिन के उजाले में निर्मम हत्या की गई, उससे सारे पंजाबियों के दिलों में भय और डर का वातावरण पैदा हो गया है। आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसौदिया ने तरनतारन के चुनाव में भाषण देते हुए कहा था कि पंजाब को अपराध फ्री बनाया जाऐगा, लेकिन चुनाव के पश्चात पंजाब अपराधियों का हब बनता हुआ नजर आ रहा है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान जिनके पास गृह विभाग का चार्ज भी है,ऐसा लगता है जैसे उन्हें पंजाब की कोई परवाह नहीं है। पंजाब पुलिस के बड़े अधिकारी अरोड़ा परिवार को आश्वासन और सांत्वना दे रहे हैं लेकिन जिस प्रकार पोस्ट डाल कर शेरे पंजाब ग्रुप की तरफ से नवीन अरोड़ा की हत्या की जिम्मेवारी ली गई है,उससे तो यही लगता है कि पंजाब में आतंकवाद फिर सिर उठा रहा है। इस पोस्ट में कहा गया है कि जो सिखों के खिलाफ बोलेगा उसका यहीं हाल किया जाऐगा। पोस्ट किसी परमजीत सिंह की तरफ से डाली गई है। उसने कहा है कि यह एक नई संस्था है। इधर पंजाब की आतंकवाद विरोधी संस्था के मनिंदर सिंह का कहना है कि ऐसी कोई संस्था पंजाब में मौजूद नहीं है। लोगों को गुमराह करने के लिए कुछ शरारती तत्व हर रोज नए बयान दे रहे है। उधर, फिरोजपुर शहर के विधायक भुल्लर जब मृतक के घर अफसोस करने पहुंचे तो उन्हें जनता के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। मृतक के पिता बलदेव राज ने कहा कि मेरा नवीन तो मर गया है,पर शहर के अन्य बच्चों को बचा लिया जाए। जिस पर भुल्लर साहिब ने कहा कि पुलिस हमारी सुनती ही नहीं। दिल की भड़ास निकालते हुए विधायक ने अपने दोनों हाथ खड़े करके कहा कि यह मामला मैं स्वयं मुख्यमंत्री के सामने रखूंगा। हमारे सूत्र बताते है कि एक हत्यारा फिरोजपुर के पुराने बाजार मदान ज्वैलर्स के यहां काम करता था, जहां से उसे संदेह पूर्ण व्यवहार के कारण नौकरी से निकाल दिया गया था। एक अन्य कपड़े वाली दुकान में नौकरी करने वालों की भी हत्यारों के रुप में पहचान हुई है। सूत्रों से पता चला है कि फिरोजपुर शहर की बस्ती भट्टियां वाली के रहने वाले बादल नामक के लडक़े का चेहरा लोगों ने पहचान लिया है और पंजाब पुलिस उसी को आधार मानकर काम कर रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार फिरोजपुर के आम आदमी पार्टी के तार भी हत्यारों से जुड़े मिल रहे है। नवीन कुमार को मारने की योजना जतिन (उर्फ काली) ने जन्म दिन की पार्टी में बनाई थी, जहां मारनेवाले लोगों को 20-20 हजार रुपए दिए गए थे। पंजाब में अवैध हथियारों की संख्या वैध लाईसेंसों से तीन गुणा बढ़ चुकी है। पंजाब में यदि कुछ बस्तियों की घर-घर तलाशी ली जाए तो ट्रक व ट्रालियां भरकर अवैध असलाह बरामद हो सकता है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अब बाहर से भी देसी हथियार पंजाब में आ रहे है। कहा तो यह भी जा रहा है कि पंजाब पुलिस आतंकवादियों और गैंगस्टरों से लाखों रुपए महीना वसूल रही है। इस घटना के संबंध में सुनील जाखड़ का कहना है कि कुछ शरारती तत्व पंजाब के सांप्रदायिक भाई-चारे को तोड़ने की कोशिश कर रहे है। ऐसे लोग पंजाबियत के माथे पर कलंक है। गैंगस्टर लगातार लोगों को निशाना बना रहे है। वहीं सुखबीर सिंह बादल का कहना है कि पंजाब को रंगला पंजाब बनाने वाले लोग चुप क्यों बैठे है? बंगा में हुए गोली कांड के बाद स्थानीय लोग भयभीत ओर सहमे हुए है। गैंगस्टरों की दहशत लोगों को डरा रही है। पंजाब में फिरौती के लिए घरों के बाहर गोलियां चलाई जा रही है। फिरोजपुर सीमावर्ती जिला होने के कारण पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी भी यहां काफी सक्रिय रहती है और पंजाब को अशांत करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ती है। पंजाब के लोग ऐसा मुख्यमंत्री चाहते है, जोकि आतंकवादियों और गैंगस्टरों का पंजाब से सफाया कर सके और लोग राहत की सांस ले सकें। मान सरकार आतंकवाद और गैंगस्टरों से पंजाब के नागरिकों की रक्षा करने में बुरी तरह से असफल साबित हो रही है। आज पूरा पंजाब ज्वालामुखी के मुहाने पर बैठा है। आज कोई भी नागरिक अपने आपको सुरक्षित नहीं मान रहा है। लोगों का कहना है कि पंजाब में आतंकवाद फिर से पनप सकता है। आज पंजाब में छोटी-छोटी बात पर लोग गोलियां चलाने के आदि हो रहे है। लोगों में सहनशीलता समाप्त हो रही है। दुकानदार भयभीत है। दुकान पर बैठे लोगों पर हमले हो रहे है। वर्तमान स्थिति में कोई भी पंजाब में अपने-आप को सुरक्षित नहीं मान रहा है। हाल यह है कि आज छात्र भी अपने बस्तों में हथियार लेकर स्कूल जाने लगे है। पिछले दिनों सीमावर्ती गांव में एक स्कूली बच्चे के बैग से 32 बोर की पिस्तौल बरामद की गई है। स्कूलों एवं कालेजों के बच्चे अपनी जेबों में घातक हथियार लिए फिर रहे हैं और स्कूल-कालेजों में अपना गुट बनाने लगे है। नवीन अरोड़ा पर गोली चलाने और उन्हें जान से मारने का षड़यंत्र 21 से 25 वर्ष के नौजवानों ने रचा था। कनव, हर्ष, बादल, जतिन (काली) व पांचवें शूटर ने कनव के जन्म दिन पर उसके घर में योजना बनाई थी। पुलिस सूत्रों से पता चला है कि हत्यारे एक दिन हर्ष के घर में भी रहे। योजना को अंजाम देने के लिए हथियार खरीदने ओर शूटर को सुपारी के पैसों की अदायगी जतिन उर्फ काली ने दी। जतिन उर्फ काली आर्थिक रुप से इतना शक्तिशाली नहीं है कि वह इतने पैसे खर्च कर सके। इसके पीछे दूसरी शक्तियों का हाथ हो सकता है, जिनके लिए जतिन उर्फ काली काम कर रहा था। बादल की बुआ ने बताया कि हत्या से कुछ दिन पहले बादल के पास 200 रुपए के नोटों की एक गड्डी मैंने देखी थी, हो सकता है कि जतिन की तरफ से दी गई 20 हजार रुपए की राशि ही हो। जतिन काली एक आटो चालक था, जिसने सारा षडयंत्र रचा और उसकी अरोड़ा परिवार के साथ कोई निजी दुश्मनी नहीं थी, जिसके चलते संभावना है कि वह कहीं आतंकी संगठनों का हिस्सा तो नहीं बन गया था, जिनके कहने पर उसने वारदात को अंजाम दिया हो। बीते दिन जतिन काली का शार्ट एनकाउंटर किया गया, जिसमें उसकी दोनों टांगों पर तीन गोलियां लगी है। पुलिस सूत्रों से पता चला है कि इस हत्या के पीछे किसी अन्य ग्रुप का हाथ है। जिन्होंने हत्या करवाने के लिए जतिन को मोटी रकम दी थी। पंजाब की इन घटनाओं से संकेत मिल रहे हैं कि आज पंजाब पुलिस भी गैंगस्टरों के डर के साए में जी रही है। राज्य के व्यापारी, दुकानदार, डाक्टर, कर्मचारी व अधिकारियों सहित कोई भी पंजाब में खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर पा रहा है। पंजाब में बढ़ती गुंडा गर्दी और आतंकवाद की घटनाएं शुभ संकेत नहीं है। कानून व्यवस्था के इस तरह चरमराने से पंजाब के सैकड़ों उद्योगों के यहां से पलायन होने की संभावनाएं बढ़ गई है। पुलिस अभी हत्या का कारण ढूंढ नहीं पाई है,अभी भी दो शूटर व पैसे देने वाले को तलाश नहीं किया जा सका है। पुलिस को अपनी छवि सुधारने की जरुरत है। जिसके लिए पुलिस को अपराधियों के प्रति सख्ती बरतनी होगी, साथ ही अपनी गुप्तचर एजेंसियों को मजबूत करने की भी जरुरत है, ताकि पुलिस अपराधियों तक शीघ्र पहुंच सके।

हिंदी में शपथः नए भारत की भाषाई चेतना का निर्णायक उद्घोष

ललित गर्ग

भारत में भाषा सदैव राजनीति का एक सुविधाजनक औज़ार रही है। कुछ दशकों से चले आ रहे भाषाई आंदोलन और हिंदी-विरोधी राजनीति ने देश की एकता को अक्सर चुनौती दी है। क्षेत्रवाद की आड़ में कुछ राजनीतिक दलों ने हिंदी को एक क्षेत्र विशेष की भाषा बताकर उसका महत्व कम करने का प्रयास किया। लेकिन यह तर्क न तो व्यावहारिक था और न ही ऐतिहासिक। हिंदी किसी क्षेत्र की भाषा नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के हृदय की भाषा है, जनमानस की अभिव्यक्ति है, भारत की आत्मा की धड़कन है।

भारत के 53वें प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा हिंदी में शपथ लेना भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में केवल एक औपचारिक घटना नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक, राष्ट्रीय और मनोवैज्ञानिक चेतना का नया शुभारंभ है। यह वह क्षण है जिसने भाषा को लेकर दशकों से चले आ रहे संकीर्ण विवादों, राजनीतिक विरोधाभासों और कृत्रिम विभाजनों पर एक गहरी चोट की है। हिंदी में शपथ का यह निर्णय राष्ट्रीय मानस में इस भावना को पुनः स्थापित करता है कि भाषा का प्रश्न केवल संचार का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा का प्रतीक है। यह निर्णय उस विरोधाभास पर भी प्रकाश डालता है जिसमें विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा हिंदी को अपने ही देश में सबसे अधिक उपेक्षा, संकोच और राजनीतिक विरोध का सामना करना पड़ता रहा है। भारत में भाषा सदैव राजनीति का एक सुविधाजनक औज़ार रही है। कुछ दशकों से चले आ रहे भाषाई आंदोलन और हिंदी-विरोधी राजनीति ने देश की एकता को अक्सर चुनौती दी है। क्षेत्रवाद की आड़ में कुछ राजनीतिक दलों ने हिंदी को एक क्षेत्र विशेष की भाषा बताकर उसका महत्व कम करने का प्रयास किया। लेकिन यह तर्क न तो व्यावहारिक था और न ही ऐतिहासिक। हिंदी किसी क्षेत्र की भाषा नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के हृदय की भाषा है, जनमानस की अभिव्यक्ति है, भारत की आत्मा की धड़कन है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा हिंदी में शपथ लेना इस सत्य को पुनः उद्घाटित करता है कि भारतीय लोकतंत्र की संवैधानिक संस्थाएँ केवल कानून और प्रशासन की रक्षा ही नहीं करतीं, बल्कि भारतीयता और राष्ट्रीय अस्मिता को भी नई दिशा देती हैं। यह कदम यह संदेश देता है कि नई पीढ़ी की संस्थाएँ अब संकोच नहीं, आत्मविश्वास के साथ भारत की भाषा में अपने कर्तव्यों की शुरुआत कर रही हैं। हिंदी को लेकर जो विरोधाभास पैदा किया जाता रहा है, वह वास्तव में एक कृत्रिम एवं आग्रह-दुराग्रहपूर्ण द्वंद्व है। आज के वैश्विक दौर में भाषा का महत्व उसकी लोकस्वीकृति और उपयोगिता से तय होता है। हिंदी वैश्विक भाषाओं की सूची में तेजी से ऊपर बढ़ रही है। करीब 113 करोड़ के साथ अंग्रेजी पहले स्थान पर है. 111 करोड़ के साथ चीनी दुसरे स्थान पर है,इसके बाद हिन्दी का स्थान आता है। करीब 61.5 करोड़ विश्व में, हिन्दी को बोलने वाल लोगों की संख्या के आधार पर तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा का स्थान प्राप्त है। हिंदी का प्रभाव विश्व में बढ़ रहा है और यह सोशल मीडिया व संचार माध्यमों में भी लगातार उपयोग हो रही है। दुनिया भर के 175 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिंदी भाषा पढ़ाई जा रही है। देवनागरी लिपि को दुनिया की सबसे वैज्ञानिक लिपियों में से एक माना जाता है। भारत सरकार की पहल के बाद से, संयुक्त राष्ट्र ने भी साप्ताहिक हिंदी समाचार बुलेटिन शुरू किया है। अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, मोरिशस, दक्षिण अफ्रीका, खाड़ी देशों और यूरोप में हिंदी सीखने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। विश्व के कई विश्वविद्यालयों में हिंदी साहित्य, भाषाविज्ञान और अनुवाद अध्ययन का विस्तार हुआ है। हिंदी फिल्में, वेब प्लेटफॉर्म और मीडिया विश्व संस्कृति पर गहरा प्रभाव छोड़ रहे हैं। यह वह समय है जब हिंदी वैश्विक मंच पर उभर रही है, लेकिन अपने ही देश में उसे राजनीति और संकीर्णताओं का शिकार होना पड़ रहा है। यही वह असंगति है जिसे न्यायमूर्ति सूर्यकांत की शपथ ने बड़े सौम्य किंतु तीव्र संदेश के साथ उजागर किया है कि जब दुनिया हिंदी को सम्मान दे रही है तो भारत में उसकी उपेक्षा किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं हो सकती। राष्ट्रीय प्रतीक केवल वस्तुएँ नहीं होते, वे राष्ट्र की चेतना के वाहक होते हैं। राष्ट्रध्वज केवल कपड़े का टुकड़ा नहीं, करोड़ों लोगों के स्वाभिमान और बलिदान का प्रतीक है। राष्ट्रगान केवल धुन नहीं, बल्कि भारत की समष्टिगत भावना का सूत्र है। उसी प्रकार राष्ट्र की भाषा-चाहे उसे हम राजभाषा कहें या राष्ट्रभाषा भारतीय पहचान और राष्ट्रीय एकता का अदृश्य धागा है। नए भारत का निर्माण तभी संभव है जब हम इन प्रतीकों का सम्मान केवल संविधान की धाराओं में नहीं, बल्कि हृदय में करें। हिंदी को लेकर जो संकोच, झिझक और कृत्रिम विरोध दशकों से बना हुआ था, वह राष्ट्रीय आत्मविश्वास के लिए बाधक था। हिंदी में शपथ लेकर न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने इस मानसिक दरार को पाटने में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल में हिंदी को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करने का साहसिक कार्य किया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा से लेकर ब्रिक्स, जी-20 और अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उन्होंने हिंदी में संबोधन देकर दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत अपनी भाषा को लेकर हिचकता नहीं, बल्कि गर्व करता है। इससे पहले अटल बिहारी वाजपेयी ने भी संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में भाषण देकर ऐतिहासिक परंपरा की शुरुआत की थी। उनकी वाणी में हिंदी केवल शब्द नहीं थी, बल्कि भारत की आत्मा की ध्वनि थी। नरेंद्र मोदी ने इस परंपरा को राष्ट्रीयता, आधुनिकता, आत्मविश्वास और वैश्विक उपस्थिति के साथ आगे बढ़ाया है। उन्हें यह समझ थी कि भाषा राष्ट्रीय चेतना की नींव होती है, और जिस राष्ट्र को विश्व नेतृत्व की आकांक्षा है, उसे अपनी भाषा पर गर्व करना ही होगा। जब राष्ट्र का प्रधानमंत्री अपनी भाषा को वैश्विक मंचों पर प्रतिष्ठा दिलाता है और जब राष्ट्र का प्रधान न्यायाधीश उसी भाषा में शपथ लेता है, तब यह संकेत मिलता है कि नए भारत की भाषा नीति संकोच नहीं, बल्कि स्वाभाविक भारतीयता की पुनर्स्थापना है। हिंदी केवल भावनात्मक आग्रह नहीं है। यह शासन, न्याय, शिक्षा, प्रशासन, मीडिया और तकनीक की भाषा बनती जा रही है। डिजिटल इंडिया और नई तकनीकी क्रांति में हिंदी की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। आज इंटरनेट पर सबसे तेजी से बढ़ने वाली भाषाओं में हिंदी शीर्ष पर है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन अनुवाद और डिजिटल पत्रकारिता में हिंदी का उपयोग बढ़ाना भारत की ज्ञान-आर्थिक उन्नति के लिए अनिवार्य है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसकी भाषाई आत्मनिर्भरता पर भी निर्भर करती है। जितनी अपनी भाषा मजबूत होगी, उतना ही विचार-निर्माण, नवाचार और जनसक्रियता मजबूत होगी। इस दृष्टि से हिंदी के प्रति उपेक्षा केवल सांस्कृतिक अपराध नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास को बाधित करने वाला संकीर्ण एवं राष्ट्र-विरोधी दृष्टिकोण भी है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की हिंदी में शपथ वास्तव में एक वैचारिक उद्घोष है। यह घोषणा है कि भाषा को लेकर चलने वाला हमारा पुराना आत्मद्वंद्व समाप्त होना चाहिए। राष्ट्रभाषा का सम्मान किसी क्षेत्र या समुदाय पर थोपा हुआ बोझ नहीं, बल्कि वह प्राकृतिक बंधन है जो विविधता को सामूहिकता में बदलता है। यह वह बंधन है जो भारत को भारत बनाता है। यह वह अदृश्य शक्ति है जो उत्तर से दक्षिण, पश्चिम से पूर्व और ग्रामीण से महानगरीय भारत को एक सांस्कृतिक सूत्र में पिरोती है, व्यापार एवं विकास को गति देता है। हिंदी किसी पर थोपी जाने वाली भाषा नहीं, वह तो स्वयंस्फूर्त रूप से जनमानस की भाषा बन चुकी है। उसका विरोध अब एक राजनीतिक नाटक भर रह गया है जिसका वास्तविकता से कोई सरोकार नहीं। नए भारत ने अपने संकोचों को त्यागना शुरू कर दिया है। अपनी परंपराओं, अपने प्रतीकों और अपनी भाषा पर गर्व करना नया मानसिक स्वरूप बनता जा रहा है। न्यायपालिका से लेकर कार्यपालिका तक और वैश्विक मंचों से लेकर डिजिटल मंचों तक-हिंदी का सम्मान बढ़ रहा है। यह सम्मान न किसी के आदेश से आया है, न किसी दवाब से; यह सम्मान राष्ट्र की आत्मा से उठा है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की हिंदी में शपथ नए भारत की सांस्कृतिक स्वाधीनता का प्रतीक बन गई है। यह उस स्वाभिमान का उद्घोष है कि भारत अब अपनी भाषा से संकोच नहीं करेगा। यह वह क्षण है जिसने भाषा के प्रश्न को संवैधानिक गरिमा और राष्ट्रीय चेतना के सर्वोच्च स्तर पर स्थापित कर दिया है। इस कदम ने यह सिद्ध कर दिया है कि हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मा का प्रकाश है, एक ऐसा प्रकाश जो आत्मविश्वास, सांस्कृतिक प्रतिष्ठा और राष्ट्रीय एकता की नई राहें रोशन कर रहा है। यही वह दिशा है जिसमें नया भारत आगे बढ़ रहा है-अपनी भाषा में, अपने स्वभाव में और अपनी अस्मिता में आत्मविश्वास से भरपूर।

बैंकों में लंबित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण किया जाये : डीएम

- डीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई उद्योग बंधु की बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जिलाधिकारी श्रीमती जे. रीभा की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जिला उद्योग बंधु की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना एवं मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की समीक्षा करते हुए बैंकों में लंबित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण किए जाने के निर्देश लीड बैंक मैनेजर को दिए। उन्होंने एक जनपद एक उत्पाद ,मार्जिन मनी योजना एवं ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के अंतर्गत अधिक से अधिक उद्यमी संगठनों से एम ओ यू के प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में औद्योगिक क्षेत्र भूरागढ़ में उद्यमियों द्वारा औद्योगिक क्षेत्र में पानी की उपलब्धता के संबंध में कार्रवाई किए जाने पर उन्होंने क्षेत्रीय प्रबंधक यूपीसीडा को शीघ्र प्रगति लाने तथा बजट की व्यवस्था मुख्यालय से कराए जाने के निर्देश दिए सऔद्योगिक क्षेत्र भूरागढ़ की साफ सफाई एवं सड़क नालियों की मरम्मत के संबंध में बताया गया कि शीघ्र कार्य किया जाएगा ,इसके लिए कर्मचारी तैनात कर दिए गए हैंस

उद्यमियों द्वारा औद्योगिक क्षेत्र भूरागढ़ में स्वतंत्र विद्युत फीडर की मांग एवं ट्रिपिंग विद्युत की समस्या के निदान किये जाने के संबंध में जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता विद्युत को विद्युत ट्रिपिंग की समस्या का निस्तारण करने तथा ग्राम इचौली को होने वाली विद्युत आपूर्ति को भी अलग किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र भूरागढ़ में रिक्त भूमि पर कंपलेक्स /माल हेतु कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिएस औद्योगिक क्षेत्र कताई मिल में भूखंडों के आवंटन के संबंध में निवेश मित्र पोर्टल के माध्यम से भूखंडों का आवंटन किया जाएगा, के संबंध में क्षेत्रीय प्रबंधक,उत्तर प्रदेश स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी ने बताया। एक उद्यमी द्वारा ग्राम पिपरी तहसील बांदा में पुलिया निर्माण के कार्य कराया जाने के संबंध में जिलाधिकारी ने शीघ्र पुलिया का निर्माण कार्य कराए जाने के निर्देश लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को दिए। उन्होंने जरौली कोठी रोड एवं महाराणा प्रताप रोड पर बेंडिंग जोन बनाए जाने के निर्देश दिए तथा निवेश में पोर्टल पर प्राप्त प्रकरणों को निस्तारण किए जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार पांडे, परियोजना निदेशक ,डीआरडीए, सामान्य प्रबंधक जिला उद्योग केंद्र एवं उद्यमी संतोष गुप्ता, मोहम्मद इदरीस, गौरव अग्रवाल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी गण उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार डीसीएम की टक्कर से बाइक सवार युवक की मृत्यु, साथी घायल

शुक्लागंज(उन्नाव)। गंगाघाट थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मृत्यु हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना मह्हला चौराहा से शुक्लागंज की ओर स्थित धोबिन पुलिया के पास हुई, जहाँ पीछे से आ रही तेज रफ्तार डीसीएम ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। जानकारी के अनुसार, मुन्ना (35) निवासी पोनी रोड, जो फ्लेक्स बोर्ड लगाने का कार्य करता था, अपने साथी उमेश निवासी पुराना गंगापुल (कानपुर छोर) के साथ एक पारिवारिक कार्यक्रम से लौट रहा था। रात लगभग 12:30 बजे उनकी मोटरसाइकिल को पीछे से डीसीएम ने जोरदार टक्कर मारी। टक्कर की तीव्रता इतनी अधिक थी कि मोटरसाइकिल डीसीएम में फँसकर लगभग पाँच मीटर तक घिसटती चली गई। घटना में मुन्ना गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे जिला चिकित्सालय उन्नाव ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उमेश का उपचार जारी है। घटना के संबंध में मृतक की पत्नी काजल पत्नी मुन्ना, मूल निवासी देवरिया पोस्ट निधुवामऊ थाना मिश्रिख जिला सीतापुर, वर्तमान पता शक्तिनगर (राजाराम साहू के किराए के मकान), ने थाना गंगाघाट में सूचना दी।

विधायक खेल स्पर्धा एवं सांसद खेल महोत्सव 2025 के सफल आयोजन की तैयारी

- जिलाधिकारी ने जिला खेल प्रोत्साहन समिति की बैठक में दिए आवश्यक निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। जिला खेल कार्यालय उन्नाव में सोमवार को जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी मा. विधायक खेल स्पर्धा 2025 (20 से 30 नवम्बर 2025) तथा मा. सांसद खेल महोत्सव 2025 (20 से 24 दिसम्बर 2025) के सफल एवं भव्य आयोजन पर विस्तृत चर्चा की गई।

खेल विधाओं का चयन, खिलाड़ियों की सुविधाएं प्राथमिकता जिलाधिकारी ने खेल विधाओं के चयन, प्रतिभागियों के भोजन, जलपान, स्वच्छ पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा, सुरक्षा व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था व अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत रूप से विचार-विमर्श किया। उन्होंने निर्देश दिए कि खिलाड़ियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो तथा प्रतियोगिताओं का आयोजन उच्च गुणवत्ता के साथ किया जाए।

बैठक में बताया गया कि प्रतियोगिताओं में बैडमिंटन, वॉलीबॉल, कबड्डी, कुश्ती, एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, जूडो, खो-खो और रस्साकशी शामिल होंगी। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी खेलों के ट्रायल 10 नवंबर से प्रारंभ कर दिए जाएं।

ग्रामीण प्रतियोगिताओं के लिए विकसित खेल मैदानों का नाम जिलाधिकारी ने 'ग्रामीण स्पोर्ट्स हब' रखे जाने की घोषणा की। उन्होंने जिला क्रीड़ा अधिकारी को निर्देश दिए कि किस प्रतियोगिता का आयोजन किस तिथि और किस स्थान पर होगा, इसका विस्तृत शेड्यूल जल्द से जल्द तैयार कर लिया जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि आयोजन स्थलों पर खिलाड़ियों के लिए भोजन, जलपान, स्वच्छ पेयजल, चिकित्सा सुविधा, सुरक्षा, साफ-सफाई, मंच, टेंट आदि सभी व्यवस्थाएं पूर्व से ही पूरी कर ली जाएं। उन्होंने खेल प्रोत्साहन के लिए प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

ढाबों और शराब ठेकों का औचक निरीक्षण, संचालकों को सख्त हिदायत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ, उन्नाव। क्षेत्रीय आबकारी निरीक्षक ने गुरुवार को बांगरमऊ और आसपास के क्षेत्रों में ढाबों तथा देशी-विदेशी शराब ठेकों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान ढाबा संचालकों को निर्देश दिया गया कि परिसर में किसी भी स्थिति में शराब या अन्य मादक पदार्थों का सेवन न होने दें।

आबकारी निरीक्षक अखिलेश कुमार ने आरक्षियों के साथ हरदोई मार्ग और उन्नाव मार्ग पर स्थित करीब एक दर्जन ढाबों और होटलों की जांच की। निरीक्षण के दौरान किसी भी स्थान पर मादक पदार्थ बरामद नहीं हुआ और न ही कोई व्यक्ति सेवन करता पाया गया। निरीक्षक ने सभी संचालकों को चेतावनी दी कि ढाबे के अंदर या आसपास किसी भी ग्राहक को शराब या मादक पदार्थों का सेवन नहीं करने देना है। परिसर में ऐसे पदार्थों का भंडारण भी दंडनीय अपराध बताया गया। इसके अलावा उन्होंने तिकोनिया पार्क के सामने, लखनऊ मार्ग, संडीला मार्ग, बेहटा मुजाविर, मटुकरी सहित लगभग एक दर्जन देशी और विदेशी शराब ठेकों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षक ने बताया कि कुछ ढाबों में ग्राहकों द्वारा मादक पदार्थों के सेवन की शिकायतें मिली थीं, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई।

छेडखानी करने वाले दो अभियुक्तों चार-चार वर्ष के कठोर कारावास की सजा

बांदा। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के निर्देशन में चलाये जा रहे अभियान ल्लऑपरेशन कन्विक्शनङ्क के तहत कड़ी सजा दिलाये जाने के क्रम में पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल के कुशल निर्देशन में मिशन शक्ति अभियान के तहत चिहि्नत वर्ष-2022 में थाना नरैनी क्षेत्र अन्तर्गत नाबालिक लडकी के साथ छेडखानी करने वाले दो अभियुक्तों मा0 न्यायालय द्वारा 04-04 वर्ष के कठोर कारावास व 03-03 हजार रुपये जुर्मानें की सजा से दण्डित कराया गया । गौरतलब हो कि जनपद नरैनी क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम लहुरेटा के रहने वाले रामबाबू ने थाना नरैनी पर सूचना दी कि उनकी नाबालिक पुत्री को गांव का ही एक लडका परेशान करता है । इस सम्बन्ध में थाना नरैनी में धारा 354/504भादवि 7/8 पाक्सो एक्ट पंजीकृत किया गया था । जिसकी विवेचना तत्कालीन उ0नि0 कौशल सिंह द्वारा सम्पादित की गयी ।

डिजिटल हिंसा के विरोध में महिलाओं ने भरी हुंकार

- रैली में ग्रामीणों को डिजिटल हिंसा पर किया जागरूक
- मानवाधिकार दिवस के साथ शुरू हुआ वनांगना का अभियान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। महिला संस्था वनांगना के द्वारा चलाए जा रहे तरंग मेरे सपने मेरी उड़ान कार्यक्रम के तहत 16 दिवसीय अभियान का आगाज हुआ। इसमें किशोर, किशोरियों और सामुदायिक लीडर्स को डिजिटल हिंसा पर वीडियो दिखाकर साइबर क्राइम की जानकारी दी गई स साथ ही इससे बचने के उपाय बताए गए।

नरैनी ब्लॉक के जमवारा गाँव में बृहस्पतिवार से 16 दिवसीय अभियान की शुरुआत हुई। वानंगना डारेक्टर पुष्पा शर्मा ने कहा कि लोगों के बीच भाषा, नस्ल, रंग, लिंग, धर्म, अन्य विचार, संपत्ति, राजनीतिक आदि बातों के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए, इसलिए मानवाधिकार का निर्माण किया गया है। जूनियर विद्यालय परिसर में 100 किशोर, किशोरियों तथा सामुदायिक लीडर्स को डिजिटल हिंसा के बारे में वीडियो दिखाकर समझाया गया। उन्हें समझाया गया कि अगर कोई व्यक्ति सोशल मीडिया का दुरुपयोग करके क्राइम कर रहा है तो उससे डरे नहीं बल्कि अपने अभिभावक को इसकी जानकारी दें।

लीडर्स द्वारा रैली निकालकर महिला हिंसा के विरोध में नारे लगाए गए। ग्रामीणों, दुकानदारों व राहगीरों को पर्चे बांटे गए। मानवाधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। महिलाओं के पैनल ने अपने अनुभव साझा किए।

कार्यक्रम में उपस्थित संकुल प्रभारी खालिद खान ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए हर संभव सहयोग करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने महिलाओं को हिंसा के प्रति आवाज़ उठाने के लिए प्रेरित किया।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् जिले का प्रतिनिधित्व करेगा उत्तराखंड में

बांदा। देवभूमि उत्तराखंड के देहरादून में आयोजित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के 71वें राष्ट्रीय अधिवेशन में बाँदा का प्रतिनिधित्व करेंगे दिव्यांशु मिश्रा द्वारा देवभूमि उत्तराखंड के देहरादून में आयोजित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के 71वें राष्ट्रीय अधिवेशन में ज़िले से विद्यार्थी परिषद् के ऊर्जावान छात्र नेता एवं प्रदेश सह मंत्री दिव्यांशु मिश्रा प्रतिनिधित्व करेंगे।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा., मंडल रेल प्रबंधक, हजरतगंज, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:-

1	ई-निविदा सूचना सं.	1138-वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता-उत्तर रेलवे-लखनऊ दिनांक 26.11.2025
2	कार्य का नाम	लखनऊ मंडल के अंतर्गत LC Gates पर AT सप्लाई और अन्य विद्युत कार्य को सुदृढ़ और प्रावधान करने के संबंध में विद्युत कार्य।
3	अनुमानित लागत	रु. 53,75,693.90 (तिरपन लाख पचहत्तर हजार छह सौ तिरानवे रुपये एवं नब्बे पैसे मात्र)
4	ई-निविदा की कीमत	शून्य
5	बयाना राशि	रु. 1,07,600/- (एक लाख सात हजार छह सौ रुपये मात्र)
6	कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह
7	ई-निविदा फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि	दिनांक 19.12.2025 को 15:00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15:00 बजे के बाद वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा., उत्तर रेलवे, हजरतगंज, लखनऊ के कार्यालय में।
8	प्रस्ताव की वैधता	ई-निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन।
9	उत्तर रेलवे की वेबसाइट	अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर चेक की जा सकती है।

सूचना सं.: 1198-वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता-उत्तर रेलवे-लखनऊ
दिनांक: 26.11.2025
3671/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

धूमधाम से मनाई गई तारण जयंती एवं वेदी प्रतिष्ठा महामहोत्सव की द्वितीय वर्षगांठ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। छोटी बाजार स्थित जैन चौत्यालय में मंगलवार को 108 आचार्य प्रवर श्रीमद् जिन तारण-तरण मंडलाचार्य महाराज की 577वीं जन्म जयंती, तारण जयंती एवं वेदी प्रतिष्ठा महामहोत्सव की द्वितीय वर्षगांठ श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातः मंदिर विधि संपन्न हुई, इसके उपरांत पवित्र ग्रंथ मां जिनवाणी (आगम) की भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

प्रातः 8.30 बजे पुराने चौत्यालय में मंदिर विधि हुई। इसके पश्चात 9 बजे पालकी में विराजित मां जिनवाणी की शोभायात्रा निर्धारित मार्ग से भ्रमण करती हुई जैन धर्मशाला, छोटी बाजार पहुंची। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का पुष्पवर्षा व आरती से स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों के साथ निकली शोभायात्रा में बड़ी संख्या में जैन अनुयायी शामिल हुए। पुरुषों व महिलाओं ने ल्लतू स्वयं भगवान हैङ्क, ल्लअहिंसा परमो धर्मङ्क, ल्लजियो और जीने दोङ्क जैसे जयकारे लगाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। शोभा यात्रा बाल ब्रह्मचारी श्री शांतानंद महाराज की अगुवाई में निकाली गई। शोभायात्रा में समाज के अध्यक्ष प्रकाश जैन, मंत्री योगेश जैन, पूर्व बचत अधिकारी राकेश जैन, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष विनोद जैन अध्यक्ष प्रकाश जैन ,मन्त्रि योगेश जैन पूर्व बचत अधिकारी राकेश जैन, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष विनोद जैन,मुकेश जैन मुकेश जैन, सुनील जैन, राहुल जैन, रितेश जैन, सौरभ जैन संजू बाबा, अंशुल जैन जितेंद्र जैन, मिलन,कत संजय जैन,रत्नेस जैन,नीलेश जैन,आलोक जैन,अमन जैन नेता जी,अमित जैन,भूपत कक्का,अक्छ्य जैन,दर्शित शास्त्री, दिनेश मोइया,सचिन जैन आर्यन जैन,गौरव जैन,संजय जैन,विवेक जैन,अभिषेक जैन,प्रदीप जैन दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष सनत जैन ,शैलेंद्र जैन ,राजा जैन,विनय जैन,जवाहर जैन,राहुल जैन,संदीप जैन,ध्रुब जैन,मीडिया प्रभारी दिलीप जैन आदिमहिला वर्ग में सीमा जैन, पुनम जैन, सेली जैन, समीक्षा जैन, रश्मि जैन, मीनू जैन, संगीता जैन, दिव्या जैन, शीतल जैन, सरिता जैन, साधना जैन, आशा जैन, नीता जैन ,अनिता जैन मीनू जैन,नानू जैन,आरती जैन,नेंसी जैन,विन्दु जैन,योगिता जैन,पूजा ,मंगला जैन,सेजल जैन,ज्योति जैन,वैशाली जैन मिम्मी जैन,रिमी जैन,शोभा जैन,संजोली जैन भावना जैन,मिंटी जैन, आदि ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। शाम 7 बजे नए चौत्यालय में तारण त्रिवेणी, तारण स्तोत्र का पाठ, प्रवचन एवं तारण झूला कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसके बाद विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। बाल ब्रह्मचारी शांतानंद महाराज ने बताया कि जिन तारण-तरण मंडलाचार्य महाराज ने 14 ग्रंथों की रचना कर समाज को आडंबरों से हटकर शुद्ध आत्मधर्म का मार्ग दिखाया। उनकी शिक्षाएं आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

संक्षिप्त समाचार

जिलाधिकारी में डिजिटल गणना प्रपत्रों की प्रगति की समीक्षा की, लापरवाही पर 28 बी एल ओ के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश

कौशाम्बी। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी उ.प्र. द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 04 नवम्बर 2025 से 04 दिसम्बर 2025 तक विधान सभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य के तहत बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा गणना प्रपत्रों के वितरण एवं एकत्रीकरण का कार्य संचालित किया जा रहा है। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने मंगलवार को डिजिटल किये जा रहे गणना प्रपत्रों की प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा में पाया गया कि 251ऽसिराथू के 04, 252ऽमंझनपुर के 19 तथा 253ऽचायल के 05 बीएलओ द्वारा मात्र 10 प्रतिशत से भी कम प्रपत्र डिजिटल किये गये हैं। इनमें बूथ संख्या 6 के बीएलओ राधेश्याम एवं बूथ संख्या 432 के बीएलओ संतोष कुमार गुप्ता समेत कुल 28 बीएलओ शामिल हैं। प्रगति असंतोषजनक पाये जाने पर जिलाधिकारी ने संबंधित बीएलओ के विरुद्ध निर्वाचन आयोग की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत वैधानिक एवं कठोर कार्रवाई किए जाने हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने यह भी स्पष्ट निर्देश दिये कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। जिन बीएलओ द्वारा कार्य में ढिलाई की जायेगी उनके विरुद्ध तत्काल कठोर कार्रवाई अमल में लायी जायेगी।

सरस्वती टॉकीज क्षेत्र में भारी जलभराव, दुकानदारों को नुकसान

शुक्लागंज(उन्नाव)। नगर पालिका की उपेक्षा के कारण शुक्लागंज का प्रमुख बाज़ार क्षेत्र, विशेषकर सरस्वती टॉकीज के सामने, इन दिनों भारी जलभराव की स्थिति में है। फोरलेन नाले का गंदा पानी ऊपर आकर सड़क तथा आसपास की दुकानों में भर गया है, जिससे लोगों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। नाले का पानी सड़क और पैदल मार्ग पर जमा होने से कई दुकानों के प्रवेश मार्ग अवरुद्ध हो गए हैं। दुकानदारों का कहना है कि जलभराव के कारण ग्राहक बाज़ार तक नहीं पहुँच पा रहे, जिससे बिक्री पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। स्थानीय व्यापारियों ने बताया कि बरसात से पहले नगर पालिका द्वारा नाले की सफाई कराई गई थी, परंतु उसके बाद नियमित सफाई या रखरखाव नहीं किया गया। लगातार वर्षा और कचरे व गाद के जमाव के कारण नाले की जल निकासी क्षमता लगभग समाप्त हो गई है।

गैर इरादतन हत्या के प्रयास का आरोपी गिरफ्तार

उन्नाव। कोतवाली सदर पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के प्रयास के मुकदमे में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक उन्नाव के निर्देशन में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई की गई। 02 अगस्त 2025 को वादी मोहम्मद अहमद पुत्र खैराती अहमद निवासी कर्नलगंज गम्भू खान का हाता, कानपुर, हाल पता मकान संख्या 55 भूरी देवी, थाना कोतवाली सदर की तहरीर पर मुकदमा मु0 अ0 सं0 665/2025 धारा 115(2)/118(2)/316(2)/110 बीएनएस पंजीकृत किया गया था। गुरुवार को प्रभारी निरीक्षक चन्द्रकान्त मिश्र, उपनिरीक्षक इन्द्रदेव उपाध्याय एवं पुलिस टीम ने मुकदमे से संबंधित वांछित अभियुक्त सफीक अहमद उर्फ छोटे मुन्ना पुत्र रियासत, उम्र लगभग 32 वर्ष, निवासी भूरी देवी, थाना कोतवाली सदर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

गौतस्करों से मुठभेड़ में दो घायल, 20 बैल बरामद

पुरवा(उन्नाव)। थाना पुरवा क्षेत्र में पुलिस ने गौतस्करों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए बुधवार को मुठभेड़ के बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। संयुक्त टीम की कार्रवाई में एक डीसीएम, 20 बैल, दो अवैध तमंचे और चार कारतूस बरामद किए गए। पुलिस अधीक्षक उन्नाव के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी और क्षेत्राधिकारी पुरवा के पर्यवेक्षण में अपराध नियंत्रण अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में थाना पुरवा पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम मिर्री चौराहे पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच कर रही थी।

जिलाधिकारी ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने मंगलवार को विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के संबंध में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी शालिनी प्रभाकर ने बताया कि अंतिम विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2003 के निर्वाचकों के नाम अथवा उनके रिश्तेदारों के नाम अब अखिल भारतीय डेटाबेस पर देखे जा सकते हैं। इसके साथ ही बी.एल.ओ. के पास सुरक्षित वर्ष 2003 की मतदाता सूची से संबंधित मतदाता अपना नाम मिलान कर नियत कॉलम में गणना प्रपत्र भरेंगे। इस प्रक्रिया में बूथ लेवल एजेंट (बी.एल.ए.) सहयोग प्रदान करेंगे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित तथा एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत मतदाताओं की पहचान बी.एल.ओ. द्वारा की जा चुकी है। प्रथम चरण के दौरान गणना प्रपत्र के अतिरिक्त कोई अन्य अभिलेख एकत्र नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने कहा कि मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बी.एल.ए. प्रतिदिन अधिकतम 50 विधिवत भरे हुए गणना प्रपत्र निर्वाचकों से एकत्र कर संबंधित बूथ लेवल अधिकारियों को उपलब्ध करा सकते हैं। उन्होंने सभी दलों से पुनरीक्षण कार्य में सक्रिय सहयोग की अपील की। यदि आप चाहें तो मैं इस खबर को और भी अधिक औपचारिक, संक्षिप्त, या न्यूज़ पोर्टल/पेपर की शैली में बदलकर दे सकता हूँ।

अवैध तमंचे के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा अवैध शस्त्रों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही के क्रम में थाना तिन्दवारी पुलिस द्वारा गश्त एवं चेकिंग के दौरान मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति धौसड़ रोड़ केवतरा पुलिया के पास संदिग्ध रुप से भ्रमण कर रहा है ।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना। एडमिन यूनिट/जोन : [illegible] नीलामी सूची सं./लॉट सं. : MPS-LJND-11-25, नीलामी सूची प्रकाशन तिथि : 25-11-2025 समय 14:26 बजे, नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट) : 15-12-2025 समय 10:00 बजे, नीलामी बन्द करने की तिथि व समय : 15-12-2025 समय 11:20 बजे, नीलामी का प्रकार : Close Ended, वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है : E-Auction Module of www.ireps.gov.in

सहायक वाणिज्य प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ
जनसं/वा- 186

[illegible]

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा., मंडल रेल प्रबंधक, हजरतगंज, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

1.	ई-निविदा सूचना सं. : 1196-वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता-उत्तर रेलवे-लखनऊ दिनांक- 26.11.2025
2.	कार्य का नाम : लखनऊ मंडल के अंतर्गत S&T अधिष्ठापन पर विद्युत परिसम्पत्तियों की अर्थिंग व्यवस्था में सुधार के संबंध में विद्युत कार्य।
3.	अनुमानित लागत : रु. 13,55,836.36 (तेरह लाख पचपन हजार आठ सौ छत्तीस रुपये एवं छत्तीस पैसे मात्र)
4.	ई-निविदा की कीमत : शून्य
5.	बयाना राशि : रु. 27,200/- (सत्ताइस हजार दो सौ रुपये मात्र)
6.	कार्य पूर्ण करने की अवधि : 04 माह
7.	ई-निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि : दिनांक 19.12.2025 को 15:00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15:00 बजे के बाद वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा., उत्तर रेलवे, हजरतगंज, लखनऊ के कार्यालय में।
8.	प्रस्ताव की वैधता : ई-निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन।
9.	उत्तर रेलवे की वेबसाइट : अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर चेक की जा सकती है।

सं.: 1196-वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता-उत्तर रेलवे-लखनऊ दिनांक: 26.11.2025 3670/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/पी.एस., उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन से संबंधित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ-उ.रे.-मण्डल-वाणिज्य/उ.रे.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	ADVT-LKO-LKO-OSD-585-25-1 (Advertising-On Station Premise (Digital)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	25.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	11.12.2025 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	11.12.2025 समय 11:30 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	ADVT-LKO-BSB-OSD-586-25-1 (Advertising-On Station Premise (Digital)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	25.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	11.12.2025 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	11.12.2025 समय 11:40 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	ADVT-EFF-97872-25-1 (Advertising-Train Exterior (Full Face)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	26.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	12.12.2025 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	12.12.2025 समय 11:30 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	MSS-LKO-AMG-GZ-99-25-1 (Misc-Static-Services-Gaming Zone)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	26.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	12.12.2025 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	12.12.2025 समय 11:40 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	MSS-LKO-PRG-MobStore-120-25-1 (Misc-Static-Services-Mobile and accessories Kiosks)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	26.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	12.12.2025 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	12.12.2025 समय 11:50 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	MSS-LKO-LKO-MobStore-117-25-1 (Misc-Static-Services-Mobile and accessories Kiosks)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	26.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	12.12.2025 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	12.12.2025 समय 12:00 बजे
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

3681/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पराली जलाने पर प्रशासन सख्त, 11 ग्राम प्रधानों को डीएम ने थमाया नोटिस

- पराली जलाने की बढ़ती घटनाओं पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई
- पराली जलाने वाले किसानों को अनुदानित बीज से किया जाएगा वंचित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। जिले में पराली जलाने की बढ़ती घटनाओं पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने 11 ग्राम प्रधानों को उत्तर प्रदेश पंचायत राज अधिनियम 1947 की धारा 95(1)(छ) के तहत कारण बताओ नोटिस जारी किया है। डीएम ने नोटिस में उल्लेख किया है कि मुख्य सचिव, उ.प्र. शासन के निर्देशों के अनुपालन में फसल अवशेष जलाने से होने वाले प्रदूषण की रोकथाम हेतु समय-समय पर निर्देश जारी किए गए। डीएम, एसडीएम, डीपीआरओ, एडीओ (पं0) से लेकर बीडीओ स्तर तक पराली प्रबंधन, रोकथाम व जागरूकता पर लगातार बैठकें और अभियान चलाए गए।

इसके बावजूद इन ग्राम पंचायतों में पराली जलाने की घटनाएँ लगातार सामने आती रहीं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में धुआँ बढ़ा और बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों सहित आमजन के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ा। नोटिस में कहा गया है कि इसके बावजूद ग्राम प्रधानों द्वारा जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जो उनकी लापरवाही एवं कर्तव्यहीनता को दर्शाता है। नोटिस में यह भी स्पष्ट है कि उप्र पंचायत राज अधिनियम 1947 की धारा 15(23) (स्वच्छता एवं चिकित्सा) तथा धारा 15(26) (प्रसूति एवं बाल विकास) के अंतर्गत ग्राम पंचायत की जिम्मेदारी है, जिसका समुचित निर्वहन नहीं किया गया। इस आधार पर ग्राम प्रधानों को निरंतर कर्तव्यहीनता का दोषी मानते हुए नोटिस भेजा गया है। डीएम ने सभी ग्राम प्रधानों से सात दिन के भीतर साक्ष्यों सहित जवाब मांगा गया है। निर्धारित समय में जवाब न देने की स्थिति में उक्त अधिनियम की धारा 95(1)(छ) के तहत कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। वहीं, प्रशासन ने पराली जलाने वाले किसानों को भी अनुदानित बीज से वंचित करने का निर्देश दिया है।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने पराली जलाने की घटनाओं पर जिम्मेदारी तय करते हुए ग्राम पंचायत दिलावरपुर के कादिर, बस्तौली के शिवपाल, हरदी की श्रीमती जागेश्वरी, इब्राहिमपुर ग्रन्ट की श्रीमती ममता वर्मा, गोगावा के श्रीकृष्ण, बग्घून की श्रीमती राजवती, मझगवा के नीरज, बंगलहा तकिया की श्रीमती शाइमा, इब्राहिमपुर कॉलोनी के मोतीलाल, ग्रन्ट नं.10 की श्रीमती विजय लक्ष्मी तथा कल्लुआ की श्रीमती रजनदीप कौर को नोटिस जारी किया है।

गोला पुलिस ने 24 घंटे में गुमशुदा बालक को सकुशल कराया बरामद

गोला गोकर्णनाथ खीरी। पुलिस अधीक्षक खीरी संकल्प शर्मा के निर्देशन में जनपद में संचालित 'ऑपरेशन मुस्कान' अभियान के अंतर्गत थाना गोला पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। गुमशुदा बालक ऋषभ जोशी पुत्र जोगेश निवासी मोहम्मदी रोड, थाना गोला को मात्र 24 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर परिवार के सुपुर्द कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बालक के गुम होने की सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक के निकट पर्यवेक्षण में तथा क्षेत्राधिकारी गोला के मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक गोला ने पुलिस टीम गठित की। टीम ने लगातार प्रयास करते हुए शिवम चौराहा, कस्बा गोला से बालक को सकुशल बरामद कर लिया। गोला पुलिस की इस त्वरित कार्यवाही से परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस टीम का धन्यवाद व्यक्त किया।

कानपुर मेट्रो के कॉरिडोर-2 को मिली बड़ी सौगात, पहली ट्रेन डिपो पहुंची

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। कानपुर मेट्रो के कॉरिडोर-2 (सीएसए - बर्रा-8) के लिए तैयार पहली मेट्रो ट्रेन की अनलोडिंग गुरुवार सीएसए परिसर स्थित निर्माणाधीन डिपो में सुरक्षित रूप से की गई। लगभग 40 टन वजनी अत्याधुनिक कोचों को विशेष क्रेनों की सहायता से सावधानीपूर्वक ट्रैक पर उतारा गया। विदित हो कि कानपुर मेट्रो की प्रत्येक ट्रेन में तीन कोच होते हैं। कॉरिडोर-2 के लिए ऐसी कुल 10 ट्रेनों की आपूर्ति प्रस्तावित है, और यह उनमें से पहली डिलीवरी है। यह जानकारी गुरुवार को यूपीएमआरसी के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने दी।

कानपुर मेट्रो ट्रेनों को 'मेक इन इंडिया' परिकल्पना के तहत गुजरात के सावली स्थित मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में तैयार किया जा रहा है। कॉरिडोर-1 के लिए आवश्यक सभी 29 मेट्रो ट्रेनें गुरूदेव चौराहा स्थित मेट्रो डिपो में पहले ही आ चुकी हैं। आने वाले समय में इस ट्रेन के साथ डिपो में परिचालन संबंधी विभिन्न परीक्षण किए जाएंगे। इसके लिए डिपो में ट्रैक निर्माण व थर्ड रेल इंस्टॉलेशन का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। ट्रेन की टेस्टिंग के लिए आवश्यक बिजली आपूर्ति के लिए डिपो में 33 केवी ऑग्ज़िलरी-कम-ट्रैक्शन सब-स्टेशन तैयार है। पहले प्वाइंट मशीन के इंस्टॉलेशन के साथ सिग्नलिंग कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है। कानपुर के कॉरिडोर-1 की सभी 29 मेट्रो ट्रेनें पहले ही प्राप्त हो चुकी हैं। दोनों कॉरिडोरों के लिए कुल 39 ट्रेनें उपलब्ध होंगी, जिनमें प्रत्येक में 3-3 कोच होंगे। 'आत्मनिर्भर भारत' की परिकल्पना के साथ कानपुर मेट्रो की ट्रेनें पूरी तरह से 'मेक इन इंडिया' हैं और इन्हें गुजरात में वड़ोदरा के निकट स्थित सावली में बने प्लांट में तैयार किया गया है। ऑटोमैटिक ट्रेन ऑपरेशन को ध्यान में रखते हुए ये ट्रेनें 'संचार आधारित ट्रेन नियंत्रण प्रणाली' से चलती हैं। ये ट्रेनें 'रीजेनरेटिव ब्रेकिंग' तकनीक से ऊर्जा संरक्षण की दक्षता के साथ-साथ, वायु-प्रदूषण को कम करने के लिए अत्याधुनिक 'प्रॉपल्शन सिस्टम' से भी लैस हैं। इन ट्रेनों में कार्बन-डाई-ऑक्साइड सेंसर आधारित एयर कंडीशनिंग सिस्टम है, जो ट्रेन में मौजूद यात्रियों की संख्या के हिसाब से काम करता है, जिससे ऊर्जा की बचत होती है। कानपुर मेट्रो की ट्रेनों की यात्री क्षमता लगभग 974 यात्रियों की है। इनकी डिज़ाइन स्पीड 90 किमी./घंटा और ऑपरेशन स्पीड 80 किमी./घंटा तक है। ट्रेन के पहले और आखिरी कोच में दिव्यांगजनों की व्हीलचेयर के लिए अलग से जगह है। व्हीलचेयर के स्थान के पास 'लॉन्ग स्टॉप रिक्वेस्ट बटन' है, जिसे दबाकर दिव्यांगजन ट्रेन ऑपरेटर को अधिक देर तक दरवाज़ा खुला रखने के लिए सूचित कर सकते हैं ताकि वे आराम से ट्रेन से उतर सकें। यात्री आपात स्थिति में मेट्रो ट्रेन के अंदर लगे पैसेंजर एमरजेंसी इंटरकॉम (पीईआई) या पैनिक बटन का उपयोग कर सीधे ट्रेन ऑपरेटर से संपर्क स्थापित कर सकते हैं।

सिकंदराबाद पुलिस चौकी के सामने फर्राटा भर रही मिट्टी की ओवरलोड ट्रालियां

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। थाना नीमगांव क्षेत्र के अंतर्गत सिकंदराबाद क्षेत्र के गावो में धड़ल्ले से चल रहा अवैध मिट्टी का खनन का कारोबार। जबकि कुछ दिन पहले लखीमपुर खीरी के खनन माफियाओं के द्वारा अवैध खनन कर रहे लोगो की ट्रालियो को पकडे के लिये गये अधिकारियों पर वहां मौजूद खनन माफियाओं द्वारा जानलेवा हमला कर दिया गया था। इसके बाद भी नीमगांव पुलिस सीख नहीं ले रही है। वही देखाजाए तो खनन माफियाओं के हौसले इतने बुलंद है जो कि दिन भर ट्रेक्टर ट्राली पीली बालू भरकर रोड पर सरेराह फर्राटे भरते नज़र आ रहे है। नीमगाँव थाना क्षेत्र की चौकी सिकंदराबाद क्षेत्र के गांव रायपुर ,घुन्शी, पिपरा, सेहरा, रोशन नगर,अमेठी के सहित लगभग ऐक दर्जन गावो से दिन के उजाले मे खनन माफिया अवैध रूप मिट्टी खनन कर ओवर लोड कर वाहनो से सिकंदराबाद पुलिस चौकी के सामने से गुजरती रहती है। लेकिन सिकंदराबाद पुलिस चौकी भी जानकर अन्जाम बनी रहती है क्यो कि मिट्टी खनन से पुलिस को मोटी डाली मिलती है। प्रवीर गौतम नवागत थानाध्यक्ष नीमगांव ने बताया कि अभी हमने कल ही तो चार्ज लिया है हमे किसी भी प्रकार के मिट्टी खनन की जानकारी नहीं है। कैसी भी प्रकार का मिट्टी खनन विना परमीशन होने नही दिया जायेगा।

देवकली विद्यालय में निकला काला सर्प, वन विभाग ने किया रेस्क्यू

गोला गोकर्णनाथ खीरी। वनरेंज मोहम्मदी के वनवीट बिलहरी के विकास खंड कुंभी क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय देवकली के परिसर में गुरुवार सुबह करीब 11 बजे खेतों की ओर से काला जहरीला सर्प घुस आया, सर्प देख बच्चे व अध्यापक काफी सहम गए। प्रधानाध्यापक अनूप कुमार शुक्ला ने वन विभाग को सूचना दी।मौके पर पहुंचे वनदरोगा विजय कुमार सिंह ,वाचर सचिन वर्मा,रोहित कुमार ने सर्प पकड़ने वाले उपकरणों से सर्प का रेस्क्यू किया।वनदरोगा ने सर्प के बारे में बच्चों को जानकारी भी दी कहा सर्पो को मारना नही चाहिये इनका रेस्क्यू कर जंगलों में छोड़ देना चाहिए।

नीमगांव पुलिस व सर्विलांस-स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई में बड़ी सफलता

- मेडिकल स्टोर व्यवसायी से लूट करने वाले चार शातिर बदमाश पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार
- अवैध असलहे, लूट की नगदी व बाइक बरामद एक आरोपी के पैर में गोली

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खीरी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना नीमगांव पुलिस ने आईजी रेंज लखनऊ की सर्विलांस टीम व जनपद स्वाट टीम के साथ संयुक्त रूप से मेडिकल स्टोर व्यवसायी से हुई लूट की वारदात में शामिल चार बदमाशों को पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में मुहीब पुत्र असलम निवासी कौढेय्या थाना फरधान, हसरत अली उर्फ छोटा तालिब पुत्र बरकत अली निवासी गौरिया थाना फरधान, गोपाल वर्मा पुत्र पप्पू वर्मा निवासी पलिया तथा तैय्यब खां पुत्र रफीक खां निवासी गौरिया थाना फरधान शामिल हैं। बताया जाता है कि दिनांक 15 नवंबर 2025 को उक्त गैंग ने मेडिकल स्टोर व्यवसायी से लूट की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस द्वारा लगातार तकनीकी व फील्ड इनपुट का उपयोग करते हुए दबिश दी गई, जिसके दौरान हुई मुठभेड़ में आरोपी मुहीब के पैर में गोली लग गई। घायल आरोपी को उपचार हेतु जिला अस्पताल भेजा गया, जबकि अन्य तीन को मौके से दबोच लिया गया। जिनके पास से बरामदगी ? 1,70,000 नकदी, 02 अवैध तमंचा .315 बोर, 02 जिंदा व 01 खोखा कारतूस, पल्सर मोटरसाइकिल (ठघ्31 उघ्2043) जांच में यह भी सामने आया कि गिरफ्तार बदमाशों के खिलाफ विभिन्न जनपदों में लूट, गौकशी, गैंगस्टर एक्ट व अन्य संगीन धाराओं में कई मामले दर्ज हैं। इनके द्वारा नेपाल क्षेत्र में भी आपराधिक घटनाएं कारित की जा चुकी हैं। थाना नीमगांव में पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 109 (1) (पुलिस मुठभेड़) एवं 3/25 आर्म्स एक्ट में अतिरिक्त मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस टीम की इस त्वरित व सफल कार्यवाही से आम जनता में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है और अपराधियों में पुलिस का खौफ और अधिक बढ़ा है।

लखीमपुर खीरी में राष्ट्रवाद की अलख, भाजपा नेता शेर अली खान ने जगाई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। तहसील गोला क्षेत्र की न्याय पंचायत कुकरा मे 25 नवंबर 2025 एक ऐतिहासिक दिन उस समय बना जब पहाड़ नगर, बरौछा और सुनेहरा भूड़ गांवों में, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का संदेश गूंजा। शेर अली खान, एक समर्पित कार्यकर्ता ने घर-घर जाकर ,भारत माता का चित्र, संघ साहित्य और प्रेरणादायक पत्रक, वितरित किए। इस अभियान में ट्टट्ट के वरिष्ठ कार्यकर्ता ,श्रवण कुमार वाजपेई, ने उनका साथ दिया। एकता का संदेश, समरसता का संकल्प शेर अली खान, जो ,मुस्लिम राष्ट्रीय मंच, के सक्रिय सदस्य हैं, ने इस पहल से ,हिंदू-मुस्लिम भाईचारे, को मजबूत करने का प्रयास किया। उनके प्रयासों से ,सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्य, का संदेश गांवों तक पहुंचा। आरएसएस का शताब्दी वर्षः हर घर में राष्ट्रवाद यह कार्यक्रम ,ट्टट्ट के 100वें वर्ष के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे ''हर घर संपर्क अभियान'' का हिस्सा था। 2 अक्टूबर से शुरू इस मुहिम में 20 लाख स्वयंसेवक 2.5 करोड़ घरों तक पहुंचेंगे। शेर अली खान का यह कदम लखीमपुर खीरी में राष्ट्रवाद की नई अलख जगा रहा है। शेर अली खान की यह पहल बताती है कि राजनीति से परे,,राष्ट्रहित सर्वोपरि, है। उन्होंने साबित किया कि भाईचारा और समर्पण*से समाज को बदला जा सकता है।

अपराधी के खौफ से सहमीं महिलाओं ने दी एसपी की ड्योढ़ी में दस्तक

- सजायाफ्ता पर लगाया बदसुलूकी का आरोप
- जहरखुरान सरगना के विरुद्ध दर्ज हैं कई मुकदमें
- किराएदार को हटाने की मांग, एसपी ने दिया आश्वासन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जहरखुरान सरगना की दबंगई व बदसलूकी के महिलाएं परेशान हैं। रास्ते से महिलाओं व लड़कियों को निकलना दुश्वार हो गया। इससे परेशान मोहल्लावासियों ने सामूहिक रूप से पुलिस अधीक्षक से मिलकर व्यथा बताई। किराए के मकान में रह रहे सजायाफ्ता अपराधी को मोहल्ले से हटाने की मांग की है। एसपी ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया।

बृहस्पतिवार को शहर के गूलरनाका में अर्बन बैंक के सामने रहने वाली करीब दो दर्जन से अधिक महिलाओं ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ड्योढ़ी पर दस्तक दी। एसपी पलाश बंसल से मिलकर महिलाओं ने बताया कि उनके घर के पास नसीम उर्फ पसनू पुत्र स्व0 श्री रशीद अपने रिश्तेदार के मकान में किराए से रह रहा है। पसनू एक दबंग, गुंडा व अपराधिक किस्म का व्यक्ति है तथा जहर खुरानी गिरोह का सरगना है। जो रेलवे स्टेशन व रोडवेज में मुसाफिरों को जहर खुरानी का शिकार बनाकर लूटपाट करता है तथा मौका पाकर चोरियां भी करता है। पुलिस इसके घर से लूट व चोरी का सामान बरामद कर चुकी है। उक्त व्यक्ति व इसके गैंग के विरुद्ध कई थानों में जहर खुरानी व नशीला पदार्थ खिलाकर लूटपाट करने के मुकदमें पंजीकृत हैं। आरोप लगाया कि कलीम पुत्र स्व0 अब्दुल गफ्फार इस गिरोह का मास्टर माइन्ड है जो इनको गाइड करता है। पसनू को इसका संरक्षण प्राप्त है। इसके घर में अराजकतत्वों का आना जाना रहता है। महिलाएं पसनू की पत्नी से शिकायत करने जाती हैं तो वह उल्टा उन्हें ही डकैती जैसे केसों में फंसाने की धमकी देकर भगा देती है। उक्त पसनू मोहल्ले की महिलाओं को गंदी निगाहों से देखता है और अश्लील टिप्पणी करता है। इससे महिलाएं बहुत असहज महसूस कर रही हैं। कहा कि वह भय व डर के साए में जी रहीं हैं। मोहल्लावासियों ने इस अपराधिक किस्म के व्यक्ति को किराए के मकान से हटाते हुए उक्त व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। एसपी ने मामले की जांच कर महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने का आश्वासन दिया है। ज्ञापन देने वालों में शाजिया, शबाना, तस्लीमुननिशा, बाबुद्दीन, शाहिदा, शाहिस्ता, शिफा, आयशा, मुन्नी, वहीदन, अजरा, नफीस, दिलशाद, अफसाना, अशरफ, आरिफ, सलमान, चांद, नूरजहां, इसरार, किश्वरजहा, सहित महिला व पुरुष शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

नागरिक सुरक्षा कोर का गठन के लिए पूर्व सैनिकों से मांगे आवेदन

लखीमपुर खीरी। जिले के समस्त पूर्व सैनिकों को सूचित करते हुए जिला सैनिक कल्याण एंव पुनर्वास अधिकारी विंग कमांडर धनंजय प्रसाद सिंह ने बताया कि नागरिक सुरक्षा कोर के गठन, और इसके अन्तर्गत चीफ वार्डे न, डिप्टी चीफ वार्डे न, डिवीजनल वार्डे न, नियोजक अधिकारी/सदस्यो के अवैतनिक पदों पर तैनाती के लिए जिला प्रशासन के द्वारा स्वयं सेवक पूर्व सैनिकों को आवेदन आमंत्रित किया गया है। इच्छुक पूर्व सैनिक जिला सैनिक कार्यालय लखीमपुर खीरी से आवेदन / फार्म प्राप्त कर यथाशीघ्र 29/11/2025 तक न्याय सहायक अनुभाग प्रभारी अधिकारी नागारिक सुरक्षा कोर खीरी को सुपुर्द कर सकते है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् जिले का प्रतिनिधित्व करेगा उत्तराखंड में

बांदा। देवभूमि उत्तराखंड के देहरादून में आयोजित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के 71वें राष्ट्रीय अधिवेशन में बाँदा का प्रतिनिधित्व करेंगे दिव्यांशु मिश्रा द्वारा देवभूमि उत्तराखंड के देहरादून में आयोजित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (ABVP) के 71वें राष्ट्रीय अधिवेशन में ज़िले से विद्यार्थी परिषद् के ऊर्जावान छात्र नेता एवं प्रदेश सह मंत्री दिव्यांशु मिश्रा प्रतिनिधित्व करेंगे। उनके इस चयन से जिले में हर्ष का माहौल है।इस अवसर पर इउठ्ठ के कार्यकर्ताओं ने रेलवे स्टेशन पर उन्हें माला पहनाकर विदाई दी और सफल यात्रा की शुभकामनाएँ दीं। विदाई कार्यक्रम में स्वतंत्र साहू, कार्तिकेय गुप्ता, अजय गौतम, श्लोक द्विवेदी, आशीष अवस्थी, देवेन्द्र अवस्थी, अभय साहू, हेमन्त विश्वकर्मा, प्रियांशु सिंह, यश कालवानी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डीएम कार्यालय में सपा राष्ट्रीय महासचिव ने उठाया जनपद के चार युवकों की रिहाई का मुद्दा

बांदा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व मंत्री विशंभर प्रसाद निषाद ने गुरुवार को डीएम कार्यालय पहुंचकर जनपद के तिंदवारी क्षेत्र के चार युवकों की पाकिस्तान की जेल से रिहाई का मुद्दा मजबूती से उठाया। उन्होंने जिलाधिकारी के माध्यम से विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय को इन मामलों में तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की।बताया गया कि माटा गांव के जितेंद्र पुत्र संजय,धौंसण गांव के लक्ष्मण पुत्र जागेश्वर,चांदबाबू पुत्र बशीर तथा चटगन गांव के सर्वेश पुत्र श्रीराम वर्ष अक्टूबर 2021 में गुजरात तट पर मछली आखेट के दौरान पाकिस्तानी नौसेना द्वारा पकड़े गए थे।तब से सभी चार युवक पाकिस्तान की जेल में बंद हैं और उनके परिवार गहरी मानसिक एवं आर्थिक पीड़ा झेल रहे हैं।विशंभर प्रसाद निषाद ने पीड़ित परिवारों के साथ मिलकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा तथा कहा कि यह अत्यंत गंभीर मानवीय मामला है।पार्टी आगामी लोकसभा सत्र में अपने सांसदों के माध्यम से इस विषय को संसद में उठाएगी, ताकि भारत सरकार त्वरित कदम उठाकर इन युवकों की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित कर सके।उन्होंने कहा कि वर्षों से बंद इन निर्दोष युवकों की घर वापसी से उनके परिवारों में फिर से खुशियों का संचार होगा।इस दौरान सपा नेता पुष्पेंद्र सिंह चुनाले सहित स्थानीय कार्यकर्ता और पीड़ित परिवार उपस्थित रहे।

हमीरपुर की जिलाध्यक्ष बनीं शकुंतला निषाद , कहा- भाजपा की नीतियों को आगे बढ़ाएंगे

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में भारतीय जनता पार्टी ने शकुंतला निषाद को जिलाध्यक्ष बनाया है। पार्टी ने कानपुर क्षेत्र की 17 जिला इकाइयों में बाकी बचे चार जिलाध्यक्षों के नामों की घोषणा कर दी। इसमें तीन महिलाओं व एक पुरुष को अध्यक्ष बनाया गया है। पिछले वर्ष नवंबर में संगठनात्मक चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने के बाद पार्टी ने फरवरी में कानपुर क्षेत्र की 17 जिला इकाइयों में से 13 में जिलाध्यक्षों की घोषणा की थी। उस समय जालौन, फतेहपुर, झांसी महानगर और हमीरपुर के अध्यक्षों की घोषणा नहीं की गई थी। अब हमीरपुर में सुनील पाठक की जगह शकुंतला निषाद को जिम्मेदारी दी गई है।

तैनाती स्थल पर रात्रि निवास नहीं करने पर होगी सख्त कार्रवाई : पवन कुमार गंगवार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति एवं जिला आयुष समिति की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, ओपीडी-आईपीडी उपस्थिति, दवा आपूर्ति, प्रसव सेवाओं सहित कई महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि वे अपने-अपने तैनाती स्थल पर रात्रि निवास सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर देते हुए कहा कि जीवन रक्षक दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं, किंतु दवाएं समाप्त होने से पूर्व समय से मांग पत्र भेजकर नई दवाएं मंगाई जाएं।

जननी सुरक्षा योजना की समीक्षा में जिलाधिकारी ने शत-प्रतिशत भुगतान सुनिश्चित करने को कहा। निजी अस्पतालों से सही प्रसव डेटा उपलब्ध न कराए जाने पर नाराजगी जताते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि सभी डिलीवरी का डेटा आशाओं के माध्यम से पोर्टल पर अपलोड कराया जाए। मंत्रा ऐप पर बर्थ डोज कम मिलने पर मड़िहान सीएचसी के प्रभारी से कड़ी नाराजगी व्यक्त की गई तथा सभी केंद्रों पर प्रसव के दौरान सौ प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने को कहा गया। एनआरसी की समीक्षा में बच्चों की समुचित देखभाल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। टीकाकरण के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु एएनएम, आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभाने को कहा। 108 और 102 एंबुलेंस सेवाओं की समीक्षा में प्रत्येक मरीज के रिसीव व ड्रॉप प्वाइंट की सूचना अनिवार्य रूप से दर्ज कराने के निर्देश दिए। आयुष समिति बैठक में भी सभी पैरामीटरों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक नगर नितेश सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सीएल वर्मा, क्षेत्रीय आयुर्वेद एवं यूनानी अधिकारी श्रीकांत रजक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

'एक्शन प्लान फॉर काशी एण्ड सारनाथ' में काशी के 10 प्रमुख स्थलों पर फसाड लाइटिंग का कार्य होगा शुरू

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी (वाराणसी) के ऐतिहासिक घाट और सनातन धर्म के आस्था का केंद्र मंदिर अब रात में भी चमकते दिखाई देंगे। भारत के सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक केंद्र वाराणसी में पर्यटन और धार्मिक स्थलों के सौंदर्यीकरण के लिए एक महत्वाकांक्षी परियोजना शुरू होने वाली है। केन्द्र की नरेन्द्र मोदी और प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार के 'एक्शन प्लान फॉर काशी एण्ड सारनाथ' के तहत, वाराणसी के 10 प्रमुख स्थलों पर फसाड लाइटिंग का कार्य प्रस्तावित है। इस परियोजना की कुल लागत 2410.99 लाख रुपये प्रस्तावित है, जिसका उद्देश्य काशी के ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक वैभव को रात्रि के समय और अधिक आकर्षक बनाना है।

वाराणसी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पूर्ण बोरा ने बताया कि इस परियोजना में अस्सी घाट, दशाश्वमेध घाट, पंचगंगा घाट, केदार घाट, संकट मोचन मंदिर, काल भैरव मंदिर, अन्नपूर्णा मंदिर, भारत माता मंदिर, दुर्गा कुंड मंदिर और तुलसी मानस मंदिर शामिल हैं। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य काशी के धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक वैभव को रात्रि में और अधिक आकर्षक एवं दर्शनीय बनाना है। फसाड लाइटिंग के माध्यम से इन स्थलों की भव्यता को रात में भी महसूस किया जा सकेगा, जिससे पर्यटकों और श्रद्धालुओं को एक नया अनुभव प्राप्त होगा।

कोच टीम को तैयार कर सकता है, पर मैदान पर प्रदर्शन खिलाड़ियों को ही करना होता है: गावस्कर

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने विवादों में घिरे गौतम गंभीर का बचाव करते हुए कहा कि मुख्य कोच केवल टीम को तैयार कर सकता है लेकिन मैदान पर प्रदर्शन खिलाड़ियों को ही करना होता है। गुवाहाटी में दूसरे टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका से मिली 408 रन की करारी हार के बाद गंभीर की कड़ी आलोचना हो रही है क्योंकि जिससे मेहमान टीम ने दो मैचों की श्रृंखला 2-0 से अपने नाम कर ली। गंभीर के कार्यकाल में भारत को तीसरी टेस्ट श्रृंखला में हार का मुंह देखना पड़ा है। उनके मार्गदर्शन में भारत ने 16 महीनों में घरेलू सरजमीं पर न्यूजीलैंड से 0-3 से, ऑस्ट्रेलिया से उसकी सरजमीं पर 1-3 से और अब घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका से श्रृंखला गंवाई है। गावस्कर ने 'इंडिया टुडे' से कहा, ''वह कोच हैं। कोच टीम को तैयार कर सकता है और वह अपने अनुभव से खिलाड़ियों को बता सकता है। लेकिन मैदान में जाकर प्रदर्शन करना खिलाड़ियों का ही काम है। पूर्व कप्तान ने यह भी कहा कि गंभीर वही कोच हैं जिन्होंने भारत को चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप में जीत दिलाई लेकिन अब एक घरेलू श्रृंखला हारने के बाद आलोचक उनके खिलाफ बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''अब जो लोग उनसे जवाब तलब कर रहे हैं, मेरा उनसे एक सवाल है कि जब भारत ने उनके मार्गदर्शन में चैंपियंस ट्रॉफी जीती, जब भारत ने एशिया कप जीता, तब आपने क्या किया? गावस्कर ने पूछा, ''जो लोग आज उनकी बर्खास्तगी की मांग कर रहे हैं, क्या तब आपने कहा था कि उनका अनुबंध बढ़ा दिया जाए या उन्हें वनडे और टी20 के लिए आजीवन अनुबंध दे दिया जाए? आपने तब यह नहीं कहा था। यह सिर्फ तब होता है जब टीम अच्छा नहीं करती तो आप कोच पर उंगली उठाते हैं। गावस्कर ने इंग्लैंड के सभी प्रारूपों के कोच ब्रैंडन मैकुलम का उदाहरण देते हुए कहा कि गंभीर के सभी प्रारूपों में कोच बने रहने में कोई बुराई नहीं है। उन्होंने कहा, ''कई देशों में तीनों प्रारूपों के लिए एक ही कोच होता है। लेकिन हम सिर्फ तब उंगली उठाते हैं जब टीम हारती है। जब उन्होंने टीम को चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप जिताया, तब आप उन्हें श्रेय देने को तैयार नहीं थे। अगर तब आप जीत के लिए श्रेय देने को तैयार नहीं है तो अब मैदान पर अच्छा प्रदर्शन नहीं करने वाली टीम के लिए उन्हें क्यों दोष दे रहे हैं? पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर आर अश्विन ने भी गंभीर का समर्थन किया है और कहा है कि जब खिलाड़ी जिम्मेदारी नहीं ले रहे हैं, तब कोच को हटाने की मांग करना सही नहीं है।

गंभीर के बचाव में उतरे अश्विन कहा कोच क्या कर सकता है

एजेंसी

नयी दिल्ली। पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला में 0-2 से मिली हार के बाद आलोचनाओं से घिरे भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का बचाव करते हुए कहा कि ऐसे समय में उन्हें बर्खास्त करने की मांग करना सही नहीं है जब खिलाड़ियों ने पर्याप्त जिम्मेदारी नहीं उठाई है। भारत को मंगलवार को गुवाहाटी में समाप्त हुए दूसरे टेस्ट मैच में रिकॉर्ड 408 रन से हार का सामना करना पड़ा। गंभीर की आलोचना टीम में अधिक से अधिक ऑलराउंडर को शामिल करने को लेकर हो रही है जिससे टीम का संतुलन प्रभावित हो रहा है। अश्विन ने हालांकि इस पूर्व सलामी बल्लेबाज का समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें हटाया नहीं जाना चाहिए। गंभीर का कार्यकाल 2027 तक है। अश्विन ने अपने यूट्यूब कार्यक्रम 'ऐश की बात' में कहा, ''हम ऐसा क्यों कर रहे हैं। यह एक खेल है। टीम का प्रबंधन करना इतना आसान नहीं होता है और उन्हें भी इस परिणाम से निराशा है। हमें यह समझना होगा। किसी को बर्खास्त करना अच्छा लग सकता है, लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, '' यह किसी का समर्थन करने की बात नहीं है। गौतम मेरा रिश्तेदार नहीं है। मैं भी 10 गलतियां गिना सकता हूं। कोई भी गलती कर सकता है लेकिन कभी कभार गलतियां महंगी पड़ जाती हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएल से संन्यास ले चुके अश्विन ने कहा कि अतीत में भारत के शानदार घरेलू रिकॉर्ड को देखते हुए वह भी जिम्मेदारी तय करने की जरूरत को समझते हैं, लेकिन केवल कोच को निशाना बनाना और खिलाड़ियों से सवाल न पूछना अनुचित है। उन्होंने कहा, ''हम जिम्मेदारी तय करना चाहते हैं। यह आसान है, क्योंकि हम सभी जानते हैं कि भारतीय क्रिकेट में बहुत कुछ हासिल करने को है और इसमें बहुत धनराशि भी शामिल है। बहुत से लोग यह पद हासिल करना चाहते हैं। हमेशा ऐसे लोग मौजूद रहेंगे जो इस पद के लिए आवेदन करना चाहेंगे। लेकिन सच्चाई यह है कि एक कोच बल्ला उठाकर खेलने नहीं जा सकता। अश्विन ने कहा, ''मैं आपसे एक आसान सा सवाल कर रहा हूं कि एक कोच क्या कर सकता है। खुद को कोच की जगह रखकर देखिए। आप कह सकते हैं कि एक खिलाड़ी को निरंतरता की ज़रूरत होती है और इसमें काफ़ी बदलाव हुए हैं। मैं इससे सहमत हूं लेकिन अच्छा प्रदर्शन करने की जिम्मेदारी खिलाड़ी की होती है। उन्होंने कहा, ''मैंने ज़्यादा खिलाड़ियों को इतनी ज़िम्मेदारी लेते नहीं देखा जिससे कि मैं कह सकूं कि कोच के साथ ही कुछ समस्या है। खिलाड़ियों ने ऐसा कोई प्रदर्शन नहीं किया जिससे कि फैसले लेने वाले को ही दोषी माना जाए।

दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद घरेलू स्तर के सीनियर खिलाड़ियों को टेस्ट टीम में मिल सकती है जगह

एजेंसी

नयी दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में दोनों मैच में करारी पराजय झेलने के बाद घरेलू स्तर के कुछ विशेषज्ञ खिलाड़ियों को भारतीय टेस्ट टीम में जगह मिल सकती है क्योंकि अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति बल्लेबाजी क्रम में तीसरे नंबर जैसे महत्वपूर्ण स्थान के प्रति अपने रवैये में बदलाव करने के लिए तैयार है। पिछले तीन दशक में राहुल द्रविड़ और चेतेश्वर पुजारा जैसे बल्लेबाजों ने नंबर तीन पर अपनी भूमिका बखूबी निभाई थी लेकिन अब यह स्थान दांव पर लगा है। करुण नायर इंग्लैंड में चार टेस्ट मैच खेलने के बावजूद प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे जबकि बी साई सुदर्शन ने 11 पारियों में 27 की औसत से यह दिखा दिया है कि वह अभी भी प्रगति की राह पर हैं। सुदर्शन के साथ तकनीक से जुड़ी कुछ समस्याएं हैं विशेष कर उपमहाद्वीप की पिचों पर स्पिन गेंदबाजों के सामने उनकी कमजोरी खुलकर उजागर हो गई है। उन्हें टेस्ट मैचों के लिए तैयार होने के लिए घरेलू क्रिकेट और भारत ए के साथ समय बिताने की जरूरत है। टेस्ट क्रिकेट ऐसी जगह नहीं है जहां प्राथमिक स्तर की छोटी-छोटी गलतियों को सुधारा जाए और यह खिलाड़ी लगातार गलतियों को दोहरा रहे हैं जिसके कारण बदलाव जरूरी हो गया है। इस बात की प्रबल संभावना है कि चयन समिति अब बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए घरेलू स्तर के कुछ सीनियर खिलाड़ियों के नाम पर गंभीरता से विचार करेगी। सरफराज खान और अभिमन्यु ईश्वरन के लिए दरवाजे लगभग बंद हो चुके हैं, लेकिन घरेलू क्रिकेट में अनुभवी तीन खिलाड़ी रुतुराज गायकवाड़, रजत पाटीदार और रिंकू सिंह टीम प्रबंधन का ध्यान अपनी तरफ खींच सकते हैं। लाल गेंद के नए खिलाड़ियों में स्मरण रविचंद्रन (प्रथम श्रेणी औसत 78) और यश राठौड़ (पिछले रणजी सत्र में 960 रन) ने मध्यक्रम में अच्छा प्रदर्शन किया है।

एफआईएच जूनियर विश्व कप: नौ साल बाद घरेलू धरती पर खिताब जीतने उतरेगा भारत

एजेंसी

चेन्नई। टूर्नामेंट के इतिहास में संयुक्त रूप से दूसरी सबसे सफल टीम मेजबान भारत शुक्रवार को यहां पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप के अपने पहले पूल मैच में चिली के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करके नौ साल बाद घरेलू धरती पर खिताब हासिल करने के अपने अभियान का शानदार आगाज करने की कोशिश करेगा। दो बार के चैंपियन भारत ने पिछली बार 2016 में लखनऊ में वर्तमान में सीनियर महिला टीम के कोच हरेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में यह टूर्नामेंट जीता था। मौजूदा टूर्नामेंट में भारत को पूल बी में रखा गया है और वह इस ग्रुप से आगे बढ़ने का प्रबल दावेदार है। भारत और चिली के अलावा, ओमान और स्विट्जरलैंड पूल बी में शामिल अन्य टीमें हैं। पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत का दौरा करने से इनकार कर दिया था जिसके बाद उसकी जगह पर ओमान को शामिल किया गया था। भारत ने 2001 में होबार्ट में और 2016 में लखनऊ में खिताब जीता था। 46 साल पहले 1979 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट में जर्मनी सबसे सफल टीम है, जिसने सात खिताब जीते हैं। भारत के अलावा अर्जेंटीना ने भी दो बार 2005 और 2021 में जूनियर विश्व कप जीता था। पाकिस्तान ने 1979 में वर्सेल्स (फ्रांस) में खेला गया पहला विश्व कप अपने नाम किया था, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 1997 में मिल्टन कीन्स में भारत को हराकर यह खिताब जीता था। भारत 2023 में कुआलालंपुर में खेले गए पिछले जूनियर विश्व कप में चौथे स्थान पर रहा था। वह कांस्य पदक के मैच में स्पेन से 1-3 से हार गया था। जर्मनी तब चैंपियन बना था। इस बार विश्व कप चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा जिसमें रिकॉर्ड 24 टीम खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। टीमों को छह ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप में चार टीमों को रखा गया है जो राउंड रोबिन आधार पर एक दूसरे का सामना करेंगी। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली टीम तथा दूसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीम क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगी। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज भारत खिताब का प्रबल दावेदार है। जर्मनी अंडर-21 वर्ग में दुनिया की शीर्ष रैंकिंग वाली टीम है। यह टूर्नामेंट दो बार के ओलंपिक पदक विजेता गोलकीपर से कोच बने पीआर श्रीजेश के लिए सबसे बड़ी परीक्षा होगी, जो भविष्य में सीनियर टीम को मार्गदर्शन देने के लिए अपनी कोचिंग योग्यता साबित करने के लिए उत्सुक होंगे। मलेशिया में सुल्तान जोहोर कप में रजत पदक जीतने के बाद भारतीय टीम अच्छी लय में है और वह घरेलू मैदान पर खेलने का भी पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगी। लेकिन सुल्तान जोहोर कप के दौरान पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करने में नाकामी अब भी चिंता का विषय बनी हुई है। भारत ने टूर्नामेंट में 53 पेनल्टी कॉर्नर पर केवल आठ गोल किए। श्रीजेश टीम की इस कमजोरी से वाकिफ हैं और उन्होंने इसके लिए उचित कदम भी उठाए हैं। श्रीजेश ने मलेशिया से लौटने पर कहा था, ''मलेशिया में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल नहीं कर पाना चिंता का विषय था, लेकिन हमने इस समस्या का समाधान कर लिया है। हमने पेनल्टी कॉर्नर और पेनल्टी कॉर्नर डिफेंस, दोनों पर विशेष ध्यान दिया है। हमारे पास अच्छे ड्रैग-फ्लिकर हैं, जो दिन में 200-300 बार फ़्लिक करते हैं। उन्होंने टूर्नामेंट से अनुभव हासिल किया है और अब बेहतर तरीके से तैयार हैं।

संक्षिप्त समाचार

मंधाना के साथ रहने के लिए बचे हुए डब्ल्यूबीबीएल सत्र में नहीं खेलेंगी जेमिमा

ब्रिसबेन। भारत की महिला विश्व कप विजेता स्टार जेमिमा रोड्रिग्स ने अपनी साथी खिलाड़ी स्मृति मंधाना के साथ रहने के लिए ऑस्ट्रेलिया में चल रही डब्ल्यूबीबीएल (महिला बिग बैश लीग) के बचे हुए सत्र में नहीं खेलने का फैसला किया है। मंधाना की शादी टल गई है। जेमिमा कुछ दिन पहले मंधाना की शादी में शामिल होने के लिए भारत लौटी थीं। उन्हें शादी में शामिल होने के बाद ब्रिसबेन हीट के साथ अपना सत्र पूरा करने के लिए वापस जाना था। लेकिन शादी से ठीक पहले मंधाना के पिता की तबीयत खराब हो गई जिसके कारण शादी को टालना पड़ा। इसके बाद जेमिमा ने उनके साथ रूकने का फैसला किया। ब्रिसबेन हीट ने एक बयान में कहा, ''ब्रिसबेन हीट ने जेमिमा रोड्रिग्स के डब्ल्यूबीबीएल के बचे हुए सत्र से रिलीज करने के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। इसमें कहा गया, ''रोड्रिग्स 10 दिन पहले होबार्ट हरिकेंस के खिलाफ मैच के बाद भारत लौटी थीं क्योंकि पहले से तय कार्यक्रम के अंतर्गत उन्हें अपनी साथी स्मृति मंधाना की शादी में शामिल होने था। लेकिन मंधाना के पिता की तबीयत खराब होने के कारण समारोह स्थगित कर दिया गया। क्लब ने कहा कि वे जेमिमा के फैसले का सम्मान करते हैं। इसमें कहा गया, ''रोड्रिग्स अपनी टीम की साथी का समर्थन करने के लिए भारत में ही रहेंगी और ब्रिसबेन हीट भी उनके फैसले पर सहमत है कि वह लीग के अंतिम चार मैचों में टीम का हिस्सा नहीं लेंगी। जेमिमा ने भारत को पहला महिला विश्व कप खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने सेमीफाइनल में सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद शतक लगाया था जिससे टीम ने 300 से ज्यादा का लक्ष्य हासिल किया था। ब्रिसबेन हीट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टैरी स्वेंसन ने कहा, ''यह जेमिमा के लिए चुनौतीपूर्ण समय रहा। वह डब्ल्यूबीबीएल के बचे हुए सत्र में आगे नहीं खेल पाएंगी, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। हमने खुशी से उनके भारत में रहने के अनुरोध को मंजूर किया।

चैंपियंस लीग: एमबाप्पे के चार गोल की बदौलत ग्रीस में पहली बार जीता रियल मैड्रिड

एथेंस। रियल मैड्रिड के स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे ने चार गोल दागकर अपनी टीम को चैंपियंस लीग में ओलिम्पियाकोस के खिलाफ बुधवार (भारतीय समयानुसार गुरुवार) को 4-3 की रोमांचक जीत दिलाई। इस जीत के साथ रियल ने ग्रीस में ओलिम्पियाकोस को उसके घर पर पहली बार हराने का इतिहास भी रचा। एमबाप्पे ने पहले हाफ में मात्र 6 मिनट 42 सेकंड के अंदर चैंपियंस लीग इतिहास की दूसरी सबसे तेज हैट्रिक पूरी की। हालांकि मैच रियल के लिए आसान नहीं था, लेकिन इस जीत से टीम ने सभी प्रतियोगिताओं में तीन मैचों से जारी जीत का सूखा तोड़ दिया। रियल मैड्रिड अब 12 अंकों के साथ स्टैंडिंग में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है, जबकि शीर्ष आठ टीमें नॉकआउट चरण में स्वतः क्वालीफाई करेंगी। ओलिम्पियाकोस दो अंकों के साथ 33वें स्थान पर खिसक गया। कोच ज़ाबी अलोंसो ने जीत को टीम के आत्मविश्वास के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, ल्लसबसे जरूरी था जीतना, इस चक्र को तोड़ना। हमने धैर्य के साथ खेला और मैच को पलट दिया। ग्रीस में पहली बार जीतना खास है। एमबाप्पे की तारीफ करते हुए अलोंसो ने कहा, ल्लवह बहुत महत्वपूर्ण हैं। सिर्फ गोल नहीं, उनकी व्यक्तित्व, टीमवर्क—सबकुछ शानदार है। मैच में ओलिम्पियाकोस ने आठवें मिनट में चीक्विन्हो के गोल से बढ़त बनाई। 22वें मिनट में विनीसियस जूनियर के पास पर एमबाप्पे ने गोल कर अपनी टीम को बराबरी कराई। दो मिनट बाद अरदा गुलर के क्रॉस पर हेडर लगाकर एमबाप्पे ने बढ़त दिलाई। कुछ सेकंड बाद ही एक और क्लिनिकल फिनिश से एमबाप्पे हैट्रिक पूरी कर चुके थे। पहले हाफ में रियल का दबदबा रहा और टचुआमेनी का शॉट पोस्ट से टकराया। दूसरे हाफ में 52वें मिनट में मेहदी तरेमी ने हेडर से गोल कर स्कोर 3-2 किया। 60वें मिनट में एमबाप्पे ने विनीसियस के एक और पास पर चौथा गोल दागा, लेकिन ओलिम्पियाकोस ने लड़ाई जारी रखी। 81वें मिनट में अयूब एल काबी ने गोल कर मैच को फिर रोमांचक बना दिया। आखिरी मिनटों में ओलिम्पियाकोस ने भारी दबाव बनाया, लेकिन बराबरी का गोल नहीं कर सका। रियल मैड्रिड ने आखिरकार 4-3 से रोमांचक जीत दर्ज करते हुए इतिहास रच दिया।

केआईयूजी 2025 : साक्षी पाडेकर ने आर्थिक तंगी को पीछे छोड़ते हुए 10 मीटर एयर राइफल में जीता स्वर्ण

जयपुर। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) राजस्थान 2025 में महाराष्ट्र की उभरती निशानेबाज साक्षी पाडेकर ने अपनी जिंदगी के संघर्षों को पीछे छोड़ते हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम कर नया इतिहास रच दिया। सुरक्षा गार्ड की बेटी साक्षी के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि वह अब तक मुख्य रूप से 50 मीटर राइफल स्पर्धा में हिस्सा लेती आई थीं। एनसीसी कैडेट रहते हुए शूटिंग से आकर्षित हुई साक्षी के लिए पहले ही कदम कठिन थे। राइफल किराए पर लेना और बेसिक गोला-बारूद तक खरीदना बड़ा चुनौतीपूर्ण था। परिवार ने बेटी के सपनों के लिए मां के जेवर तक गिरवी रख दिए ताकि ट्रेनिंग शुरू हो सके। लगातार संघर्षों के बीच पुणे स्थित गगन नारंग स्पोर्ट्स फाउंडेशन ने साक्षी को अपनी स्कॉलरशिप के तहत नई दिशा दी। इसके बाद साक्षी ने 2024 महाराष्ट्र स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में जूनियर और सीनियर दोनों वर्गों में 50 मीटर राइफल 3-पोजिशन में स्वर्ण जीता और राष्ट्रीय स्तर पर रजत पदक भी हासिल किया। साथ ही, वह 2024 जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप, पेरू में भारत का प्रतिनिधित्व भी कर चुकी हैं। स्वर्ण जीतने के बाद साक्षी ने कहा, ''मैं जानती थी कि शांत रहना जरूरी है। बस लक्ष्य पर ध्यान रखा, मेहनत की और आज उसका फल मिला। साक्षी ने यह भी बताया कि राइफल किराए पर लेने में लगभग 40,000 रुपये प्रति माह खर्च होते थे, जिसे उनके माता-पिता ने आठ महीने तक किसी तरह पूरा किया, जब तक कि फाउंडेशन ने उन्हें सहारा नहीं दिया। साल की शुरुआत में कलाई की चोट से जूझने के बावजूद साक्षी ने हार नहीं मानी।

भारत-स्विट्जरलैंड के बीच व्यापार वार्ता तेज, फार्मा निवेश पर दिया जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को स्विट्जरलैंड की आर्थिक मामलों की राज्य सचिव हेलेन बुडिलगर आर्टिडा से नई दिल्ली में मुलाकात की। इस मुलाकात में रिसर्च और डेवलपमेंट में सहयोग और भारत के बढ़ते हेल्थकेयर सेक्टर में स्विस फार्मास्यूटिकल कंपनियों के लिए इन्वेस्टमेंट के मौकों को बढ़ाने पर चर्चा हुई। पीयूष गोयल ने स्विट्जरलैंड की इकोनॉमिक अफ़ेयर्स स्टेट सेक्रेटरी हेलेन बुडलिगर आर्टिडा के साथ हुई बैठक की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फार्मास्यूटिकल सेक्टर में इन्वेस्टमेंट के मौकों पर चर्चा की गई। हेलेन बुडलिगर आर्टिडा के साथ स्विस फार्मा और बायोटेक कंपनियों की बातचीत अनुसंधान एवं विकास में और सहयोग के तरीकों और स्विस फार्मा कंपनियों के लिए भारत के मजबूत हेल्थकेयर क्षेत्र का फायदा उठाने के लिए निवेश इन्वेस्टमेंट के मौकों को बढ़ाने पर फोकस रही। साथ ही आपसी विकास के लिए मुख्य सेक्टर्स में सहयोग को और बढ़ाने के मकसद से इंडिया-ईएफटीए ट्रेड एंड इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (टीईपीए) के तहत हुई प्रगति पर भी चर्चा की।

पर्थ की पिच को 'बहुत अच्छी' रेटिंग, दो दिन में खत्म हुए टेस्ट पर भी आईसीसी ने जताई संतुष्टि

नई दिल्ली। पहले एशेज टेस्ट के केवल दो दिनों में समाप्त होने के बावजूद इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने पर्थ की पिच को 'बहुत अच्छी' रेटिंग दी है। यह रेटिंग मैच रेफरी रंजन मदुगले ने जारी की। आईसीसी की चार-स्तरीय पिच रेटिंग प्रणाली में 'बहुत अच्छी' सबसे उच्च श्रेणी होती है, जो पिच में अच्छी उछाल, सीम मूवमेंट की सीमित भूमिका और पूरे मैच में समान गति दर्शाती है। दो दिन चले इस मुकाबले में पहले दिन ही 19 विकेट 305 रन पर गिर गए थे। दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड द्वारा दिए गए 205 रन के लक्ष्य को एक ही सत्र में आसानी से हासिल कर लिया। मुकाबले को देखने के लिए दो दिनों में 1,01,514 दर्शक स्टेडियम पहुंचे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चीफ ऑफ क्रिकेट जेम्स ऑलसोप ने कहा कि मैच सिर्फ दो दिन में खत्म होना उन दर्शकों के लिए निराशाजनक था जिनके पास तीसरे और चौथे दिन का टिकट था, लेकिन पर्थ स्टेडियम की पिच ने बल्ले और गेंद के बीच शानदार संतुलन बनाया।

दिल्ली में मोबाइल नेटवर्क टेस्ट में एयरटेल और जियो सबसे तेज, एमटीएनएल सबसे कमजोर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अक्टूबर महीने में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में किए गए मोबाइल नेटवर्क की गुणवत्ता के मूल्यांकन के लिए स्वतंत्र ड्राइव टेस्ट में एयरटेल और रिलायंस जियो सबसे अच्छी सेवा देने वाली कंपनी साबित हुए हैं। वोडाफोन-आइडिया मध्यम स्तर पर रही और महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) सबसे निचले पायदान पर रही। ट्राई के अनुसार, परीक्षण में राजधानी के 402 किलोमीटर मार्ग, 14 हॉटस्पॉट, 6.1 किलोमीटर पैदल ट्रैक और एक इंटर-ऑपरेटर कॉलिंग स्थान शामिल थे। परीक्षण में 2जी, 3जी, 4जी और 5जी नेटवर्क पर कॉल सेटअप, ड्रॉप कॉल, ध्वनि गुणवत्ता, डाउनलोड और अपलोड स्पीड, लेटेंसी सहित सभी प्रमुख पैमानों का आंकलन किया गया। वॉयस सेवा में कॉल सेटअप सफलता दर एयरटेल 99.50 प्रतिशत, जियो 99.30 प्रतिशत, वीआई 98.59 प्रतिशत और एमटीएनएल 86.53 प्रतिशत रही। कॉल ड्रॉप दर में एयरटेल और जियो शून्य, वीआई 0.20 प्रतिशत और एमटीएनएल 7.46 प्रतिशत दर्ज किया गया। कॉल साइलेंस रेट में एयरटेल 0.76 प्रतिशत, जियो 2.53 प्रतिशत और वीआई 0.88 प्रतिशत रही। ट्राई के मुताबिक, ध्वनि गुणवत्ता (एमओएस स्कोर) में वीआई ने 4.38 अंक के साथ सर्वाधिक स्कोर हासिल किया, इसके बाद एयरटेल 4.00, जियो 3.80 और एमटीएनएल 2.73 अंक रहा। डेटा सेवा में औसत डाउनलोड स्पीड एयरटेल 234 एमबीपीएस, जियो 249.02 एमबीपीएस, वीआई 23.82 एमबीपीएस और एमटीएनएल 5.04 एमबीपीएस रही।

आईटीआर में विदेशी संपत्तियों का खुलासा नहीं करने वालों को आयकर विभाग भेजेगा संदेश

नयी दिल्ली। आयकर विभाग ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने ऐसे अधिक-जोखिम वाले मामलों को चिह्नित किया है जिनमें करदाताओं ने मूल्यांकन वर्ष 2025-26 के आयकर रिटर्न में अपनी विदेशी परिसंपत्तियों का ब्योरा नहीं दिया है। विभाग ने कहा कि 28 नवंबर से इन करदाताओं को एसएमएस एवं ईमेल भेजा जाएगा और उन्हें दंडात्मक कार्रवाई से बचने के लिए 31 दिसंबर, 2025 तक संशोधित आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की सलाह दी जाएगी। पिछले साल भी आयकर विभाग ने स्वचालित सूचना आदान-प्रदान (एईओआई) व्यवस्था के तहत विदेशी क्षेत्राधिकारों द्वारा सूचित ऐसे करदाताओं को संदेश भेजे थे, जिन्होंने अपने विदेशी निवेश और खातों का विवरण आईटीआर में नहीं दिया था।

भारत और यूएई ने बाजार पहुंच, डेटा साझाकरण, एफटीए प्रगति पर की चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए बाजार पहुंच, डेटा साझाकरण, डंपिंग रोधी मामलों एवं सेवाओं आदि से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की है। भारत-यूएई ने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) के तहत संयुक्त समिति की बैठक के दौरान इन मुद्दों पर चर्चा की। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक बयान में बताया कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने नई दिल्ली में भारत-यूएई व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) के तहत संयुक्त समिति की तीसरी बैठक का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस बैठक की सह-अध्यक्षता वाणिज्य विभाग के अपर सचिव अजय भादू और यूएई के अंतरराष्ट्रीय व्यापार कार्य सहायक अवर सचिव जुमा अल कैत ने की। भारत-यूएई ने सीईपीए के तहत संयुक्त समिति की बैठक के दौरान इन मुद्दों पर चर्चा की। मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने सीईपीए के तहत प्रगति की व्यापक समीक्षा की। साथ ही बाजार पहुंच के मुद्दों, डेटा साझाकरण, स्वर्ण टीआरक्यू (निश्चित मात्रा तक कम शुल्क पर) आवंटन, डंपिंग रोधी मामलों, सेवाओं, उत्पत्ति के नियमों, बीआईएस लाइसेंसिंग पर विस्तृत चर्चा की।

भारतीय पक्ष ने यूएई को पारदर्शी प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के जरिए स्वर्ण टीआरक्यू आवंटन पर अपने हालिया निर्णय के बारे में भी जानकारी दी। सीईपीए एक प्रकार का मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) है। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक दोनों पक्षों ने औषधि क्षेत्र में विनियामक सहयोग बढ़ाने, उत्पत्ति प्रमाण पत्र से संबंधित मुद्दों के समाधान पर चर्चा की। इसके साथ ही कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा), भारत तथा संयुक्त अरब अमीरात के जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण मंत्रालय के बीच खाद्य सुरक्षा तथा तकनीकी जरूरतों पर समझौता ज्ञापन पर शीघ्र हस्ताक्षर करने पर भी विचार-विमर्श किया।

वित्त वर्ष 2024-25 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 100 अरब अमेरिकी डॉलर को पार कर गया है, जो वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में 19.6 फीसदी की वृद्धि है। दोनों देशों ने 2030 तक गैर-तेल और गैर-कीमती धातु व्यापार को 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

ऐप्पल के मालिक से लेकर आम जनमानस के हृदय में निवास करते हैं बाबा नीम करोरी महाराज : ब्रजेश पाठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

फिरोजाबाद। प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बृहस्पतिवार को पत्नी के साथ बाबा नीम करोरी महाराज की जन्म स्थली के दर्शन किए। उन्होंने कहा कि ऐप्पल के मालिक से लेकर आम जनमानस के हृदय मे बाबा निवास करते हैं और उनके संकट का हरण करते हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक बृहस्पतिवार को बाबा नीम करोरी महाराज के जन्मोत्सव के अवसर पर उनकी जन्मस्थली ग्राम अकबरपुर तहसील टूण्डला में पहुंचे थे। उन्होंने यहां पर बाबा के चरणों में नतमस्तक होने के साथ-साथ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना की,

साथ ही साथ उन्होंने बाबा के परिजनों से भी मुलाकात की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने बाबा नीम करोरी जी महाराज के जीवन और संदेश पर निर्मित कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। इस मौके पर उन्होने कहा कि मेरी प्रार्थना है कि पूरे प्रदेश के लोग नीम करोरी बाबा के आशिर्वाद से सुखी हों और विकास के पथ पर सदैव अग्रसर हो, बाबा का ध्यान संकटहरण करता है, परेशान जनमानस को रास्ता दिखाता है, बाबा के वचन सनातन संस्कृति को प्रगाढ़ बनाने का काम कर रहे हैं, यही कारण है कि आज उनकी ख्याति देश के साथ-साथ पूरी दुनिया में है, ऐप्पल के मालिक से लेकर आम जनमानस के हृदय मे बाबा निवास करते हैं और उनके संकट का हरण करते हैं, बाबा के आशीर्वाद से सनातन संस्कृति का ध्वज पूरे विश्व में लहरा रहा है। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह और बाबा के दामाद जगदीश भटेरे आदि भी उपस्थित रहें।

मध्यान्ह भोजन योजना में 11 करोड़ से अधिक के गबन का मामला उजागर, पांच आरोपित गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बलरामपुर। थाना कोतवाली नगर क्षेत्रांतर्गत मध्यान्ह भोजन योजना में सरकारी दस्तावेजों में कूटरचना कर 11 करोड़ रुपये से अधिक सरकारी धन के गबन का मामला सामने आया है। प्रकरण में पुलिस ने पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है। गुरुवार को पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बताया कि बीएसए बलरामपुर शुभम शुक्ला द्वारा कराई गई विभागीय जांच के उपरांत 26 नवम्बर बुधवार को थाना कोतवाली नगर में मुकदमा पंजीकृत कराया गया था। शिकायत दर्ज कराई कि मध्यान्ह भोजन योजना (डीसी एमडीएम) से जुड़े कई व्यक्तियों ने आपसी मिलीभगत से सरकारी दस्तावेजों में कूटरचना करते हुए प्रथम दृष्टया 11करोड़ रुपये से अधिक धनराशि का गबन किया है। इस संबंध में 45 आरोपितों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया । उन्होंने बताया कि घटना में शामिल आरोपितों की गिरफ्तारी हेतु दिए गए निर्देशों के क्रम में प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह थाना कोतवाली नगर के नेतृत्व में टीम सक्रिय थी। आज गुरुवार को संभावित स्थानों पर दबिश के दौरान मुखबिर की सूचना पर पांच आरोपितों मलिक मुनव्वर (धुसवा), फिरोज अहमद (बरगदवा सैफ), अशोक कुमार गुप्ता (बलुआ बलुई), नसीम अहमद (चयपुरवा), तथा मोहम्मद अहमदुल कादरी (मध्यनगर) को शहर के नार्मल तिराहे के निकट से गिरफ्तार किया गया है। एसपी ने बताया कि पूछताछ में मुख्य आरोपी फिरोज अहमद खान (जिला समन्वयक, मध्यान्ह भोजन योजना) ने स्वीकार किया है कि बेसिक शिक्षा विभाग के आईवीआरएस पोर्टल से विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों की संख्या के आधार पर शासन द्वारा निर्धारित कन्वर्जन कॉस्ट के अनुसार एक्सेल शीट तैयार की जाती थी। यह शीट बीएसए व वित्त एवं लेखा अधिकारी की जांच के बाद जिलाधिकारी को अनुमोदन हेतु भेजी जाती थी। जिलाधिकारी द्वारा अनुमोदित राशि को पीएफएमएस पोर्टल पर अपलोड किया जाना चाहिए था, जिससे धनराशि सीधे विद्यालयों के खातों में पहुंच सके। लेकिन आरोपियों ने मूल एक्सेल शीट अपलोड न कर संशोधित (कूट रचित) शीट पोर्टल पर अपलोड कर दी, जिसमें कुछ विद्यालयों की धनराशि बढ़ा दी जाती थी तथा उतनी ही धनराशि अन्य विद्यालयों से घटा दी जाती थी।

पोकलैंड मशीन से खदान मुंशी की मौत ग्रामीणों ने मैनेजर को बनाया बंधक

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जनपद में अहरौरा थाना क्षेत्र के कंचनपुर मगन दिवाना पहाड़ी के पास गुरुवार भोर एक खदान में हुए हादसे में प्लांट के मुंशी जयहिंद यादव (32) निवासी मुबारकपुर, जनपद चंदौली की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर जमा हो गए और शव लेकर भागने की कोशिश कर रहे खदान मैनेजर को बंधक बनाकर हंगामा काटा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह स्थिति नियंत्रित किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेजते हुए कार्रवाई की। एसएसपी सोमेन बर्मा ने बताया कि अहरौरा थाना इलाके में स्थित एक खदान में मुंशी की मौत का मामला प्रकाश में आया है।

एसआईआर लोकतंत्र की पवित्रता का अभियान : मंत्री रजनी तिवारी

- प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हो रही देश में राम राज्य की स्थापना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी का प्रयागराज आगमन पर आर्य कन्या डिग्री कॉलेज मुट्ठीगंज में भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं से भेंट की और कहा कि एसआईआर अभियान लोकतंत्र की पवित्रता का अभियान है। इस अभियान से देश में अवैध रूप से रह रहे घुसपैठिए के अंदर भय व्याप्त है और देश छोड़कर भाग रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इस अभियान से लोकतंत्र की मर्यादा को बनाए रखते हुए देश की जनता जागरुक है और उत्साहित हैं। यह अभियान वास्तव में देश की लोकतंत्र प्रणाली को और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास की उड़ान भरते हुए विकास गौरव गाथा लिखी है। देश विकासशील से विकसित भारत की ओर बढ़ रहा है और मोदी के नेतृत्व में देश के अंदर रामराज की स्थापना हो रही है। देश के युवाओं, महिलाओं व किसानों को आगे बढ़ाने में मोदी सरकार ने हर क्षेत्र में अवसर प्रदान किया है। कहा कि केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार में अंत्योदय सिद्धांत को धरातल उतारा गया है। मंत्री ने आगे कहा कि सरकार की पहली सबसे बड़ी विचारधारा है कि देश के अंदर कोई भूखा न रहे और चिकित्सा और शिक्षा से वंचित न रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 2047 तक विकसित भारत बनाने का जो लक्ष्य है वो जब तक पूरा नहीं होगा तब तक हम चैन से बैठने वाले नहीं हैं।इस अवसर पर पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी, महापौर गणेश केसरवानी, भाजपा प्रवक्ता राजेश केसरवानी, पार्षद रुद्रसेन जायसवाल, राकेश जायसवाल, किशोरी लाल जायसवाल, सत्या जायसवाल, आयुष अग्रहरि, हिमालय सोनकर, नीरज केसरवानी, कमलेश केसरवानी, विजय पुर्शवानी आदि उपस्थित रहे।

बीपीएड डिग्री की मान्यता को लेकर बीएचयू के छात्रों ने कुलपति आवास के सामने दिया धरना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू)के दो वर्षीय बीपीएड और एमपीएड डिग्री की मान्यता को लेकर विद्यार्थियों ने गुरूवार को कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी के आवास के पास जमकर धरना दिया। छात्रों ने इस दौरान आरोप लगाया कि उनका कोर्स एनसीटीई द्वारा अनुमोदित है, इसके बावजूद नवोदय विद्यालय की शारीरिक शिक्षक (टीजीटी) पद की वैकेंसी में बीपीएड डिग्री को मान्यता नहीं दी गई है। इसके पहले नवोदय और केंद्रीय विद्यालय सहित तमाम शिक्षण संस्थानों में यहां के छात्रों की डिग्री को मान्यता दी जाती थी। एनवीएस और ईएमआरएस में उनके कोर्स को मान्यता नहीं दी गई। छात्रों के धरना की जानकारी पाते ही प्राक्टोरियल बोर्ड के अफसरों और जवानों के साथ वरिष्ठ शिक्षक भी धरना स्थल पर पहुंचे औरर छात्रों को मनाते रहे। धरना प्रदर्शन के बीच बीपीएड के छात्रों का एक प्रतिनिधिमंडल को कुलपति से मिलने के लिए बुलाया गया।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

संपादक समन्वय
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
पीयूष त्रिपाठी

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

श्रीकृष्ण बाल लीलाओं से गुंजा मंदिर, भागवत कथा में भक्ति का उमड़ा सागर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। विकासखंड कोन के श्रीपट्टी गांव स्थित महाकालेश्वर मंदिर परिसर में चल रही सप्त दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा में गुरुवार को चौथे दिन भक्तिमय वातावरण छाया रहा। कथा वाचक मृत्युंजयानंद महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं के साथ-साथ राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न की प्रेरणादायी कथा का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने बताया कि भाद्रपद माह की कृष्ण अष्टमी को आधी रात मथुरा के कारागार में देवकी और वसुदेव के घर जन्मे श्रीकृष्ण को भगवान की लीला से खुली बेड़ियों के कारण वसुदेव यमुना पार कर गोकुल में नंद-यशोदा को सौंप सके, जहाँ उनका पालन-पोषण हुआ। महाराज ने कहा कि भागवत कथा के श्रवण से जन्म-जन्मांतर के पाप नष्ट होते हैं और मनुष्य मोक्ष की ओर अग्रसर होता है। कथा के अंत में भगवान भागवत की आरती की गई और भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य यजमान विद्यावती देवी, प्रभात मिश्रा, सरिता मिश्रा, प्रभाकर मिश्रा, कविता मिश्रा सहित निपेंद्र कुमार दुबे, घनश्याम पांडेय, विनोद कुमार दुबे समेत सैकड़ों भक्त उपस्थित रहे।

संविधान दिवस पर 7 नेवल यूनिट एनसीसी, बीएचयू, ग्रुप मुख्यालय वाराणसी 'ए' के कैडेट्स ने ली शपथ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। संविधान दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को 7 नेवल यूनिट एनसीसी, बीएचयू, एनसीसी ग्रुप मुख्यालय वाराणसी 'ए' के कैडेट्स ने संविधान की शपथ ली। इस अवसर पर आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में कैडेट्स ने भारत के संविधान में निहित मूल्यों, अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति अपनी निष्ठा और प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान कैडेट्स ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया, जिसमें न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुता जैसे मूल आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया गया। इस शपथ ने कैडेट्स में राष्ट्रीय चेतना, एकता और जिम्मेदारी की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया। इस अवसर पर यूनिट के कमांडिंग ऑफिसर निखिल वैश ने कैडेट्स को संविधान की महत्ता को बताया और उसके पालन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं बल्कि राष्ट्र की आत्मा है, और इसका सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का परम कर्तव्य है। कमांडिंग ऑफिसर ने कैडेट्स को सामाजिक और राष्ट्रीय दायित्वों के प्रति सजग रहने तथा आदर्श नागरिक बनने का संदेश दिया। शपथ ग्रहण समारोह ने न केवल कैडेट्स को प्रेरित किया, बल्कि युवाओं के बीच राष्ट्रभक्ति और संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 7 नेवल यूनिट एनसीसी द्वारा किया गया यह प्रयास देशप्रेम, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा की भावना को सशक्त बनाता है।

एमपी के आईएएस अधिकारी के अमर्यादित बयान पर अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद ने जताया विरोध, कार्रवाई की मांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

महोबा। आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा द्वारा एमपी के भोपाल में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में दिए गए विवादित एवं अमर्यादित बयान को लेकर उत्तर प्रदेश के महोबा में गुरुवार को अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद द्वारा आक्रोश व्यक्त किया गया। पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी चरखारी को राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंप सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने वालों पर सख्त से सख्त कड़ी कार्रवाई की मांग की है। अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद के जिलाध्यक्ष जुगल किशोर द्विवेदी ने बताया कि ज्ञापन के माध्यम से आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा के विरुद्ध तत्काल कठोर विभागीय कार्रवाई करते हुए उन्हें पद से हटाया जाने की मांग की गई है, जिससे प्रशासनिक सेवा की गरिमा और सामाजिक सौहार्द दोनों सुरक्षित रह सके। जिलाध्यक्ष ने कहा कि एक अधिकारी द्वारा सामाजिक माहौल को बिगाड़ने वाला जो बयान दिया गया है, वह न केवल भारतीय प्रशासनिक सेवा की गरिमा और निष्पक्षता के विपरीत है, बल्कि समाज में जातीय विद्वेष बढ़ाने तथा सामाजिक समरसता को क्षति पहुंचाने वाला भी है। संतोष वर्मा के बयान में समाज को बांटने वाले संकेत, व्यक्तिगत आस्थाओं पर आघात तथा सार्वजनिक पद की मर्यादा के विपरीत भाषा स्पष्ट दिखाई देती है। परिषद के अशोक महाराज ने कहा कि आरक्षण जैसी संवैधानिक नीति और विवाह जैसे सामाजिक संस्कार को जोड़कर की गई टिप्पणी एक संकीर्ण मानसिकता एवं गैर-जिम्मेदाराना सोच को दर्शाती है। ऐसी सोच रखने वाला अधिकारी समाज के बड़े वर्ग के प्रति निष्पक्ष प्रशासन देने में सक्षम नहीं हो सकता। साथ ही चेतावनी देते हुए कहा कि यदि समय रहते उचित कार्रवाई नहीं हुई, तो यह प्रकरण देशभर में गंभीर जनाक्रोश और असंतोष का कारण बन सकता है। संगठन ने स्पष्ट किया कि न्यायोचित कार्रवाई होने तक लोकतांत्रिक विरोध जारी रहेगा। इस मौके पर परिषद के पंडित योगेश पाठक, अशोक महाराज, राकेश थापक, उमेश पाठक, चिंता हरण तिवारी, विवेक त्रिवेदी, संतोष तिवारी, राजेश पांडे, अश्वनी द्विवेदी, श्याम किशोर तिवारी, केदारनाथ तिवारी, अनूप गुरुदेव, बृजेश द्विवेदी, बृजेश रावत सहित अन्य लोग मौजूद रहे हैं।

क्रेस्ट अस्पताल के प्रबंधन व सर्जन पर लापरवाही का आरोप, सीएमओ ने बैठाई जांच

- मरीज की मौत के बाद परिजनों ने सीएमओ से शिकायत कर अस्पताल के प्रबंधन व डॉक्टर पर लगाया था आरोप

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ कुलदीप सिंह ने थाना सिविल लाइन क्षेत्र स्थित क्रेस्ट अस्पताल के प्रबंधन व सर्जन पर लापरवाही के आरोप की जांच शुरू करा दी है। जांच कमेटी में उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी समेत तीन चिकित्सक शामिल हैं। हिमगिरी कॉलोनी निवासी हरीश चंद्र पुसोला ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को बीते दिनों दिए शिकायतीपत्र में कंठ रोड स्थित क्रेस्ट अस्पताल के प्रबंधन व सर्जन डॉ. अमन सिंघल पर लापरवाही का आरोप लगाया था।

शिकायतकर्ता ने पत्र में कहा है कि 81 वर्षीय रामदयाल पुसोला की तीन बार सर्जरी की गई। ऑपरेशन व देखभाल दोनों में अस्पताल की ओर से लापरवाही की गई, जिसके कारण मरीज की मौत हो गई। सीएमओ डॉ. कुलदीप सिंह ने मृतक मरीज के बेटे की शिकायत के आधार पर अस्पताल के खिलाफ गुरुवार को जांच शुरू करा दी है। जांच कमेटी में डिप्टी सीएमओ डॉ. संजीव बेलवाल, डॉ. राजीव शर्मा और सर्जन डॉ. राहुल चौधरी को शामिल किया गया है। सात दिन के अंदर जांच आख्या देने के निर्देश दिए हैं। शिकायतकर्ता का कहना है कि जुलाई 2025 में मरीज का हर्निया का ऑपरेशन क्रेस्ट अस्पताल में हुआ। छुट्टी के काफी दिन बाद तक उनके पेट में दर्द बना रहा और बढ़ता गया। दोबारा चेकअप कराने पर पता चला कि मरीज को एंपेडिक्स की दिक्कत है। अस्पताल के सर्जन डॉ. अमन सिंघल ने 21 जुलाई को दूसरा ऑपरेशन किया और आंत का कुछ हिस्सा बाहर छोड़ दिया। ढाई माह बाद ऑपरेशन करके आंत को शरीर के अंदर डालने के लिए कहा। ढाई माह बाद तीसरे ऑपरेशन के बाद है। आईसीयू में मरीज गिर गए। स्टाफ के ध्यान न देने के कारण उनके चोट भी लग गई। परेशान होकर परिजन दूसरे अस्पताल में गए जहां मरीज ने दम तोड़ दिया।

परिजनों का कहना है कि क्रेस्ट अस्पताल ने इलाज के लिए आयुष्मान कार्ड स्वीकार नहीं किया। साथ ही इलाज में लापरवाही भी की। इस मामले में सर्जन डॉ. अमन सिंघल का कहना है कि मरीज जून से अक्टूबर तक उनके पर्यवेक्षण में रहा। परिजनों ने आयुष्मान न होने की बात अस्पताल को लिखकर दी है। तीन सर्जरी होने के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया था, क्योंकि कुछ सुविधाएं यहां उपलब्ध नहीं थी। उन्होंने आरोपों को गलत बताया है।